जबलपुर बुधवार 10 जून 2026 > शक संवत 1948, ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष दशमी

वर्ष 31 अंक 341 मूल्य ₹ 3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96

www.swatantramat.com

अब हर रोज दर्पण ⏩ 3

स्वतंत्र मत

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।

मौसम
अधिकतम तापमान 40.0°C
न्यूनतम तापमान 28.5°C

सूर्योदय -5.24 | सूर्यास्त - 6.56

पंडित शंभुनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय में ⏩ 2

रामायणम में मंदोदरी बनीं काजल अग्रवाल ने ⏩ 7

कलेक्टर ने स्थापित किया बाढ़ आपदा नियंत्रण कक्ष, ⏩ 9

मंडी शुल्क बढ़ा: सरकार को होगी 500 करोड़ की अतिरिक्त आमदनी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक में लिया गया निर्णय

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंगलवार को मंत्रालय में हुई। मंत्रि-परिषद की बैठक में मध्यप्रदेश के बुनियादी ढांचे, तकनीकी विकास और किसान कल्याण से जुड़े कार्यों के लिए लगभग 13 हजार 800 करोड़ रूपये की स्वीकृति के साथ कई बड़े एवं महत्वपूर्ण निर्णयों पर मुहर लगाई गई है। बैठक में भोपाल मेट्रो रेल परियोजना की संशोधित कुल लागत और अतिरिक्त वित्त पोषण को मिलाकर 13,565.84 करोड़ रूपये की पुनरीक्षित राशि की स्वीकृति दी गई। अब भोपाल शहर के यातायात नेटवर्क को बड़ा विस्तार मिलेगा। इसके साथ ही राज्य में

डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन को सुदृढ़ करने के लिए आगामी 5 वर्षों 2026-2031 के लिए आई.टी. संवर्ग परामर्श सेवाओं और कार्य योजना के लिए 235 करोड़ 63 लाख रूपये स्वीकृत किए गए है। कृषि और व्यापार जगत को गति देने के लिए मंत्रि-परिषद ने कपास पर मंडी फीस की दर को 1 प्रतिशत से घटाकर 0.5 प्रतिशत करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है, जिससे स्थानीय जिनिंग मिलों को मजबूती मिलेगी और रोजगार बढ़ेगा। किसान हित में सामान्य मंडी शुल्क को एक रूपये से बढ़ाकर एक रूपये 50 पैसे किया गया है। शुल्क के रूप में प्राप्त होने वाली 500 करोड़ रूपये की अनुमानित अतिरिक्त आय का उपयोग सीधे किसान सड़क निधि और कृषि अनुसंधान के विकास में किया जाएगा। आगामी रबी और खरीफ विपणन सत्रों में फसलों के सुचारू उपार्जन को सुनिश्चित करने के लिए एमपीएससीएससी और मार्कफेड को 8,600 करोड़ रूपये की नि:शुल्क शासकीय प्रत्याभूति देने की भी बड़ी मंजूरी दी गई है। यह फैसले प्रदेश की आर्थिक और सामाजिक उन्नति की दिशा में सशक्त कदम साबित होंगे।

अतिरिक्त वित्त पोषण के लिए स्वीकृति

मंत्रि-परिषद ने भोपाल मेट्रो रेल परियोजना की मूल लागत 6,941.40 करोड़ में 3,092.22 करोड़ रूपये की अतिरिक्त लागत जोड़कर संशोधित कुल लागत 10,033.62 करोड़ रूपये के प्रस्ताव पर स्वीकृति प्रदान की है। मंत्रि-परिषद ने इसके अतिरिक्त उद्योग के स्वीकृत मानदंडों के अनुसार परियोजना के लिए अतिरिक्त वित्त पोषण के लिए 3,532 करोड़ 22 लाख रूपये की भी स्वीकृति प्रदान की है। इसमें भारत शासन और राज्य शासन द्वारा 995 करोड़ 9 लाख रूपये की अतिरिक्त इक्विटी और केन्द्रीय करों के लिए 84 करोड़ 54 लाख रूपये का अतिरिक्त अधीनस्थ ऋण, वित्तपोषण एजेंसी बैंकों से ऋण निधि के विरुद्ध 1,620 करोड़ 64 लाख रूपये का अतिरिक्त पीटीए /आंतरिक ऋण, मध्यप्रदेश शासन से भूमि की लागत और पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन के लिए 138 करोड़ 38 लाख रूपये का अतिरिक्त अधीनस्थ ऋण तथा मध्यप्रदेश शासन से राज्य करों के लिए 446 करोड़ 35 लाख रूपये एवं ड्रष्ट की लागत के लिए 246 करोड़ 41 लाख रूपये का अतिरिक्त अनुदान शामिल है।

मंडी शुल्क 1.50 रुपये किए जाने का निर्णय

अब जिलों में कोल्डस्टोरेज, वेयर हाउस, प्रसंस्करण इकाईयों एवं लॉजिस्टिक सुविधाओं को मिलेगा प्रोत्साहन मंत्रि-परिषद द्वारा मंडी शुल्क को एक रुपये के स्थान पर वृद्धि कर 1.50 रुपये किए जाने का निर्णय लिया है। इस राशि से जिलों में कोल्डस्टोरेज,वेयरहाउस प्रसंस्करण इकाईयों एवं लॉजिस्टिक सुविधाओं को प्रोत्साहन मिलेगा। इस शुल्क राशि में से 50 पैसे विपणन विकास निधि के अंश के रूप में किसानों के कल्याण में उपयोग किया जायेगा। निराश्रित शुल्क को यथावत् 20 पैसे रखा जायेगा। इस वृद्धि से इस वर्ष में लगभग 500 करोड़ रूपये की अतिरिक्त आय होना संभावित है। इस आय का उपयोग किसान सड़क निधि एवं कृषि अनुसंधान तथा अधोसंरचना विकास में किया जाएगा।

सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी कार्य योजना के लिए स्वीकृति

मंत्रि-परिषद द्वारा सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी कार्य योजना के लिए 55 करोड़ 43 लाख रूपये स्वीकृत किए गए है। योजना से वीबीटीसी प्रशिक्षण केंद्र द्वारा अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आईटी, ई-गवर्नेंस, सायबर सुरक्षा तथा डेटा प्रबंधन विषयों पर नियमित प्रशिक्षण प्रदान कर उनकी तकनीकी दक्षता और प्रशासनिक कार्य कुशलता में वृद्धि की जायेगी। एमपीएसईडीसी जैसी नोडल एजेंसियों को सहायक अनुदान उपलब्ध कराकर विभिन्न आईटी एवं ई-गवर्नेंस परियोजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाएगा।

आईटी संवर्ग परामर्श सेवाओं और कार्य के लिए स्वीकृति

मंत्रि-परिषद ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग अंतर्गत राज्य आई.टी. संवर्ग परामर्श सेवाओं के लिए अनुदान और सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी कार्य योजना 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2031 तक की अवधि तक निरंतर संचालन के लिए 235 करोड़ 63 लाख रूपये की स्वीकृति दी है। स्वीकृति अनुसार राज्य आई.टी. संवर्ग परामर्श सेवाओं के लिए अनुदान योजना के लिए 180 करोड़ 20 लाख रूपये स्वीकृत किए गए हैं। योजना के अंतर्गत शासन के विभिन्न विभागों, निगमों, प्राधिकरणों एवं परियोजनाओं को तकनीकी परामर्श सेवाएँ प्रदान करने के लिए राज्य स्तरीय आई.टी. संवर्ग का गठन किया गया है।

राज्यसभा चुनावः कांग्रेस उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द हुआ

आपराधिक मामले की जानकारी छिपाने का आरोप

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मध्य प्रदेश में राज्यसभा चुनाव को लेकर सियासी तापमान चरम पर पहुंच गया है। कांग्रेस उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द कर दिया है। कांग्रेस उम्मीदवार के नामांकन पर भाजपा की ओर से आपत्ति दर्ज कराई गई थी। राज्यसभा चुनाव से पहले कांग्रेस उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन का नामांकन पत्र जांच के दौरान रिटर्निंग ऑफिसर अरविंद शर्मा द्वारा निरस्त किया गया है। इसके बाद भाजपा उम्मीदवार महेश केवट का निर्विरोध चुना जाना तय माना जा रहा है। भाजपा नेताओं कैलाश विजयवर्गीय, राकेश सिंह और एडवोकेट संकेत गुप्ता ने आपत्ति दर्ज कराई थी कि मीनाक्षी ने अपने चुनावी एफिडेविट में हैदराबाद (तेलंगाना) की अदालत में लंबित एक आपराधिक मामले की जानकारी छुपाई ह। यह जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 और सुप्रीम कोर्ट/चुनाव आयोग की गाइडलाइंस का उल्लंघन ह। नटराजन के खिलाफ हैदराबाद कोर्ट में भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत शिकायत विचाराधीन है। बताते चलें मीनाक्षी नटराजन पर यह मामला 2025 से जुड़ा है। जहां 20 अगस्त 2025 को ए श्रीलता नाम की एक महिला ने हैदराबाद मेट्रोपॉलिटिन मजिस्ट्रेशन की अदालत में मीनाक्षी और चार अन्य लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। जिस पर मीनाक्षी सहित 4 पर बीएनएस की कई धाराओं 356, 61, 45, 46, 351(2). 3(5) और 79 के तहत शिकायत दर्ज की गई थी। जिसके बाद कोर्ट ने 17 सितंबर 2025 को मीनाक्षी को नोटिस जारी कर व्यक्तिगत रूप से मौजूद होकर जवाब देने के निर्देश दिए थे। इसके बाद मीनाक्षी के वकील 24 अक्टूबर 2025 को जवाबी हलफनामा दाखिल किया था। जिसमें उन्होंने खुद को निर्दोष बताया था। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार और दिग्विजय सिंह, जीतू पटवारी समेत अन्य नेताओं ने दलील दी कि मीनाक्षी के खिलाफ कोई आपराधिक मामला दर्ज नहीं है, बल्कि केवल कोर्ट का नोटिस मिला है। उन्होंने भाजपा की आपत्ति को राजनीति से प्रेरित बताया, हालांकि रिटर्निंग ऑफिसर स्पष्टीकरण से संतुष्ट नहीं हुए।

पटाखा गोदाम में आग, 7 की मौत

जयपुर। जयपुर के खोह नागोरियान इलाके में स्थित पटाखों के गोदाम में मंगलवार सुबह 11 बजे भीषण आग लग गई। अग्निकांड में बच्चे समेत सात लोगों की मौत हो गई। एक मजदूर झुलस गया। मरने वालों में अब्दुल वाहिद (50), राबिल, बिलाल खान (30), समीर (20) और आजीम खान उर्फ आविद शामिल हैं। 2 मृतकों की शिनाख्त नहीं हुई है। जयपुर कलेक्टर संदेश नायक ने बताया- पटाखों का गोदाम खोह नागोरियान में आयशा नगर तलाई क्षेत्र आईटीआई कॉलेज के पास है। कोई ज्वलनशील पदार्थ होने के कारण आग लगी। पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने बताया- जहां हादसा हुआ, वो पटाखे रखने का गोदाम है। इसकी फैक्ट्री कुछ दूर है। पूरी जांच के बाद स्थिति स्पष्ट होगी। रिहायशी इलाके में गोदाम अवैध रूप से था। इसके मालिक के खिलाफ कार्रवाई होगी।

मोदी सरकार अर्थव्यवस्था पर देती है सिर्फ नारे : कांग्रेस

नई दिल्ली (वार्ता)। कांग्रेस ने मोदी सरकार पर अर्थव्यवस्था को लेकर कुप्रबंधन का आरोप लगाते हुए कहा है कि वह सिर्फ लुभावने नारे देती है, प्रचार के जरिए लोगों को गुमराह करती है, जबकि जमीनी हकीकत वादों और नारों के एकदम विपरीत है। कांग्रेस शोध विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर राजीव गौड़ा तथा शोध और निगरानी विभाग के प्रभारी अमिताभ दुबे ने मंगलवार को पार्टी मुख्यालय में संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा कि मोदी सरकार में आर्थिक स्तर पर देश के जो हालात कर दिए गए हैं, वह इस सरकार के रहते बदलने वाले नहीं हैं, इसलिए सरकार को बदलना आवश्यक हो गया है।

फिलीपींस में आये भूकंप में मरने वालों की संख्या बढ़कर 37 हुई

मनीला। फिलीपींस के मिंडानाओ द्वीप के तट पर आये विनाशकारी भूकंप में मरने वालों की संख्या बढ़कर 37 हो गयी है। फिलीपींस न्यूज एजेंसी के अनुसार, नागरिक सुरक्षा कार्यालय के उप प्रवक्ता डिएगो ऑगस्टिन मारियानो ने बताया कि मंगलवार सुबह छह बजे तक 37 मौतें दर्ज की गयीं, हालांकि इन आंकड़ों का अभी सत्यापन किया जा रहा है।

शासकीय नौकरी में दो बच्चों की अधिकतम सीमा होगी समाप्त: डॉ. यादव

प्रस्तावित म.प्र. सिविल सेवा नियम में इस प्रावधान संबंधी प्रारूप नियम निरस्त, पोर्टल से तत्काल हटाने के निर्देश

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शासकीय कर्मचारियों के हित में एक बड़ा निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा मध्यप्रदेश सिविल सेवा नियम में शासकीय नौकरी में दो बच्चों की अधिकतम सीमा संबंधी प्रावधान वाले प्रारूप नियम को निरस्त कर दिया है। साथ ही पोर्टल से विलोपित करने के आदेश भी जारी किए हैं। गौरतलब है कि वर्ष 2001 में तत्कालीन राज्य सरकार के निर्णय पर सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा दो से अधिक जीवित संतान होने पर उम्मीदवारों को शासकीय सेवाओं की सीधी भर्ती और विभागीय नियुक्तियों के लिए अपात्र घोषित करने का प्रावधान था। वर्ष 2001 की प्रचलित व्यवस्था के अनुसार मध्यप्रदेश सिविल सेवा नियम, 1961 के नियमों के तहत 26 जनवरी 2001 या उसके बाद दो से अधिक जीवित संतान वाले उम्मीदवार शासकीय सेवा के लिए अपात्र माने जाते थे तथा मध्यप्रदेश सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 के तहत शासकीय सेवक के दो से अधिक बच्चे होने को कदाचार की श्रेणी में रखा गया था। मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा इस विषय पर संज्ञान लेते हुए सामान्य प्रशासन विभाग को निर्देश दिये है कि प्रस्तावित मध्यप्रदेश सिविल सेवा नियम के प्रारूप को तत्काल निरस्त कर उसमें दो से अधिक जीवित संतान होने पर शासकीय सेवा में अपात्र माने जाने संबंधी प्रावधानों को विलोपित कर पुन: विधिवत यह नवीन प्रारूप प्रकाशित किया जाये। वर्तमान प्रारूप को तत्काल पोर्टल से हटाया जाए।

एलपीजी कीमत बढ़ाने और सब्सिडी घटाने से गरीबों पर बढ़ा बोझः राहुल

नयी दिल्ली (वार्ता) कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने घरेलू रसोई गैस की कीमतों में वृद्धि और उज्ज्वला योजना के तहत सब्सिडी वाले सिलेंडरों की संख्या घटाने को सरकार का गरीब विरोधी कदम बताते हुए मंगलवार को कहा कि मोदी सरकार की आर्थिक नीतियों ने गरीब परिवारों, महिलाओं, मजदूरों और मध्यम वर्ग पर अतिरिक्त बोझ डाल दिया है। श्री गांधी ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि पिछले 12 वर्षों की गरीब विरोधी आर्थिक नीतियों और समझौतापूर्ण विदेश नीति के कारण देश ऐसी स्थिति में पहुंच गया है जहां लाखों गरीब परिवार और महिलाएं फिर से लकड़ी के चूल्हों के धुएं पर निर्भर होने को मजबूर हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि उज्ज्वला योजना में सब्सिडी वाले सिलेंडरों की संख्या नौ से घटाकर चार कर दी गई है और पिछले तीन महीनों में घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दाम 89 रुपये बढ़ाए गए हैं। उनका आरोप था कि सरकार पहले कीमतें बढ़ाती है और फिर सब्सिडी कम कर गरीबों पर अतिरिक्त बोझ डालती है। कांग्रेस नेता ने कहा कि प्रवासी मजदूरों द्वारा व्यापक रूप से इस्तेमाल किए जाने वाले पांच किलोग्राम वाले सिलेंडर की कीमत में भी 323 रुपये की वृद्धि की गई है। उन्होंने सवाल किया कि बढ़ती महंगाई के बीच मजदूर अपनी आय से घर का खर्च कैसे चलाएगा। श्री गांधी ने आरोप लगाया कि सरकार एक ओर बड़े उद्योगपतियों को लाभ पहुंचाती है जबकि दूसरी ओर गरीबों को आर्थिक नीतियों की कीमत चुकानी पड़ रही है। उन्होंने कहा कि सरकार को जवाब देना चाहिए कि उसकी नीतियों का बोझ आखिर गरीब, किसान, मजदूर, महिलाएं और मध्यम वर्ग ही क्यों उठाएं।

ममता बनर्जी ने सोनिया गांधी से की मुलाकात

नई दिल्ली। इंडिया गठबंधन की बैठक के एक दिन बाद तृणमूल प्रमुख ममता बनर्जी ने मंगलवार को कांग्रेस नेता सोनिया गांधी से मुलाकात की। उनकी भेंट 10 जनपथ पर हुई, जहां सोनिया गांधी का आवास है। सूत्रों के मुताबिक, दोनों नेताओं ने विपक्षी गठबंधन की बैठक के बाद और हाल ही में पश्चिम बंगाल चुनावों में बीजेपी से हार के बाद तृणमूल सांसदों के पार्टी छोड़ने की घटनाओं के बाद दोनों पार्टियों की आगे की रणनीति पर चर्चा की। हालांकि दोनों पार्टियों ने बैठक की जानकारी सार्वजनिक नहीं की, लेकिन सूत्रों का कहना है कि बनर्जी ने विपक्ष की एकता पर जोर दिया और कहा कि इंडिया गठबंधन को बीजेपी का मुकाबला करने के लिए मिलकर काम करना चाहिए, जिसमें जनता से जुड़े मुद्दे भी शामिल हैं। मंगलवार की यह बैठक तब हुई जब कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में हुई विपक्षी बैठक के दौरान बनर्जी और कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष गांधी ने गर्मजोशी से गले मिलकर एक-दूसरे का स्वागत किया। कांग्रेस ने दोनों नेताओं के बीच की इस आत्मीयता की तस्वीरें साझा कीं। यह बैठक तृणमूल के भीतर हुई बगावत के बाद भी हुई, जिसमें पार्टी के कई सांसदों ने एक अलग गुट बनाने और सत्ताधारी के साथ जुड़ने का फैसला किया। तृणमूल के 80 में से ज़्यादातर विधायकों ने पहले ही राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता के तौर पर रिताब्रता बनर्जी के नेतृत्व में एक अलग गुट बना लिया है। चुनावों में तृणमूल की हार और चुनाव के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं तथा सांसद अभिषेक बनर्जी पर हुए कथित हमलों के बाद बनर्जी और गांधी के बीच यह पहली बंद कमरे की बैठक थी।

ममता के घर पहुंची सीआईडी- टीएमसी में चल रहे विवाद के बीच मंगलवार को सीआईडी की टीम ममता बनर्जी के कोलकाता के कालीघाट स्थित आवास पहुंची। इसी परिसर में पार्टी का केंद्रीय कार्यालय भी है।

ओमान तट के पास टैंकर पर मिसाइल हमला, 24 भारतीय नाविकों को सुरक्षित बचाया गया

नयी दिल्ली (वार्ता)। दुनिया भर में भारतीय नाविकों की सुरक्षा के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता दिखाते हुए, मैरीटाइम रेस्क्यू कोऑर्डिनेशन सेंटर (एम आर सी सी) मुंबई ने ओमान के अधिकारियों के साथ मिलकर ओमान तट के पास एक व्यापारिक टैंकर पर मिसाइल हमले के बाद उस पर सवार सभी 24 भारतीय नाविकों को सफलतापूर्वक बचा लिया।

पीओके में हिंसा: 30 की मौत, 200 घायल

विधानसभा में आरक्षित सीटें खत्म करने की मांग

मुज्जफराबाद

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हुई हिंसक झड़पों में 30 लोगों की मौत हो गई, जबकि 200 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। न्यूज एजेंसी के मुताबिक यह हिंसा जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी और क्षेत्रीय सरकार के बीच चल रहे विवाद के दौरान हुई। रिपोर्ट के अनुसार मृतकों में 4 पुलिसकर्मी शामिल हैं। वहीं 23 सुरक्षाकर्मी और करीब 50 प्रदर्शनकारी घायल हुए हैं। पुलिस ने अब तक 30 लोगों को गिरफ्तार किया है। पीओके में जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी और सरकार के बीच विधानसभा की 12 आरक्षित सीटों को लेकर विवाद चल रहा है। ये सीटें उन शरणार्थियों के लिए आरक्षित हैं जो जम्मू-कश्मीर से पाकिस्तान के अन्य हिस्सों में जाकर बसे थे। जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी इन सीटों को खत्म करने की मांग को लेकर आंदोलन कर रही है। सरकार ने 5 जून को जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी पर आतंकवाद विरोधी कानून के तहत प्रतिबंध लगा दिया था। इसके बाद से इलाके में तनाव लगातार

बढ़ रहा है। रविवार को जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी के कार्यकर्ता संगठन के एक सदस्य की मौत के विरोध में अस्पताल के शवगृह के बाहर प्रदर्शन कर रहे थे। सदस्य की मौत कथित तौर पर पुलिस फायरिंग में हुई थी। पुलिस जब प्रदर्शनकारियों को हटाने पहुंची, तभी झड़प शुरू हो गई और हिंसा फैल गई। रावलकोट के कमिश्नर सरदार वहीद खान ने रॉयटर्स से कहा कि प्रदर्शनकारियों की गोलीबारी में चार पुलिसकर्मियों और एक राहगीर की मौत हुई। उन्होंने दावा किया कि इसके जवाब में सुरक्षा बलों की कार्रवाई में छह प्रदर्शनकारी मारे गए। पाकिस्तानी अखबार के मुताबिक पुलिस का आरोप है कि जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी से जुड़े लोगों ने सुरक्षाकर्मियों पर शॉटगन और अन्य हथियारों से हमला किया। पुलिस ने घटना को आतंकवादी कार्रवाई करार देते हुए कहा कि कानून-व्यवस्था और नागरिकों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

पाक को जवाबदेह ठहराये अंतर्राष्ट्रीय समुदायः भारत

भारत ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में प्रदर्शनकारियों पर पुलिस की बर्बरता पर कड़ी प्रतिक्रिया करते हुए अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से पाकिस्तान को उसके दुष्कर्मों और अत्याचारों के लिए जवाबदेह ठहराने की अपील की है। भारत ने यह भी आरोप लगाया है कि पाकिस्तान फर्जी वीडियो के जरिये अपनी विफलताओं और मानवाधिकारों के उल्लंघन की घटनाओं से लोगों का ध्यान भटकाने की विफल कोशिश में जुटा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मंगलवार को साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग में इस संबंध में पूछे गये सवालों के जवाब में कहा, इस संदर्भ में हम पाकिस्तान की ओर से फर्जी खबरों और वीडियो का सिलसिला लगातार देख रहे हैं। यह अपनी विफलताओं को छिपाने और मानवाधिकारों के उल्लंघन से ध्यान भटकाने का पाकिस्तान का एक हताशापूर्ण प्रयास है।

अवैध रेत ले जाने वाली 7 नावों को किया स्वाहा, 61 वाहनों को किया जब्त

अवैध उत्खनन करने वालों पर लगा 14.60 करोड़ रूपये का अर्थदण्ड

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

जिले में लगभग पांच माह के दौरान खनिज के अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण के प्रकरणों में जहां 14 करोड़ 60 लाख 34 हजार रूपये का अर्थदण्ड अधिरोपित किया गया है, वहीं 2 पोकलेन मशीन, 4 जेसीबी, 3 हाइवा, 3 डंपर एवं 4 ट्रेक्टर-ट्राली को जब्त किया गया है। कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह के निर्देश पर जिले में खनिज के अवैध उत्खनन, अवैध परिवहन एवं अवैध भण्डारण पर प्रभावी नियंत्रण के लिए खनिज, राजस्व और पुलिस विभाग के अमले द्वारा संयुक्त रूप से एवं अलग-अलग लगातार कार्यवाही की जा रही है। कलेक्टर कार्यालय की खनिज शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले में जनवरी 2026 से अभी तक खनिज विभाग द्वारा विभिन्न खनिजों का अवैध परिवहन करते पाए जाने पर 61 वाहनों को जब्त कर प्रकरण तैयार किए गए हैं और उन पर 92 लाख 47 हजार 696 रुपये का अर्थदण्ड अधिरोपित किया गया है। इसके अतिरिक्त जिले में स्थापित ई-चेक गेट के माध्यम से संज्ञान में आए 63 वाहनों के संचालकों को उनके पंजीकृत मोबाइल नंबर पर ऑनलाइन नोटिस जारी किए गए हैं। इसी प्रकार अवैध उत्खनन के कुल 8 प्रकरण तैयार किए गए हैं, जिनमें से 6 प्रकरणों में 10 करोड़ 39 लाख 27 हजार 490 रुपये का अर्थदण्ड अधिरोपित किया गया है और 2 प्रकरणों में कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। इस दौरान अवैध उत्खनन में संलिप्त 2 पोकलेन मशीन, 4 जेसीबी, 4 ट्रैक्टर-ट्रॉली, 3 हाइवा और 3 डम्फर जब्त किए गए हैं। कार्यवाही के दौरान गिट्टी, फायरक्ले और मिट्टी के अवैध भण्डारण के तीन प्रकरणों में 3 करोड़ 28 लाख 59 हजार रुपये का अर्थदण्ड भी अधिरोपित किया गया है।

इन जगहों पर भी हुई कार्यवाही

रेत के अवैध उत्खनन, परिवहन और भण्डारण पर भी प्रशासन की पैनी नजर है। राजस्व, खनिज एवं पुलिस की जांच के दौरान शहपुरा तहसील के ग्राम मालकछार में 84 घन मीटर, सिहोरा तहसील के ग्राम सचुली में 18 घन मीटर, पौड़ा तहसील के ग्राम खिन्नी में 80 घन मीटर तथा पाटन तहसील के अंतर्गत 195 घन मीटर रेत जब्त की गई है। साथ ही अवैध रूप से रेत निकालने में प्रयुक्त ग्राम सचुली, खिरहेनीकलां, मुडता, जुगपुरा और पावला गांवों से 07 नावों को नष्ट किया गया है, ताकि इनका पुनः उपयोग न किया जा सके। खनिज रियायत के आवेदनों का परीक्षण करते हुए उत्खनन पट्टा आवेदन के 52 प्रकरणों को निरस्त करने का प्रस्ताव संचालक भौमिकी तथा खनिकर्म, भोपाल को प्रेषित किया गया है। इसके साथ ही खनिज राजस्व संग्रहण को बढ़ाने के दृष्टिगत ग्राम घुघरा एवं हृदयनगर में लेटेराईट तथा ग्राम कटैया, दर्शनी, खुड़ावल, झीटी और ताला में आयरन ओर के खनिज ब्लॉक नीलामी के लिए तैयार कर शासन को प्रस्ताव भेजे गए हैं।

बिरसा मुंडा का जीवन भारतीय इतिहास का एक प्रेरणादायक अध्याय

कांग्रेस स्वतंत्रता सेनानी परिवार प्रकोष्ठ एवं आदिवासी समाज ने दी श्रद्धांजलि

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

मप्र कांग्रेस कमेटी के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष अजय नारायण सितलानी के परिपत्र के अंतर्गत शहर जिला स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवार प्रकोष्ठ के नगर अध्यक्ष राजेंद्र रज्जू सराफ एवं जिला अध्यक्ष नारायण शर्मा के संयोजन में आधारताल चौराहा स्थित महान जननायक एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानी बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवार प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष मनोज नामदेव ने जिला प्रभारी केशव प्रसाद चौरसिया, वरिष्ठ उपाध्यक्ष वी. हनुमंत राव, पवन बम बम सोनी, ओम प्रकाश शर्मा, अशोक यादव, श्याम सोलंकी, मदन मोहन राय, ओम जायसवाल, शिव मंगल यादव सहित स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के उत्तराधिकारी एवं वंशजों के साथ प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

मौन रखकर दी श्रद्धांजलि

संगोष्ठी सभा को संबोधित करते हुए मप्र कांग्रेस कमेटी सेनानी प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष मनोज नामदेव ने कहा कि बिरसा मुंडा ने आदिवासी समाज के स्वाभिमान, अधिकारों एवं भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के लिए जो संघर्ष किया। वह भारतीय इतिहास का एक प्रेरणादायक अध्याय है। उनके जीवन से हमें अन्याय के विरुद्ध खड़े होने, अपनी संस्कृति एवं राष्ट्र के प्रति समर्पित रहने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि बिरसा मुंडा के पुण्यदिवस पर उनके आदर्शों पर चलकर देश एवं प्रदेश के सामने उपस्थित चुनौतियों का संघर्षपूर्वक सामना करने की आवश्यकता है। संगोष्ठी को प्रकोष्ठ के नगर अध्यक्ष राजेंद्र रज्जू सराफ सहित अनेक वक्ताओं ने संबोधित कर बिरसा मुंडा के विचारों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन सेनानी प्रकोष्ठ के नगर संगठन मंत्री पवन सोनी ने किया। अंत में दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

स्काउट लीडर्स ने सीखी मैपिंग और स्टार गेजिंग की कला

शहर लौटकर स्काउट गाइड्स को सिखाएंगे लीडर्स

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

भारत स्काउट एवं गाइड्स राष्ट्रीय प्रशिक्षण केंद्र पचमढ़ी ने 5 जून से 9 जून तक मैपिंग और स्टार गेजिंग कोर्स का आयोजन किया । जिसमें जबलपुर मंडल के अपर मण्डल रेल प्रबंधक दिनेश कुमार कमाले, वरुण चतुर्वेदी, नितेश कुमार ,सचिपति नंदन, अनिल चौबे, विमलेश तिवारी, आशीष सोनकर, संजीव तिवारी के मार्गदर्शन जबलपुर मंडल से स्काउट मास्टर शशांक पांडे गाइड कैप्टन सिमोन पसेरिया ने भाग लिया।इस कोर्स में स्काउटिंग की गतिविधियो द्वारा मानचित्र बनाना और तारों की सहायता से दिशा का ज्ञान प्राप्त करने की कला सिखाई जाती है। जो लीडर्स कोर्स से वापस आकर अपने स्काउट गाइड को सीखते हैं।

मृतक के आश्रितों को दी जाए अनुकंपा नियुक्ति

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मप्र विद्युत कर्मचारी संघ फेडरेशन की आयोजित बैठक में प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा ऊर्जा विभाग के अंतर्गत कार्यरत सभी बिजली कंपनियों में 50 से ज्यादा पदो पर नई भर्ती की स्वीकृति प्रदान करने हेतु फेडरेशन के महामंत्री राकेश डीपी पाठक ने मुख्यमंत्री, ऊर्जा मंत्री का स्वागत, अभिनंदन एवं आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह निर्णय निश्चित रूप से बिजली कंपनियों के लिए नये जीवन दान जैसा है। राकेश डी पी पाठक ने अनुरोध किया कि लम्बे समय से ये परिवार और कर्मचारी अपनी नियमित नियुक्ति के लिए इंतजार कर रहे है, इन पर कृपा करें। अत: नई भर्ती के पूर्व 2000 से 2012 के बीच मप्र राज्य विद्युत मंडल में, बिजली कंपनियों में कार्यरत कर्मचारियों की असामयिक निधन के बाबजूद अभी तक उनके परिवार को अनुकंपा नियुक्ति नहीं दी गई है। ऐसे सभी मृतक कर्मचारी आश्रित परिवार को अनुकंपा नियुक्ति प्रदान बिना शर्त नियमित पद पर दी जाएं। बैठक में उपाध्यक्ष उमाशंकर मेहता, बीएस राठौर, जोनल सचिव सर्वश्री एनके यादव आदि उपस्थित रहे।

जिनसार ने किया स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। हितकारिणी सभा द्वारा संचालित जबलपुर इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग साइंसेज एंड रिसर्च (जिनसार) द्वारा 9 जून को तिलवारा के ग्रामीण समुदाय में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के अंतर्गत स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में गर्भवती एवं स्तनपान कराने वाली माताओं को सुरक्षित मातृत्व, पोषण, टीकाकरण एवं नवजात शिशु देखभाल संबंधी जानकारी दी गई। यह कार्यक्रम प्रो. डॉ. प्रिंसी शाजी के मार्गदर्शन तथा म्यूरियल क्रिस्टोफर एवं कुमारी पूर्वी विजय कुमार के समन्वयन में संपन्न हुआ। बीएससी नर्सिंग चतुर्थ वर्ष के विद्यार्थियों ने स्वास्थ्य शिक्षा प्रदान कर प्रतिभागियों को जागरूक किया।

दुर्दशा की मार झेल रही कई गांवों को जोड़ने वाली सड़क

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। सिहोरा तहसील मुख्यालय से सात किलोमीटर की दूरी पर स्थित घाट सिमरिया हिरन नदी के पुल के पास से प्रतापपुर आलगोडा रिठौरी रमखिरिया मार्ग ठेकेदार की अनदेखी के चलते इस समय दुर्दशा के आंसू बहा रहा है। गौरतलब है कि इस मार्ग का निर्माण वर्ष 2021 में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत किया गया था। यह मार्ग घाट सिमरिया से प्रारंभ होकर आलगौडा रिठौरी रमखिरिया कटरा खम्हरिया घुटना देवरी पचकुंडी सिंदुरशी से होते हुए प्रतापपुर मझगंवा सिलौंडी को जोड़ता है इस मार्ग की लंबाई घाट सिमरिया से लगभग 17 किलोमीटर है। आपको बता दें की इस मार्ग से खनिज ढोने वाले भारी भरकम वाहनों की आवाजाही से यह सड़क क्षतिग्रस्त हो गई है । इस सड़क की हालात बद से बदतर हो गई है। दिन-रात इन सड़कों पर खनिज से लोड हाइवा धमा चौकड़ी मचाते हैं जबकि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से बनी सडकों में भारी वाहनों की आवाजाही प्रतिबंधित होती है इसके बावजूद यहां से ये वाहन धड़ल्ले से दौड़ रहे हैं इस ओर पुलिस व स्थानीय तहसील प्रशासन के अधिकारी ध्यान नही देते।

संस्कार भारती के कार्यक्रम में श्रोता हुए भावविभोर

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

हमेशा रोगियों की सेवा और ऑपरेशन थियेटर में व्यस्त रहने वाले चिकित्सकों की गायन प्रतिभा उस समय उभर कर सामने आयी, जब उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में संस्कार भारती आयोजित संघ गीतों के कार्यक्रम में अपनी प्रस्तुति से श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। चिकित्सकों के सुर सधे हुए और आवाज इतनी सुमधुर थी कि हर प्रस्तुति के पश्चात पूरा प्रेक्षागृह करतल ध्वनि से गुंजायमान हो उठा। संस्कार भारती जबलपुर महानगर के तत्वावधान में रविवार की शाम आयोजित शहीद स्मारक प्रेक्षागृह गोलाबाजार में संघ गीतों का कार्यक्रम हम करें राष्ट्र आराधन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश के महाधिवक्ता प्रशांत सिंह रहे।

साथ ही अतिथि के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत संघचालक डॉ. प्रदीप दुबे, संस्कार भारती के सरक्षंक डॉ. जितेंद्र जामदार एवं डॉ. पुष्पराज पटेल, संस्कार भारती के प्रांत अध्यक्ष मणिकांत महेश्वरी, महाकोशल प्रांत महामंत्री धनराज गुप्ता, संस्कार भारती की महानगर अध्यक्ष माला सिंह मंच पर मौजूद रहीं। कार्यक्रम में संस्कार भारती के सह महामंत्री निखिल देशकर, उपाध्यक्ष विजयश्री मिश्रा, कोषाध्यक्ष मदन पटेल आदि उपस्थित रहे।

लायन नेतृत्व सम्मान दिवस आज

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। लायंस इंटरनेशलन डिस्ट्रिक्ट 3233 सी के सत्र - 2026-27 के निर्वाचित वाइस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर द्वितीय पीएमजेएफ लायन अनिल अग्रवाल भिलाई, रीजन चेयरपर्सन, जोन चेयरपर्सन एवं लायंस क्लब जबलपुर, सेन्ट्रल, मार्बल रॉक्स, जाबालि, फतेह, संस्कारधानी, स्टार, उदय, सिटी, टाऊन के अध्यक्ष, सचिव एवं कोषाध्यक्ष का सम्मान समारोह लायंस परिवार जबलपुर द्वारा मार्गदर्शक पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर एमजेएफ लायन कैलाश गुप्ता, लायन टीआर नायक, पीएमजेएफ लायन प्रकाश चांडक, एमजेएफ लायन राजीव अग्रवाल एवं एमजेएफ लायन नरेन्द्र जैन के सानिध्य में आयोजित है। एमजेएफ लायन उमेश जैन एवं एमजेएफ लायन यशवंत सेंगर ने उक्त जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रथम बार लायंस नेतृत्व का सम्मान किया जा रहा है जिसे प्रतिवर्ष 10 जून को लायन नेतृत्व सम्मान दिवस के रुप में मनाया जाएगा।

सबकी अपेक्षाओं पर खरा उतरने का करूंगा प्रयासः संदीप जैन

मप्र तैलिक साहू महिला सभा ने आयोजित किया अभिनन्दन समारोह

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। हम सभी अपनी मन भेद और मतभेद को भूलकर समाज और राष्ट्र कल्याण के विषय में चिंतन करे और समाज को आगे लेकर जाये, आज साहू समाज द्वारा पारिवारिक वातावरण में कार्यक्रम आयोजित किये गया साथ ही समाज द्वारा अपेक्षा व्यक्त की गई मै कहना चाहूंगा विकास के लिए हर वर्ग की और समाज की जो अपेक्षा है उन पर मै खरा उतारने का प्रयास करूंगा यह बात जबलपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री संदीप जैन दत्त मंदिर में साहू महिला मंडल के द्वारा आयोजित सम्मान कार्यक्रम में व्यक्त किए। मप्र तैलिक साहू महिला सभा ने किया जबलपुर विकास प्राधिकरण के नवनियुक्त अध्यक्ष संदीप जैन एवं उपाध्यक्ष प्रशांत केशरवानी का गरिमामय कार्यक्रम में स्वागत एवं अभिनन्दन किया। महिला साहू समाज की राष्ट्रीय अध्यक्ष आभा साहू के नेतृत्व में दत्त मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में साहू वैश्य नगर सभा के अध्यक्ष राधेश्याम साहू, उदयभान साहू, चौधरी मुकेश साहू, भाजपा प्रदेश मीडिया सह प्रभारी एवं राजनैतिक प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष श्रीकान्त साहू, डॉ पुरषोत्तम साहू, सुधीर साहू आदि की उपस्थिति में जेडीय अध्यक्ष उपाध्यक्ष के स्वागत के साथ ही विगत दिवस जबलपुर में सम्पन्न अखिल भारतीय स्तर के कार्यक्रम में सहभागिता देने हेतु समाज के सहयोगियों को भी सम्मानित किया गया।

इंदौर से आए व्यापारी को लूटने दोस्त ने रची थी साजिश

माढ़ोताल थाने का मामला, 5 आरोपी गिरफ्तार

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

इंदौर से वसूली करने आए व्यापारी से हुई लूट का पुलिस ने मंगलवार को खुलासा कर दिया है। पुलिस ने इस मामले में 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जिनके पास से लूटे गए रुपए, चाकू, मोबाइल और दो वाहन जब्त की गई है। जानकारी के मुताबिक इंदौर निवासी अभय कुमार सिंह ने माढ़ोताल थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि व्यापार की उधारी लेने के लिए दोस्त लखन चौरसिया के साथ जबलपुर आया था। इंदौर में ही उसका एक दोस्त पीयूष पटेल रहता है। पीयूष जबलपुर का ही रहने वाला है। उसने कहा था कि जीजा पाटन बायपास में रहते हैं, उनके घर जाकर रूक सकते हैं। दोनों व्यापारी उनके घर गए और रुक गए। फिर पीयूष के जीजा की एक्सिस बाइक लेकर दोनों मझौली गांव गए। वहां वीरेंद्र कुमार नेमा से व्यापार के उधारी के 2 लाख रुपए लेकर जबलपुर वापस पीयूष के जीजा के घर आ गए। उसी दिन पीयूष ने फोन किया कि मेरा एक सामान एक लड़का लेकर आ रहा है, उसे साथ में ले आना। एक लड़का बाइक से पाटन बायपास आया, और एक पैकेट दिया, जिसे अभय ने अपने पास रख लिया।

मास्टरमाइंड अभी भी फरार

व्यापारी इंदौर वापस जाने की तैयारी कर रहे थे, इसी बीच पैकेट लेकर आए युवक ने उन दोनों को बस स्टैंड तक छोड़ देने के बात कही। दोनों युवक की बाइक पर बैठ गए। बाइक सवार व्यापारियों को सर्विस लाइन से होते ले जा रहा था। विगत 7 जून को शाम एक सफेद रंग की एक्टिवा में 3 अज्ञात युवक आए और दोनों व्यापारियों के ऊपर मिर्च पावडर फेंक दिया। गाड़ी अनियंत्रित होकर गिर गई। व्यापारी संभल पाते, तब तक तीनों बदमाशों ने चाकू की नोक पर बैग मे रखे 2 लाख रुपए लूट कर फरार हो गए। उनके साथ बाइक चला रहा लड़का राजेंद्र भी भागने लगा, उसे अभय और लखन ने मिलकर पकड़ लिया। मंगलवार की सुबह पुलिस को मुखबिरों से पता चला कि घटना के वक्त पीयूष पटेल का दोस्त राजेंद्र पटेल भी मोटर साइकिल पर दीनदयाल बस स्टैंड जाता हुआ देखा गया था। पुलिस ने राजेंद्र पटेल से जब पूछताछ की गई तो उसने बताया कि इंदौर में रहने वाले पीयूष पटेल के कहने पर ही वारदात को अंजाम दिया। इसमें साथी आलोक पांडे, रोहित उर्फ रोहन ठाकुर, शरद बेन, बृजेश उर्फ बिज्जू अन्ना शामिल थे। पुलिस ने कुछ घंटों में ही सभी आरोपी को गिरफ्तार कर लिया, वहीं मास्टरमाइंड पीयूष अभी फरार है।

किस कक्षा से शुरू करें कंप्यूटर का अध्ययन

कंप्यूटर का अध्ययन कक्षा 3 या 4 से शुरू करना सबसे आदर्श माना जाता है। इस उम्र में बच्चे बुनियादी कीबोर्ड-माउस के संचालन, टाइपिंग और पेंटिंग जैसे आसान सॉफ्टवेयर आसानी से सीख सकते हैं, जिससे उनकी डिजिटल समझ मजबूत होती है। कंप्यूटर शिक्षा की रूपरेखा को आमतौर पर निम्नलिखित चरणों में विभाजित किया जा सकता है।

1. प्राथमिक स्तर (कक्षा 3 से 5)

यह कंप्यूटर से परिचय का समय होता है।

सीखने योग्य विषय:- कंप्यूटर के मुख्य भाग (**CPU**, मॉनिटर, कीबोर्ड), माउस और कीबोर्ड का उपयोग, पेंटिंग **(MS Paint)**, और टाइपिंग।

उद्देश्य:- कंप्यूटर के प्रति बच्चों का डर खत्म करना और उन्हें मशीन से परिचित कराना।

2. मिडिल स्कूल स्तर (कक्षा 6 से 8)

इस स्तर पर छात्र डिजिटल टूल्स का व्यावहारिक उपयोग सीखते हैं।

सीखने योग्य विषय:- माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस **(MS Word, MS E&cel, MS PowerPoint)** का बुनियादी ज्ञान और इंटरनेट का सुरक्षित उपयोग।

उद्देश्य:- प्रोजेक्ट्स के लिए डिजिटल दस्तावेजों **(Documents)** और प्रस्तुतियों **(Presentations)** को तैयार करना।

3. हाई स्कूल और हायर सेकेंडरी (कक्षा 9 से 12)

यह वह चरण है जहाँ से करियर की नींव पड़ती है।

सीखने योग्य विषय:- कोडिंग/प्रोग्रामिंग (जैसे **Python, C++)** और वेब डिज़ाइनिंग।

उद्देश्य:- तार्किक सोच **(Logical Thinking)** का विकास करना। इस दौरान कंप्यूटर साइंस (ष्ट्स्) को एक मुख्य या वैकल्पिक विषय के रूप में भी चुना जा सकता है।

कंप्यूटर विज्ञान के प्रमुख क्षेत्र- यह विषय कई उप-शाखाओं में बंटा हुआ है जो आधुनिक तकनीकी दुनिया को चलाते हैं।

एल्गोरिदम और डेटा संरचना - समस्याओं को हल करने के लिए सिस्टमैटिक और स्टेप-बाय-स्टेप निर्देश **(instructions)** तैयार करना।

सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग **(Software Engineering)**- ऑपरेटिंग सिस्टम, मोबाइल ऐप, और वेब एप्लिकेशन जैसे सॉफ्टवेयर को डिजाइन और विकसित करना।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग **(AI & Machine Learning)**- मशीनों को इंसानों की तरह सोचने और सीखने की क्षमता प्रदान करना।

साइबर सुरक्षा- डिजिटल डेटा, नेटवर्क और कंप्यूटर सिस्टम को साइबर खतरों और हैकर्स से बचाना।

कंप्यूटर नेटवर्क- दुनिया भर के कंप्यूटरों को आपस में जोड़ने वाली प्रणालियों (जैसे इंटरनेट) का अध्ययन और रखरखाव।

डेटा साइंस- विशाल डेटा **(Big Data)** का विश्लेषण करके महत्वपूर्ण जानकारी और पैटर्न निकालना।

कंप्यूटिंग और अन्य क्षेत्रों में अंतर

कंप्यूटर विज्ञान **(Computer Science)** - सॉफ्टवेयर सिस्टम के निर्माण के पीछे के सिद्धांत, गणितीय मॉडल और नए एल्गोरिदम का आविष्कार करता है।

सूचना प्रौद्योगिकी (IT):- यह मौजूदा कंप्यूटर सिस्टम, नेटवर्क और सॉफ्टवेयर को लागू करने, प्रबंधित करने और उपयोग करने पर केंद्रित है, ताकि व्यावसायिक जरूरतें पूरी हो सकें।

कंप्यूटर साइंस की डिग्री शुरू करने से पहले जानने योग्य बातें

विश्व के सबसे तेजी से बढ़ते उद्योगों में से एक के रूप में, कंप्यूटर विज्ञान एक गतिशील विषय है जो आज की दुनिया में एक अभिन्न भूमिका निभाता है।

कंप्यूटिंग के अध्ययन में तर्क, समस्या-समाधान और दुनिया को बेहतर बनाने का जुनून शामिल है, इसलिए यदि यह आपके लिए उपयुक्त लगता है, तो

कंप्यूटर विज्ञान आपके लिए एक अच्छा विकल्प हो सकता है। कंप्यूटर विज्ञान, या कंप्यूटिंग, कंप्यूटर के सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर के सभी पहलुओं का अध्ययन करता है। कंप्यूटर विज्ञान का अध्ययन करके आप यह जान सकते हैं कि आधुनिक कंप्यूटर और संचार प्रणालियाँ कैसे काम करती हैं, उनमें कैसे सुधार किया जा सकता है और अगली पीढ़ी के कंप्यूटिंग अनुप्रयोगों का निर्माण कैसे किया जा सकता है। कंप्यूटर वैज्ञानिक जटिल समस्याओं की एक विस्तृत श्रृंखला के लिए प्रक्रियाओं और समाधानों को विकसित करने के लिए कंप्यूटर का उपयोग करते हैं। कंप्यूटर विज्ञान की डिग्री में आप निम्नलिखित क्षेत्रों का अध्ययन कर सकते हैं –

- क्लाउड कम्प्यूटिंग
- सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट
- कृत्रिम होशियारी
- सुरक्षा
- ह्यूमन कंप्यूटर इंटरेक्शन
- कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी
- सूचना विज्ञान
- गेम डिजाइन और विकास

कंप्यूटर विज्ञान का अध्ययन क्यों करें?

कंप्यूटर विज्ञान एक असाधारण रचनात्मक विषय है जो छात्रों को नवाचार और प्रौद्योगिकी की ओर प्रेरित करता है। यह केवल एल्गोरिदम तक ही सीमित नहीं है। इसमें सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग, नेटवर्किंग, सूचना पुनर्प्राप्ति और प्रोग्रामिंग जैसे कई क्षेत्र शामिल हैं। इसी प्रकार, कंप्यूटर विज्ञान का एक मानवीय पहलू भी है जहाँ प्रौद्योगिकी का उपयोग दुनिया को बेहतर बनाने के लिए किया जाता है। कंप्यूटिंग दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते उद्योगों में से एक है और अकेले अगले 10 वर्षों में इसमें उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद है। इसका मतलब है कि रोजगार के अधिक अवसर मिलेंगे, लेकिन साथ ही नियोक्ताओं द्वारा अपेक्षित कौशल प्रदर्शित करना भी उतना ही महत्वपूर्ण हो जाएगा।

कंप्यूटर विज्ञानः वह क्षेत्र जो हमारी दुनिया को आकार दे रहा है

कंप्यूटर विज्ञान अध्ययन का वह क्षेत्र है जो कंप्यूटर और कम्प्यूटेशनल सिस्टम का उपयोग करके गणना, सूचना और स्वचालन पर केंद्रित है। कंप्यूटर वैज्ञानिक विभिन्न उपकरणों, प्रोग्रामिंग भाषाओं, एल्गोरिदम और कंप्यूटर हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर का उपयोग करके कम्प्यूटेशनल प्रक्रियाओं और प्रणालियों को डिजाइन, विकसित और विश्लेषण करते हैं। कंप्यूटर वैज्ञानिक कोड लिखने और उसका परीक्षण करने, एल्गोरिदम डिजाइन करने, सूचना और सुरक्षा प्रणालियों को विकसित करने, सिमुलेशन और मॉडल बनाने और नवीन कम्प्यूटेशनल उत्पादों और समाधानों के निर्माण के लिए इंजीनियरिंग टीमों के साथ सहयोग करने जैसे कार्यों पर काम करते हैं। कंप्यूटर विज्ञान में करियर विश्लेषणात्मक, रचनात्मक और व्यावहारिक अनुभवों का एक रोमांचक मिश्रण प्रदान करता है। इस क्षेत्र में कार्यरत लोगों को अत्याधुनिक नवाचारों पर काम करने का अवसर मिलता है जो हमारी तेजी से डिजिटल होती दुनिया को आकार दे रहे हैं। कंप्यूटर विज्ञान पेशेवरों को विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसर मिलते हैं, जिनमें तकनीकी स्टार्टअप से लेकर अग्रणी सॉफ्टवेयर कंपनियां, वित्तीय संस्थान, स्वास्थ्य सेवा संगठन, सरकारी एजेंसियां और अन्य शामिल हैं। क्लाउड कंप्यूटिंग, मशीन लर्निंग और डेटा एनालिटिक्स जैसे रुझानों के उदय के साथ, कंप्यूटर वैज्ञानिक भविष्य की प्रौद्योगिकियों के निर्माण में अग्रणी भूमिका निभाते रहेंगे।

डिग्री के साथ करियर के अवसर

कंप्यूटर विज्ञान में डिग्री प्राप्त करने से करियर के कई रास्ते खुल जाते हैं। कंप्यूटर विज्ञान की डिग्री से आप क्या कर सकते हैं? आप सॉफ्टवेयर विकास, डेटा विश्लेषण, साइबर सुरक्षा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे क्षेत्रों में करियर बना सकते हैं, जो तकनीकी

उद्योग में विविध रुचियों और कौशलों को पूरा करते हैं। कंप्यूटर विज्ञान के कुछ सबसे आम और मांग में रहने वाले करियर इस प्रकार हैं –

सॉफ्टवेयर इंजीनियरः- सॉफ्टवेयर एप्लिकेशन, फ्रेमवर्क और ऑपरेटिंग सिस्टम को डिजाइन करना, बनाना और प्रबंधित करना।

वेब डेवलपरः- वेबसाइट, वेब एप्लिकेशन और फ्रंट-एंड उपयोगकर्ता अनुभव बनाएं और प्रबंधित करें

कंप्यूटर सिस्टम विश्लेषकः- संगठनों को कुशलतापूर्वक संचालन में सहायता करने के लिए आईटी समाधान डिजाइन करना।

डेटाबेस प्रशासकः- डेटाबेस सिस्टमों का रखरखाव, प्रबंधन, बैकअप और सुरक्षा करना।

कंप्यूटर नेटवर्क आर्किटेक्टः- संचार और नेटवर्क प्रणालियों का डिजाइन, कार्यान्वयन और प्रबंधन करना।

सूचना सुरक्षा विश्लेषकः- सिस्टम, नेटवर्क और डेटा को अनधिकृत पहुंच और साइबर खतरों से सुरक्षित रखें।

कंप्यूटर और सूचना अनुसंधान वैज्ञानिकः- नई कंप्यूटिंग नवाचारों का अन्वेषण करें और प्रौद्योगिकी अनुसंधान एवं विकास के माध्यम से समाधान खोजें।

सॉफ्टवेयर डेवलपरः- सॉफ्टवेयर एप्लिकेशन और प्रोग्राम लिखना, अपडेट करना और उनका रखरखाव करना।

कंप्यूटर प्रोग्रामरः- ऐसे कोड और स्क्रिप्ट तैयार करना जो कंप्यूटर एप्लिकेशन और सॉफ्टवेयर को सही ढंग से काम करने में सक्षम बनाते हैं।

कंप्यूटर हार्डवेयर इंजीनियरः- कंप्यूटर घटकों, प्रोसेसर, सर्किट और मेमोरी सिस्टम का डिजाइन और विकास करना।

डिजिटल क्लासरूम
बच्चों की नई पाठशाला

कुछ साल पहले तक पढ़ाई का मतलब था कक्षा में बैठना, शिक्षक का पाठ सुनना और किताबों में उत्तर ढूंढ़ना। लेकिन आज शिक्षा की दुनिया तेजी से बदल रही है। कम्प्यूटर, टैबलेट, स्मार्ट बोर्ड और इंटरनेट ने सीखने के तरीके को पूरी तरह नया रूप दे दिया है। यही बदलाव डिजिटल क्लासरूम कहलाता है, जो बच्चों की नई पाठशाला बनता जा रहा है।

भूगोल पढ़ाना हुआ आसान- मान लीजिए टीचर सौरमंडल (सोलर सिस्टम) पढ़ा रहे हैं। पारंपरिक कक्षा में बच्चे केवल चित्र देखकर ग्रहों के बारे में जानते हैं। लेकिन डिजिटल क्लासरूम में वे 3 डी एनीमेशन के माध्यम से ग्रहों को घूमते हुए देख सकते हैं। इससे बच्चों को विषय जल्दी और लंबे समय तक याद रहता है।

गणित अब डर नहीं, मजा बन रहा है- डिजिटल क्लासरूम में गणित को खेल और गतिविधियों के माध्यम से सिखाया जा सकता है। उदाहरण के लिए, यदि किसी बच्चे को भिन्न विषय समझने में परेशानी हो रही है, तो इंटरैक्टिव सॉफ्टवेयर पिज्जा या चॉकलेट के टुकड़ों के उदाहरण से भिन्न को आसानी से समझा सकता है। इससे कठिन अवधारणाएं भी आसान लगने लगती हैं।

कम्प्यूटर शिक्षा को पढ़ाई नहीं, मजेदार अनुभव बनाएं

आज के समय में कंप्यूटर केवल एक विषय नहीं बल्कि एक जरूरी कौशल बन चुका है। स्कूल से लेकर नौकरी तक हर जगह इसकी जरूरत है। लेकिन बच्चों के लिए इसे केवल किताबों से पढ़ना कभी-कभी उबाऊ हो जाता है। अगर कंप्यूटर शिक्षा की प्रक्रिया को खेल, गतिविधि और मजेदार प्रयोगों के साथ जोड़ दिया जाए, तो सीखना आसान भी हो जाता है और लंबे समय तक याद भी रहता है। कंप्यूटर सीखना तभी आसान और प्रभावी बनता है जब उसे खेल, प्रयोग और रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ा जाए। बच्चे जब सीखने को बोझ नहीं बल्कि खेल समझते हैं, तो वे जल्दी सीखते हैं और लंबे समय तक याद रखते हैं।

कंप्यूटर सीखना कठिन क्यों लगता है?

कई बच्चों को कम्प्यूटर इसलिए कठिन लगता है क्योंकि यह उनके लिए पूरी तरह नया अनुभव होता है। उन्हें कीबोर्ड और माउस का अभ्यास नहीं होता। क्लास में केवल थ्योरी पढ़ाई जाती है, प्रैक्टिकल कम होता है, इससे उनके मन में डर होता है कि सीखते समय गलती हो गई तो सिस्टम खराब हो जाएगा।

खेल-खेल में कम्प्यूटर फ्रैंडली बनाने के मजेदार तरीके

1. टाइपिंग रेस गेम

कम्प्यूटर में टाइपिंग सीखने का सबसे अच्छा तरीका प्रतियोगिता आयोजित करना है। बच्चों को एक ही शब्द या वाक्य टाइप करने दें। उनसे बोलें इसे एक या दो मिनट में टाइप करे। जो बच्चा सबसे तेज और सही टाइप करे उसे प्रोत्साहन स्वरूप कुछ इनाम दे। इसका फायदा यह होगा कि बच्चे की टाइपिंग स्पीड बढ़ेगी। कीबोर्ड की पकड़ मजबूत होगी। बच्चे में ध्यान और एकाग्रता बढेगी।

2. पेंट में ड्रॉइंग चैलेंज

माइक्रोसॉफ्ट पेंट या किसी भी ड्रॉइंग टूल से बच्चे मजेदार चित्र बना सकते हैं। क्लास में एक्टिविटी आइडिया के अंतर्गत बच्चों को मेरे सपनों का घर बनाओ, एक सुंदर बगीचा बनाओ, कार्टून कैरेक्टर बनाओ जैसे विषय दें। इससे बच्चे का माउस पर नियंत्रण बढ़ेगा। रंगों और टूल्स का उपयोग करने से बच्चे में रचनात्मक सोच का विकास होगा। इससे उसमें आत्मविश्वास बढ़ेगा।

3. कंप्यूटर क्विज गेम

कक्षा में टीचर, बच्चों से कम्प्यूटर से जुड़े सवालों को खेल के रूप में पूछें। उदाहरण के लिए सीपीयू का पूरा नाम क्या है, माउस किस काम आता है, कीबोर्ड में कितने मुख्य भाग होते हैं आदि। इसका फायदा यह होगा कि बच्चे का कम्प्यूटर नॉलेज बढ़ेगा, उसका ज्ञान मजबूत होने से याददाश्त बढ़ेगी।

4 बच्चों को एमएस वर्ड में कहानी लिखने कहें

कक्षा में यह एक रचनात्मक एक्टिविटी होगी जो बच्चे को कम्प्यूटर से दोस्ताना संबंध बनाने मे मदद करेगी। बच्चों को बोलें कि वे अपनी पसंदीदा कहानी लिखें साथ ही उसमें इमेज जोड़ें। हेडिंग और कलर बदलें। इससे उनमें फॉर्मेटिंग और क्रिएटिव राइटिंग स्किल डेवलप होगा। बच्चा किसी भी विषय में लिखने से डरेगा नहीं।

5 बच्चों से प्रोजेक्ट बनवाना

कम्प्यूटर सिखाने का सबसे अच्छा तरीका है करके सिखाना। क्लास में उन्हें विविध विषयों पर प्रोजेक्ट दें। जैसे क्लास में किसी बच्चे का जन्मदिन होने पर कार्ड बनाना, स्कूल का टाइम टेबल बनाना। स्कूल टाइम टेबल बनाना। छोटा छोटा पीपीटी प्रजेंटेशन देना। इससे बच्चे का डिजाइनिंग स्किल डेवलप होगा।

डिजिटल स्टोरेज का नया युग क्लाउड कम्प्यूटिंग

आज हम फोटो, वीडियो, दस्तावेज और अन्य महत्वपूर्ण फाइलों को केवल अपने कम्प्यूटर या मोबाइल में ही नहीं, बल्कि इंटरनेट पर भी सुरक्षित रख सकते हैं। इसी तकनीक को क्लाउड कंप्यूटिंग कहा जाता है। सरल शब्दों में, क्लाउड कम्प्यूटिंग एक ऐसी तकनीक है जिसमें डेटा, सॉफ्टवेयर और कम्प्यूटिंग सेवाएं इंटरनेट के माध्यम से उपलब्ध कराई जाती हैं। इससे उपयोगकर्ता को बड़ी स्टोरेज या महंगे कम्प्यूटर सिस्टम की आवश्यकता नहीं पड़ती।

आसान उदाहरण से समझें

मान लीजिए आपके मोबाइल में 500 फोटो हैं और स्टोरेज भर गई है। यदि आप इन्हें किसी ऑनलाइन सेवा पर अपलोड कर देते हैं, तो वे इंटरनेट पर सुरक्षित हो जाती हैं और आप उन्हें कहीं से भी देख सकते हैं। यही क्लाउड कंप्यूटिंग का सबसे सरल उदाहरण है।

कैसे काम करती है क्लाउड कम्प्यूटिंग

क्लाउड कम्प्यूटिंग में डेटा बड़े-बड़े सर्वरों पर संग्रहित किया जाता है। ये सर्वर दुनिया के विभिन्न स्थानों पर स्थित डेटा सेंटरों में होते हैं। उपयोगकर्ता इंटरनेट के माध्यम से इन सर्वरों तक पहुंचकर अपनी फाइलें, एप्लिकेशन और सेवाओं का उपयोग करता है।

छात्रों के लिए क्यों है महत्वपूर्ण

आज अधिकांश शैक्षणिक सामग्री ऑनलाइन उपलब्ध है। छात्र अपने नोट्स, प्रोजेक्ट और असाइनमेंट क्लाउड पर सुरक्षित रख सकते हैं और किसी भी डिवाइस से उन्हें एक्सेस कर सकते हैं। इससे पढ़ाई अधिक सुविधाजनक और व्यवस्थित बनती है। क्लाउड कम्प्यूटिंग ने डिजिटल दुनिया को अधिक सुविधाजनक और शक्तिशाली बना दिया है। यह तकनीक हमें इंटरनेट के माध्यम से डेटा और सेवाओं का उपयोग करने की स्वतंत्रता देती है। आने वाले समय में क्लाउड कम्प्यूटिंग का महत्व और भी बढ़ने वाला है।

क्लाउड कम्प्यूटिंग के लाभ

1. इंटरनेट उपलब्ध होने पर आप अपने डेटा को किसी भी स्थान से एक्सेस कर सकते हैं।
2. स्टोरेज की चिंता नहीं, मोबाइल या कम्प्यूटर की मेमोरी कम होने पर भी डेटा सुरक्षित रखा जा सकता है।
3. डेटा सुरक्षा रहता है। अधिकांश क्लाउड सेवाएं डेटा बैकअप और सुरक्षा की सुविधा प्रदान करती हैं।
4. यह कम खर्चीला है। महंगे हार्डवेयर खरीदने की आवश्यकता कम हो जाती है।

क्लाउड कम्प्यूटिंग के उपयोग

1 ऑनलाइन पढ़ाई और ई-लर्निंग में
2 फोटो और वीडियो स्टोरेज में
3 ऑनलाइन गेमिंग में
4 बिजनेस डेटा प्रबंधन में
5 वेबसाइट और ऐप होस्टिंग में
6 ऑनलाइन दस्तावेज तैयार करने में

महंगाई और किसानों की समस्याओं पर गरजी कांग्रेस

बैलगाड़ी में सवार होकर विधायक ने निकाली रैली, सरकार पर किया हमला

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

वारासिवनी में 9 जून को कांग्रेस विधायक विवेक पटेल के नेतृत्व में सैकड़ों किसानों और कार्यकताओं ने महंगाई, रेत संकट, अधूरे पीएम आवासों और किसानों से जुड़ी समस्याओं को लेकर विशाल आक्रोश रैली निकाली। इस दौरान विधायक विवेक पटेल बैलगाड़ी पर सवार होकर रैली में शामिल हुए, जबकि किसानों और कांग्रेस कार्यकताओं ने साइकिल, ट्रैक्टर एवं अन्य वाहनों के साथ प्रदर्शन में भाग लिया। रैली के माध्यम से राज्य सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ आवाज बुलंद करते हुए विभिन्न मांगों को प्रशासन के सामने रखा गया। इस दौरान किसानो ने एवं कांग्रेस वक्ताओं ने जमकर सरकार व सरकार की नीतियों के खिलाफ तीखी बाते रखी।

प्रदर्शन के दौरान क्षेत्रीय विधायक विवेक विक्की पटेल ने कहा कि जिले में रेत की भारी किल्लत के कारण हजारों गरीब परिवारों के प्रधानमंत्री आवास और अन्य निर्माण कार्य अधूरे पड़े हैं। बारिश का मौसम शुरू होने वाला है, लेकिन जरूरतमंद हितग्राहियों को समय पर रेत उपलब्ध नहीं हो पा रही है। पीएम आवास योजना के हितग्राहियों को प्राथमिकता के आधार पर रेत उपलब्ध कराई जाए ताकि वे बारिश से पहले अपने घरों का निर्माण पूरा कर सकें। विधायक ने आरोप लगाया कि रेत ठेका समाप्त होने के बाद प्रशासन द्वारा कोई प्रभावी वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की गई है। इसके कारण आम नागरिकों को निर्माण कार्यों के लिए रेत नहीं मिल रही है। वहीं दूसरी ओर अवैध खनन और परिवहन के नाम पर कार्रवाई की जा रही है, जिससे लोगों की परेशानियां और बढ़ गई हैं। उन्होंने कहा कि अनेक परिवार अपने अधूरे मकानों की वजह से चिंता में हैं और बारिश में उन्हें गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है।

प्रदर्शन के दौरान डीजल-पेट्रोल आपूर्ति से जुड़ी नई पाबंदियां भी प्रमुख मुद्दा रहीं। विधायक पटेल ने कहा कि पेट्रोल पंपों पर डिब्बों और केनों में डीजल-पेट्रोल देने पर रोक लगाए जाने से किसानों को खेती-किसानी के कार्यों में परेशानी हो रही है। खेतों में खड़े ट्रैक्टर, पंप और कृषि मशीनरी तक ईंधन पहुंचाना मुश्किल हो गया है, जिससे आगामी खरीफ सीजन की बुआई प्रभावित होने की आशंका है। इसी बात से चिन्तित होकर क्षेत्र का किसान 40 डिग्री तापमान में सड़क पर उतर आया है। क्योकि मंहगाई, बेईमानी और भ्रष्टाचार चरम पर है। हमारे किसानो को मंहगे दामो में खाद मिल रही है। फसल की सिचांई करने के लिये नहर का पानी और पर्याप्त बिजली नही मिल रही है। सरकार ने जो वादा किया, उसे भी सरकार ने पूरा नही किया है। कुल मिलाकर किसान चारो तरफ से परेशान है। हमारा मंहगाई के खिलाफ आंदोलन था। इधर, रैली में शामिल किसानों और ग्रामीणों ने भी प्रशासन से रेत उपलब्ध कराने तथा किसानों को हर क्षेत्र में राहत देने के लिए तत्काल कदम उठाने की मांग की है।

हमारी जरूरतें कम हैं, इसलिए हमारे जमीर में दम है- विधायक-मध्यप्रदेश में राज्यसभा चुनाव और राजनीतिक उठापटक के बीच वारासिवनी क्षेत्र के कांग्रेस विधायक विवेक पटेल ने बड़ा और तीखा बयान देकर सियासी हलकों में हलचल मचा दी है। विधायक पटेल ने साफ शब्दों में कहा कि प्रदेश में विधायकों को 5 करोड़ और 10 करोड़ रुपये तक के ऑफर दिए जाने की चचाएं हैं, लेकिन उन्हें किसी प्रकार का कोई प्रस्ताव नहीं मिला, क्योंकि सामने वालों को पता है कि हम बिकने वालों में से नहीं हैं। उन्होंने कहा, हमारी जरूरतें कम हैं, इसलिए हमारे जमीर में दम है। मुझे कोई खरीद नहीं सकता। मैं कांग्रेस का कार्यकर्ता हूं और पार्टी के साथ पूरी मजबूती से खड़ा हूं। विधायक पटेल ने कहा कि वे और वरिष्ठ कांग्रेस नेता कमलनाथ अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय हैं और पार्टी आलाकमान को उन पर पूरा भरोसा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का अनुशासित सिपाही होने के नाते आलाकमान जो भी निर्देश देगा, उसका पालन किया जाएगा। भाजपा पर हमला बोलते हुए पटेल ने आरोप लगाया कि जब से भाजपा की सरकार बनी है, तब से लोकतांत्रिक मूल्यों की लगातार हत्या की जा रही है। राज्यसभा चुनाव के लिए तीसरे उम्मीदवार के नामांकन को लेकर भी उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि इसके जरिए विधायकों को प्रलोभन देने की कोशिश की जा रही है।

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के विशेष शिविर का सीएमएचओ ने किया निरीक्षण

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के 10 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर जिलेभर में आयोजित विशेष शिविरों का मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप ने सघन निरीक्षण किया। इसी क्रम में उन्होंने सिविल अस्पताल वारासिवनी पहुंचकर गर्भवती महिलाओं को प्रदान की जा रही स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान बीएमओ वारासिवनी डॉ. सत्यम शर्मा, बीपीएम श्री संजय तुरकर सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। डॉ. उपलप ने शिविर में पहुंची गर्भवती महिलाओं से छेड़छाड़ चर्चा कर उनकी स्वास्थ्य जांच, उपचार एवं उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने स्वास्थ्य कर्मियों को मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं में किसी प्रकार की लापरवाही न बरतने के निर्देश भी दिए। वारासिवनी सिविल अस्पताल में आयोजित विशेष शिविर में लगभग 110 गर्भवती महिलाओं का पंजीयन किया गया। सभी महिलाओं की आवश्यक स्वास्थ्य जांचें प्रयोगशाला में कराई गईं तथा उच्च जोखिम (हाई रिस्क) वाली गर्भवती महिलाओं की पहचान कर उनके विशेष उपचार एवं नियमित निगरानी की व्यवस्था सुनिश्चित की गई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप ने बताया कि जिले के सभी शिविरों में महिला चिकित्सा अधिकारियों की विशेष ड्यूटी लगाई गई है, ताकि गर्भवती महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें। उन्होंने बताया कि जिले के 38 स्वास्थ्य संस्थानों में एक साथ विशेष शिविर आयोजित किए गए, जहां गर्भवती महिलाओं की जांच, परामर्श एवं आवश्यक उपचार की सुविधाएं प्रदान की गईं। डॉ. उपलप ने कहा कि प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान का उद्देश्य गर्भवती महिलाओं को समय पर स्वास्थ्य जांच एवं विशेषज्ञ परामर्श उपलब्ध कराकर सुरक्षित मातृत्व को बढ़ावा देना है।

कंदला गांव में नल-जल योजना बनी शोपीस, दूषित पानी पीने को मजबूर ग्रामीण

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

केंद्र और राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन योजना का उद्देश्य हर घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाना है, लेकिन बालाघाट जिले के दूरस्थ आदिवासी बाहुल्य ग्राम कंदला में यह योजना महज शोपीस बनकर रह गई है। वर्ष 2021-22 में लाखों रुपये की लागत से निर्मित नल-जल योजना आज तक ग्रामीणों को पानी उपलब्ध नहीं करा सकी है। नतीजतन भीषण गर्मी के बीच गांव के करीब 600 ग्रामीण पेयजल संकट से जूझ रहे हैं और दूषित जल स्रोतों पर निर्भर होने को मजबूर हैं। जिला मुख्यालय से लगभग 120 किलोमीटर दूर स्थित कंदला गांव में जल जीवन मिशन के तहत पानी की टंकी का निर्माण किया गया था और घर-घर पानी पहुंचाने के लिए पाइपलाइन भी बिछाई गई थी। ग्रामीणों का कहना है कि निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद भी योजना कभी सुचारू रूप से शुरू नहीं हो सकी। कई स्थानों पर पाइपलाइन अधूरी पड़ी है तो कहीं पाइप टूट-फूट गए हैं। परिणामस्वरूप चार वर्षों बाद भी ग्रामीणों के घरों तक नल के माध्यम से पानी नहीं पहुंच पाया है।ग्रामीणों का कहना है कि दूषित पानी पीने से जलजनित बीमारियों का खतरा लगातार बढ़ रहा है। इसके बावजूद जिम्मेदार विभाग केवल आश्वासन देने तक सीमित है। हर वर्ष गर्मी के मौसम में समस्या के समाधान का भरोसा दिया जाता है, लेकिन धरातल पर कोई ठोस कार्रवाई दिखाई नहीं देती। समस्या से त्रस्त ग्रामीणों, पंचों और सरपंच ने कई बार अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा है। हाल ही में ग्रामीण कलेक्ट्रेट पहुंचे और जनसुनवाई में शिकायत दर्ज कराते हुए नल-जल योजना को तत्काल शुरू कराने की मांग की। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो वे व्यापक आंदोलन करने को मजबूर होंगे। ग्राम पंचायत कंदला की सरपंच श्रीमती लक्ष्मी मरावी ने बताया कि वर्ष 2021-22 में जल जीवन मिशन के तहत पानी की टंकी का निर्माण पूरा हो चुका है, लेकिन आज तक जल वितरण शुरू नहीं हो पाया है। पाइपलाइन कई जगह अधूरी और क्षतिग्रस्त पड़ी हुई है। उन्होंने कहा कि पंचायत प्रतिनिधि तीन से चार बार कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन दे चुके हैं, लेकिन अधिकारियों द्वारा केवल आश्वासन दिया गया।

नहरटोला में तेंदुए ने किया बकरी का शिकार, ग्रामीणों में दहशत

कटंगी(स्वतंत्र मत)। वन परिक्षेत्र कटंगी और अरी रेंज के जंगलों के बीच बसे ग्राम पंचायत टेकाड़ी (म.) के नहर टोला में तेंदुए का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। दरअसल, 08 जून की रात एक बार फिर हिंसक वन्यप्राणी तेंदुए ने घर के भीतर बने बाड़े में घुसकर पालतू बकरी को अपना शिकार बना लिया। शिकार के बाद ग्रामीणों के शोर मचाने पर तेंदुआ बकरी को छोड़कर जंगल की ओर भाग गया। ग्रामीणों ने बताया कि तेंदुआ पिछले कई महीनों से गांव के आसपास चहलकदमी कर रहा है और लगातार पालतू मवेशियों को निशाना बना रहा है। बीते 04 जून की रात भी इसी तरह एक पालतू श्वान पर तेंदुए ने जानलेवा हमला किया था। इसी बीच पुनः नहरटोला निवासी बसंत परते के घर में प्रवेश कर बकरी पर हमला कर उसका शिकार कर लिया। बकरी के चीखने-चिल्लाने

की आवाज सुनकर परिजनों की नींद खुली और घर के लोग टॉर्च-लाठी लेकर बाहर निकले तो तेंदुआ बकरी को मुंह में दबाए बाहर निकलने की कोशिश कर रहा था। ग्रामीणों के शोर मचाने से तेंदुआ घबराकर बकरी को वहीं छोड़कर अंधेरे में जंगल की ओर भाग निकला। फिलहाल वन विभाग को सूचना दे दी गई है और पूरे घटनाक्रम से ग्रामीणो मे दहशत बढ़ गई है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर पाली में वृहद पौधरोपण कार्यक्रम सम्पन्न

पाली (स्वतंत्रमत)

विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून के अवसर पर एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत नगर पालिका परिषद पाली द्वारा वार्ड क्रमांक 15 स्थित एसडब्ल्यूएम प्लांट परिसर में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, हरित क्षेत्र विस्तार एवं जनसामान्य को वृक्षारोपण के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं नागरिकों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया तथा प्रत्येक नागरिक से अपनी माता के सम्मान में कम से कम एक पौधा लगाने और उसके संरक्षण की जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया। इस अवसर पर नगर पालिका परिषद पाली के अधिकारी भूपेंद्र सिंह, एल्डरमेन सुशांत सक्सेना, पार्षद रामजी रौतेल, कृष्कांत अवधिया, नगर पालिका इंजीनियर एवं एसबीएम नोडल उपयंत्री शिवराम एडपाचे, इंजीनियर विपिन कुमार विश्वकर्मा, धीरज विश्वकर्मा, मोनू जायसवाल, स्व-सहायता समूह संगठिका प्रतीक्षा द्विवेदी, राजू रैदास, स्व-सहायता समूह की महिला सदस्यगण तथा बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किया गया तथा उनके संरक्षण एवं नियमित देखभाल का संकल्प भी लिया गया। नगर पालिका परिषद पाली द्वारा पर्यावरण संरक्षण हेतु भविष्य में भी ऐसे जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाने की जानकारी दी गई। एक पेड़ मां के नाम अभियान के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण और मातृ सम्मान का यह संदेश जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया गया।

विश्व साइकिल दिवस पर 'संडे ऑन साइकिल' का सफल आयोजन

उमरिया (स्वतंत्रमत)

प्रधानमंत्री के आह्वान तथा मध्यप्रदेश शासन के खेल एवं युवा कल्याण विभाग के निर्देशन में, क्रीड़ा भारती जिला उमरिया के सहयोग से विश्व साइकिल दिवस के उपलक्ष्य में रविवार 7 जून को स्थानीय नगरपालिका स्टेडियम उमरिया में 'संडे ऑन साइकिल' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी सीताराम के नेतृत्व में साइकिल रैली निकाली गई। रैली नगरपालिका स्टेडियम से प्रारंभ होकर न्यायालय चौराहा, गांधी चौक, जयस्तंभ, पुराना बस स्टैंड, रानी दुर्गावती चौक और सगरा मंदिर मार्ग से होते हुए पुनः स्टेडियम पहुंचकर संपन्न हुई। इस अवसर पर अतिरिक्त

पुलिस अधीक्षक श्री सीताराम ने कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है। साइकिल चलाना स्वस्थ रहने का सरल और प्रभावी माध्यम है। यदि हम दैनिक जीवन में साइकिल के उपयोग को अपनाएं, तो स्वयं के साथ-साथ अपने परिवार को भी स्वस्थ रख सकते हैं। कार्यक्रम को माय भारत केंद्र के युवा अधिकारी उमाशंकर त्रिवेदी ने भी संबोधित करते हुए युवाओं से नियमित व्यायाम और साइकिलिंग को जीवनशैली का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को स्वास्थ्य, फिटनेस और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना रहा।

आदर्श कॉलेज में पर्यावरण संरक्षण की दिलाई गई शपथ

महाविद्यालय में पर्यावरण संरक्षण, प्लास्टिक मुक्त पर्यावरण के अंतर्गत कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे

उमरिया (स्वतंत्रमत)

विश्व पर्यावरण दिवस 05 जून के अवसर पर शासकीय आदर्श महाविद्यालय उमरिया में वृक्षारोपण एवं प्रकृति संरक्षण के साथ सतत भविष्य निर्माण की शपथ दिलाई गई। विश्व पर्यावरण दिवस कार्यक्रममें महाविद्यालय के प्रभारीप्राचार्य डॉ. नियाज अहमद अंसारी, प्रशासनिक अधिकारी डॉ परमेश्वर मरावी, राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी रेम सिंह क्रीड़ा अधिकारी महेंद्र कनौजिया, पुस्तकालय अध्यक्ष डॉ सपना झारिया, डॉ विजय डाबर, डॉ राजेंद्र प्रसाद, डॉ रूपलता, डॉ अनुपम सिंहडॉ. सरिता विश्वकर्मा, डॉराजीव तिवारी, डॉ. रिचा तिवारी, डॉ. रश्मि साकेत, डा. सतेन्द्र महोबिया सहित महाविद्यालय के सभी छात्र-छात्राएं एवं अध्यापक उपस्थित रहे। मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार महाविद्यालय में पर्यावरण संरक्षण, प्लास्टिक मुक्त पर्यावरण के अंतर्गत कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। महाविद्यालय स्तर के कार्यक्रमों का आयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना, भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ एवं क्रीड़ा विभाग के संयुक्त आयोजन में किया जा रहा है।

भोपाल प्रवास पर वरिष्ठ नेताओं से की सौजन्य भेंट, संगठनात्मक विषयों पर हुई महत्वपूर्ण चर्चा : दिलीप पांडेय

उमरिया (स्वतंत्रमत) - भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष दिलीप पांडे इन दिनो भोपाल प्रवास पर हैं। इस दौरान उन्होंने भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं खजुराहो सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा, मध्य प्रदेश शासन के अनुसूचित जनजाति कार्य मंत्री एवं उमरिया जिले के प्रभारी मंत्री श्री नागर सिंह चौहान, मध्य प्रदेश तीर्थ स्थान एवं मेला प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री विनोद गोटिया तथा राज्यसभा सांसद श्री रजनीश अग्रवाल सहित अनेक वरिष्ठ नेताओं से सौजन्य भेंट कर संगठनात्मक गतिविधियों, जनहित के

मुद्दों एवं विकास कार्यों पर विस्तृत चर्चा की। श्री पांडे लंबे समय से भाजपा संगठन में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। उनकी पहचान एक जमीनी, कर्मठ एवं संगठन के प्रति समर्पित नेता के रूप में रही है। अपने जिलाध्यक्ष कार्यकाल में उन्होंने गांव-गांव तक संगठन को मजबूत करने, कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने तथा पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके नेतृत्व में संगठनात्मक गतिविधियों को नई गति मिली और कार्यकर्ताओं का मनोबल भी बढ़ा। सरल स्वभाव, सहज उपलब्धता और कार्यकर्ताओं के प्रति आत्मीयता के कारण युवा वर्ग में उनकी मजबूत पकड़ देखने को मिलती है। उमरिया जिले की राजनीति में उन्होंने अपने कार्यों और संगठनात्मक क्षमता के बल पर एक अलग पहचान स्थापित की है। पार्टी नेतृत्व द्वारा समय-समय पर उन्हें महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी जाती रही हैं। वर्तमान में अनूपपुर जिले के भाजपा प्रभारी के रूप में संगठन को मजबूती प्रदान करने का कार्य कर रहे हैं। इसके अलावा विभिन्न चुनावों एवं संगठनात्मक अभियानों में भी उन्हें अहम दायित्व दिए जाते रहे हैं।

मलेरिया निरोधक माह जून 2026 अंतरविभागीय समन्वय समिति की बैठक

उमरिया (स्वतंत्रमत)

राष्ट्रीय बैक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत माह जून मलेरिया निरोधक माह की अंतरविभागीय समन्वय समिति की बैठक 08.06.2025 को कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय की अध्यक्षता में सभी विभाग प्रमुख की उपस्थिति में अयोजित किया गया, जिसमे मलेरिया के रोकथाम हेतु डॉ व्ही.एस चंदेल मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा बताया गया कि मानसून के प्रारंम्भ होने के पूर्व व मानसून के पश्चात मच्छरों के उत्पत्ति स्थल बढ़ जाने के कारण मलेरिया वाहक मच्छर जन्य परिस्थितियाँ निर्मित हो जाती हैं एवं मलेरिया का प्रसार अधिक होने लगता है। जनसमुदाय की सक्रियता से मलेरिया बीमारी के आउटब्रेक एवं मलेरिया से होने वाली मृत्यु को रोका जा सकता है। जिसके दृष्टिगत आवश्यक है कि मानसून प्रारम्भ होने के पूर्व जून

माह में मच्छरों के उत्पत्ति स्थलों के नियंत्रण एवं मलेरिया बीमारी की रोकथाम के सम्बन्ध में समस्त जानकारी दी गई। जिससे आगामी माह में प्रभावी रूप से मलेरिया बीमारी की रोकथाम हो सके मलेरिया उन्मूलन हेतु सार्थक परिणाम प्राप्त करने हेतु जनुसमुदाय को जागरूक किया जा रहा है। मलेरिया निरोधक माह का आयोजन मात्र मलेरिया बीमारी के नियंत्रण के उपाय के प्रभावी नियंत्रण हेतु भी किया जा रहा है। इसका प्रचार-प्रसार गॉव-गाँव तक किया जा रहा है, जनसामान्य की भागीदारी सुनिश्चित से मलेरिया रोग कें रोकथाम हेतु प्रचार ग्रामीणो में मलेरिया से बचाव हेतु मलेरिया रथ के माध्यम से हाई रिस्क ग्रामों में जन जागरूकता लाने का निरंतर प्रचार-प्रसार किया जा रहा है, तीनो ब्लाको हाई रिष्क ग्रामों में जहां पॉजिविटी केश पाये गये है वहा पर भ्रमण करेगा आशाओ के माध्यम से ग्राम स्तर पर जनजागरूकता हेतु नारे, दीवार लेखन एवं ग्रामीणो को समझाईस दिया जा रहा है।

शिक्षा वित्तीय सहायता आवेदन

मण्डला(स्वतंत्रमत)। अनुसूचित जाति वर्ग के विद्यार्थियों के लिए संचालित शिक्षा के लिए वित्तीय सहायता छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। योजना के तहत मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थाओं में अध्ययनरत बीड़ी चूना पत्थर एवं डोलोमाइट खदानों के श्रमिकों तथा उनके बच्चों को शिक्षा के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। इस योजना में कक्षा 1 से उच्च शिक्षा ग्रहण करने वाले विद्यार्थियों को 1000 रुपये से 25000 रुपये तक की छात्रवृत्ति स्वीकृत की जाती है।

स्वरोजगार पर मिलेगा ऋण

मण्डला(स्वतंत्रमत)। कार्यालय जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति मर्यादित द्वारा अनुसूचित जाति वर्ग के युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से संत रविदास स्वरोजगार योजना के अंतर्गत आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। योजना के तहत मंडला जिले को वर्ष 2026-27 के लिए 9 इकाइयों का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। प्राप्त जानकारी के अनुसार योजना के तहत पात्र आवेदकों को बैंक के माध्यम से 1 लाख रुपये से 25 लाख रुपये तक का ऋणज्ज् स्वीकृत किया जाएगा। स्वीकृत एवं वितरित ऋण राशि पर निगम द्वारा प्रतिवर्ष 5 प्रतिशत ब्याज अनुदान प्रदान किया जाएगा।

जल संरक्षण का दिया संदेश

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत विकासखंड स्तरीय बावड़ी उत्सव कार्यक्रम का आयोजन ग्राम झिरिया स्थित बीहड़ माता मंदिर परिसर में किया गया। जल स्त्रोत पूजन, गंगा कलश यात्रा, श्रमदान एवं जल संरक्षण शपथ ग्रहण जैसे विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से ग्रामीणों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों ने बावड़ी की साफ-सफाई कर जल स्त्रोतों के संरक्षण का संदेश दिया। जल गंगा संवर्धन अभियान के तीनों चरणों, जल गंगा दशहरा एवं बावड़ी उत्सव के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी गई।

जनसुनवाई में सुनी समस्याएं

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जिला योजना भवन में मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में जिले के विभिन्न स्थानों से पहुंचे लोगों ने सीईओ जिला पंचायत को अपनी समस्यायें बताई और आवेदन दिये सीईओ जिला पंचायत ने संबंधित अधिकारियों को आवेदनों के समय-सीमा में निराकरण के निर्देश दिये जनसुनवाई में 134 आवेदकों ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए।

जल संरक्षण का दिया संदेश

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा विकासखंड स्तरीय बावड़ी उत्सव कार्यक्रम का आयोजन रानी महल चौगान में किया गया। कार्यक्रम में रानी महल स्थित जल स्त्रोत का पूजन गंगा कलश यात्रा चौपाल शपथ ग्रहण तथा जल स्त्रोतों की साफ सफाई एवं संरक्षण संबंधी गतिविधियां संपन्न हुई।

आपदा प्रबंधन की देखी तैयारी

मण्डला(स्वतंत्रमत)। आगामी मानसून को देखते हुए जिले में आपदा प्रबंधन की तैयारियों को मजबूत करने के उद्देश्य से कलेक्टर ने मंगलवार को एसडीईआरएफ स्टेट डिजास्टर इमरजेंसी रिस्पांस फोर्स सेंटर का निरीक्षण कर वर्षा पूर्व तैयारियों का जायजा लिया उन्होंने कंट्रोल रूमए संचार व्यवस्था एवं रेस्क्यू उपकरणों का बारीकी से निरीक्षण करते हुए अधिकारियों से विस्तृत जानकारी प्राप्त की कटिंग टूल्स तथा डाइविंग किट सहित सभी आवश्यक उपकरणों की जांच एवं रखरखाव का कार्य पूर्ण कर लिया गया है।

हराम का वेतन लेने वाले कर्मचारियों की सेवा हो समाप्त : हाका गैंग की लापरवाही की भेंट चढ़े सेवानिवृत्त शिक्षक, बैल ने ली जान

मण्डला(स्वतंत्रमत)

नगर क्षेत्र में आवारा पशुओं के आतंक से हर कोई परेशान हैं और जिम्मेदार अमला खानापूर्ति कर फर्जी रिपोर्ट भेज रहा है। जिस तरह दिनों दिन आवारा जानवरों की संख्या दिख रही है इससे प्रतीत होता है कि नगर पालिका की हाका गैंग फर्जी कार्यवाही कर रही हैं। सब्जी बाजार में इन जानवरों का आतंक स्पष्ट दिखाई देता है। नगर के हर चौंक-चौराहे में जानवरों की रैला दिखाई देता है। वहीं बीते दिनों सेवानिवृत्त शिक्षक की जान एक आवारा जानवर ने ली है। जिससे लोगो में आक्रोश है लेकिन अब तक नगर पालिका हाथ में हाथ धरे बैठी है रोजाना जानवर लडते दिखाई देते हैं। जिनकी चपेट में कभी वाहन तो कभी इंसान तो कभी खाद्य सामग्री आ जाती है। पशु पालकों में भी कार्यवाही नही हो रही है। मंडला नगर के सुभाष वार्ड में बीते दिनों एक दर्दनाक हादसे ने पूरे शहर को झकझोर कर रख दिया। आवारा गौवंश के हमले में 92 वर्षीय सेवानिवृत्त शिक्षक पुरुषोत्तम लाल कछवाहा की मौत हो गई। इस घटना के बाद नगर में शोक और आक्रोश का माहौल है। स्थानीय नागरिकों ने इस दुर्घटना के लिए नगर पालिका प्रशासन की लापरवाही को जिम्मेदार ठहराते हुए आवारा पशुओं की समस्या के स्थायी समाधान की मांग की है। जानकारी के अनुसार सुभाष वार्ड निवासी एवं सेवानिवृत्त शिक्षक पुरुषोत्तम लाल कछवाहा प्रतिदिन की तरह सोमवार सुबह लगभग 7:30 बजे घर से निकले थे। वे वार्ड स्थित दुर्गा मंदिर और आसपास की दुकान की ओर पैदल जा रहे थे। इसी दौरान मंदिर के समीप सड़क पर घूम रहे एक गौवंश ने अचानक उन पर हमला कर दिया। अचानक हुए हमले से बुजुर्ग संतुलन खो बैठे और सड़क पर गिर गए। गिरने के दौरान उनके सिर में गंभीर चोट लग गई। घटना के समय आसपास मौजूद लोगों ने जब बुजुर्ग को घायल अवस्था में देखा तो तत्काल उनकी सहायता के लिए आगे आए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार गौवंश के जोरदार धक्के से वे सीधे सड़क पर गिर पड़े थे और उनके सिर से रक्त निकल रहा था। लोगों ने उन्हें उठाया पानी पिलाया और उनकी पहचान होने पर परिजनों को सूचना दी। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार के सदस्य मौके पर पहुंचे और उन्हें तत्काल जिला चिकित्सालय लेकर गए। चिकित्सकों ने उनका परीक्षण किया लेकिन गंभीर सिर की चोट के कारण उनकी स्थिति अत्यंत नाजुक थी। सुबह लगभग 9:30 बजे चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। जैसे ही यह खबर फैली पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। पुरुषोत्तम लाल कछवाहा लंबे समय तक शिक्षक के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके थे। वे अपने सरल स्वभाव अनुशासन और सामाजिक व्यवहार के लिए क्षेत्र में सम्मानित व्यक्ति माने जाते थे। उनकी मृत्यु की खबर सुनकर बड़ी संख्या में लोग उनके निवास पर पहुंचे और परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि जिस व्यक्ति ने अपना पूरा जीवन शिक्षा और समाज सेवा में बिताया उसकी इस तरह की दर्दनाक मौत बेहद दुखद और चिंताजनक है। लोगों का मानना है कि यदि शहर में आवारा पशुओं की समस्या पर समय रहते नियंत्रण किया गया होता तो यह हादसा टाला जा सकता था। घटना के बाद नागरिकों का गुस्सा नगर पालिका प्रशासन के खिलाफ खुलकर सामने आया। लोगों का आरोप है कि मंडला नगर की सड़कों पर लंबे समय से आवारा गौवंश खुलेआम घूम रहे हैं। मुख्य मार्गों, बाजारों, मोहल्लों और सार्वजनिक स्थलों पर बड़ी संख्या में पशु देखे जा सकते हैं जिससे आए दिन दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। स्थानीय रहवासियों का कहना है कि कई बार नगर पालिका अध्यक्ष और सीएमओ को इस संबंध में शिकायतें दी गईं लेकिन कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। नागरिकों का आरोप है कि जब भी कोई बड़ी घटना होती है तब कुछ दिनों के लिए पशुओं को पकड़ने की औपचारिक कार्रवाई दिखाई जाती है लेकिन उसके बाद स्थिति फिर पहले जैसी हो जाती है। लोगों ने कहा कि नगर पालिका द्वारा गौशालाओं और कांजी हाउस की व्यवस्था को प्रभावी नहीं बनाया गया है जिसके कारण आवारा पशु लगातार सड़कों पर घूमते रहते हैं। परिणामस्वरूप वाहन चालक बुजुर्ग महिलाएं और बच्चे हमेशा दुर्घटना के खतरे में रहते हैं। मंडला शहर में आवारा पशुओं की समस्या कोई नई नहीं है। नगर के विभिन्न वार्डों में सुबह और शाम के समय बड़ी संख्या में गौवंश सड़क पर बैठे या घूमते दिखाई देते हैं। कई बार ये पशु आपस में लड़ते हैं और राहगीरों या वाहनों की चपेट में लोग आ जाते हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार बीते कुछ वर्षों में गौवंश की वजह से कई सड़क दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। दोपहिया वाहन चालक अक्सर इन पशुओं से टकराकर घायल हो जाते हैं। रात के समय यह खतरा और अधिक बढ़ जाता है क्योंकि सड़क पर बैठे पशु आसानी से दिखाई नहीं देते। नागरिकों का कहना है कि सड़कों पर पशुओं की मौजूदगी केवल यातायात व्यवस्था को प्रभावित नहीं करती, बल्कि यह सीधे लोगों की जान के लिए खतरा बन चुकी है। इसके बावजूद जिम्मेदार विभाग समस्या के समाधान के प्रति गंभीर नजर नहीं आते।

पंचायती अमला हुआ लापरवाह ग्रामीणों में नाराजगी

मण्डला/नारायणगंज(स्वतंत्रमत)

जनपद पंचायत नारायणगंज अंतर्गत ग्राम पंचायत भावल में विभिन्न विकास कार्यों के अधूरे रहने और लंबित परियोजनाओं को लेकर ग्रामीणों में असंतोष बढ़ता जा रहा है ग्रामीणों का आरोप है कि पंचायत क्षेत्र में स्वीकृत कई विकास कार्य समय पर पूर्ण नहीं किए जा रहे हैं जिससे शासन की योजनाओं का लाभ आम जनता तक नहीं पहुंच पा रहा है जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत भवाल में सांस्कृतिक भवन निर्माण के लिए 5 लाख रुपये की राशि स्वीकृत हुई थी जिसकी प्रथम किस्त भी जारी हो चुकी है। भवन का मुख्य निर्माण कार्य तो कराया गया लेकिन शौचालय एवं टाइल्स लगाने का कार्य आज तक अधूरा पड़ा हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि शौचालय जैसी मूलभूत सुविधा के बिना भवन का समुचित उपयोग संभव नहीं है इसी प्रकार विधायक निधि से स्वीकृत 2 लाख रुपये की लागत वाले रंगमंच निर्माण कार्य का भी अब तक शुभारंभ नहीं हो सका है। वहीं जनपद निधि से स्वीकृत 1 लाख रुपये के चबूतरा निर्माण कार्य की स्थिति भी लंबित बताई जा रही है ग्रामीणों के अनुसार इन सभी कार्यों की प्रथम किस्त जारी होने के बावजूद निर्माण कार्यों में अपेक्षित प्रगति नहीं दिखाई दे रही है बताया जाता है कि पंचायत की बैठक में पंच उपसरपंच एवं सरपंच द्वारा कमेटी के माध्यम से संबंधित ठेकेदार को नोटिस जारी करने का निर्णय लिया गया था तथा नोटिस सचिव के माध्यम से भेजा जाना था हालांकि ग्रामीणों का आरोप है कि आज तक उक्त नोटिस ठेकेदार तक नहीं पहुंचाया गया है इस मामले को लेकर ग्रामीणों में विभिन्न प्रकार की चर्चाएं व्याप्त हैं। ग्रामीणों ने संबंधित अधिकारियों से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने तथा लंबित विकास कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराने की मांग की है। उनका कहना है कि विकास कार्यों में देरी से गांव के विकास की गति प्रभावित हो रही है और आमजन को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है ग्रामीणों ने जनपद एवं जिला प्रशासन से मांग की है कि स्वीकृत राशि, निर्माण कार्यों की प्रगति तथा जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका की जांच कर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाए जिससे विकास कार्यों में पारदर्शिता बनी रहे और जनता को योजनाओं का लाभ समय पर मिल सके।

प्रदेश अध्यक्ष से मिला कर्मचारी संघ

मण्डला(स्वतंत्रमत)

राज्य कर्मचारी संघ कार्यालय भोपाल में जनजातीय कार्य विभाग एवं अंशकालीन कर्मचारियों से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर एक प्रतिनिधिमंडल ने राज्य कर्मचारी संघ के प्रदेशाध्यक्ष हेमंत श्रीवास्तव से मुलाकात की और प्रतिनिधिमंडल ने जनजातीय कार्य विभाग में कार्यरत स्थायी कर्मियों एवं दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों के नियमितीकरण की मांग प्रमुखता से उठाई। इसके अलावा स्कूल मदरों को पेंशन, उपादान ग्रेच्युटी एवं क्रमोन्नति का लाभ प्रदान करने तथा अंशकालीन कर्मचारियों को न्यूनतम वेतनमान दिए जाने संबंधी मांगों से भी प्रदेश अध्यक्ष को अवगत कराया गया। प्रतिनिधिमंडल द्वारा कर्मचारियों की लंबे समय से लंबित समस्याओं के शीघ्र समाधान की आवश्यकता पर जोर दिया गया इस पर प्रदेश अध्यक्ष हेमंत श्रीवास्तव ने आश्वासन देते हुए कहा कि संबंधित विभाग से जल्द चर्चा कर इन मांगों के निराकरण के लिए आवश्यक प्रयास किए जाएंगे इस अवसर पर राज्य कर्मचारी संघ के जिला सचिव संजू कुशराम, जिला मंत्री हरीश यादव, जिला अध्यक्ष श्रीमती पारुल सारथी, कोषाध्यक्ष बीरबल भांवरे एवं जिला महामंत्री सरजू प्रसाद यादव उपस्थित रहे।

मोहित का दीक्षांत समारोह में सम्मान

मण्डला(स्वतंत्रमत)। मोहित खोत ने गौरवपूर्ण सफलता हासिल की उन्होंने प्रतिष्ठित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर से एमटेक डेटा इंजीनियरिंग की उपाधि वर्ष 2026 के दीक्षांत समारोह में सफलतापूर्वक प्राप्त की है मोहित ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा 10वीं एवं 12वीं मोन्टफोर्ट स्कूल से प्राप्त की तथा इसके पश्चात बीटेक कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग की डिग्री जेपी यूनिवर्सिटी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी गुना से पूर्ण की है जोधपुर राजस्थान में आयोजित दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. एस सोमनाथ पूर्व अध्यक्ष, इसरो तथा डॉ. अजय कुमार अध्यक्ष संघ लोक सेवा आयोग भारत सरकार थे समारोह में विशिष्ट अतिथियों के रूप में नीलकंठ मिश्रा अध्यक्ष यूआईडीएआई भारत सरकार प्रो. गोविंदन रंगराजन निदेशक भारतीय विज्ञान संस्थान बेंगलुरु राजीव कुमार शर्मा पुलिस महानिदेशक राजस्थान तथा शरत कविराज पुलिस आयुक्त जोधपुर उपस्थित रहे मोहित खोत नगर के प्रतिष्ठित नागरिक एवं एमपीईबी मंडला में सेवारत मदन खोत एवं दीपाली खोत के सुपुत्र हैं।

स्वस्थ तनावमुक्त जीवन के बताए सूत्र

मण्डला(स्वतंत्रमत)। पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवकुमार वर्मा के मार्गदर्शन में जिला पुलिस बल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए कुशल प्रबंधन विषय पर विशेष जागरूकता एवं स्वास्थ्य व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्राकृतिक चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. रमेश टेवानी आरोग्यं केंद्र भोपाल ने प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति, स्वस्थ जीवनशैली, तनाव प्रबंधन, नशामुक्त जीवन एवं प्राकृतिक उपचार के महत्व पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने बताया कि आधुनिक जीवनशैली से उत्पन्न अनेक स्वास्थ्य समस्याओं का समाधान नियमित दिनचर्या संतुलित आहार योग व्यायाम एवं प्राकृतिक चिकित्सा के माध्यम से संभव है। डॉ. टेवानी ने कहा कि शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य भी उतना ही महत्वपूर्ण है। सकारात्मक सोच अनुशासित जीवनशैली एवं तनाव पर नियंत्रण व्यक्ति की कार्यक्षमता और जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाते हैं। व्याख्यान के दौरान उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को कार्य के दबाव के बीच मानसिक संतुलन बनाए रखने स्वास्थ्य संबंधी सावधानियों का पालन करने तथा सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने के संबंध में उपयोगी सुझाव दिए गए। कार्यक्रम में उपस्थित पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए विभिन्न स्वास्थ्य विषयों पर चर्चा की तथा अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया।

नैनपुर में बिजली व्यवस्था चरमराई अघोषित कटौती से जनता त्रस्त

नैनपुर (स्वतंत्र मत)

नगर में इन दिनों बिजली व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है। दिन और रात दोनों समय हो रही अघोषित बिजली कटौती से आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। बिना किसी पूर्व सूचना के घंटों बिजली आपूर्ति बंद कर दी जाती है, जिससे लोगों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। नागरिकों का कहना है कि बिजली कटौती का कोई निश्चित समय नहीं होने से उनकी दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो गई है। लगातार शिकायतों के बावजूद विभाग द्वारा ठोस कदम नहीं उठाए जाने से लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है।

हल्की आंधी-बारिश में भी ठप हो जाती है बिजली व्यवस्था-नगर की बिजली व्यवस्था इतनी कमजोर हो चुकी है कि हल्की हवा, बारिश या आंधी-तूफान में भी आपूर्ति बाधित हो जाती है। कई बार मामूली मौसम परिवर्तन के बाद घंटों तक बिजली बहाल नहीं हो पाती। स्थानीय लोगों का आरोप है कि बिजली लाइनों और उपकरणों का समुचित रखरखाव नहीं किया जा रहा है। विभाग भले ही नियमित मेंटेनेंस के दावे करता हो, लेकिन जमीनी हकीकत इन दावों की पोल खोलती नजर आ रही है।

मेंटेनेंस के नाम पर खानापूर्ति, नहीं दिख रहा असर-बिजली विभाग द्वारा समय-समय पर मेंटेनेंस कार्य किए जाने की बात कही जाती है, लेकिन इसका कोई सकारात्मक असर दिखाई नहीं दे रहा है। नगरवासियों का कहना है कि यदि वास्तव में सुधार कार्य हो रहे होते, तो बार-बार फाल्ट, ट्रिपिंग और बिजली कटौती जैसी समस्याएं सामने नहीं आतीं। लाखों रुपये खर्च होने के बावजूद व्यवस्था में सुधार न होना विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करता है।

रातभर बिजली गुल, बढ़ी लोगों की परेशानी-नगर के कई वार्डों में रात के समय लंबे समय तक बिजली गुल रहने की शिकायतें सामने आ रही हैं। गर्मी और उमस के बीच रातभर बिजली न रहने से लोगों की नींद प्रभावित हो रही है। छोटे बच्चे, बुजुर्ग और मरीज सबसे अधिक परेशान हैं। वहीं विद्यार्थियों की पढ़ाई भी बाधित हो रही है। कई बार शिकायत करने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं होने से लोगों में असंतोष बढ़ रहा है।

फाल्ट और ट्रिपिंग से हाल बेहाल, जिम्मेदार मौन-नगर में लगातार फाल्ट और बार-बार ट्रिपिंग की समस्या आम हो गई है। दिन में कई बार बिजली आपूर्ति बाधित होती है, वहीं रात में भी लोगों को अंधेरे में रहना पड़ता है। इसके बावजूद जिम्मेदार अधिकारी इस गंभीर समस्या के समाधान के प्रति गंभीर नजर नहीं आ रहे हैं।

सुधार नहीं हुआ तो होगा जन आंदोलन

नगरवासियों ने मांग की है कि बिजली व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए पुराने उपकरणों को बदला जाए, कमजोर लाइनों की मरम्मत की जाए और ऐसी तकनीकी व्यवस्था विकसित की जाए जिससे मौसम के मामूली बदलाव का असर बिजली आपूर्ति पर न पड़े। लोगों का कहना है कि यदि शीघ्र ही स्थायी समाधान नहीं किया गया, तो आने वाले समय में जन आंदोलन किया जाएगा। नगर की बिगड़ती बिजली व्यवस्था को लेकर जनता में भारी नाराजगी व्याप्त है और सभी की नजरें अब विभागीय कार्रवाई पर टिकी हुई हैं।

सहकारी केंद्रीय बैंक का ऋण अभियान

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित की समितियों द्वारा अल्पकालीन फसल ऋण की वसूली के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। बैंक द्वारा किसानों से संपर्क स्थापित कर ऋण राशि समय पर जमा कराने के लिए सघन प्रयास किए जा रहे हैं। बैंक से प्राप्त जानकारी के अनुसार रबी वर्ष 2025-26 में किसानों द्वारा लिए गए अल्पकालीन फसल ऋण की वसूली की अंतिम तिथि 15 जून निर्धारित की गई है। किसानों को समयसीमा के भीतर ऋण राशि जमा करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है क्योंकि 15 जून तक ऋण का भुगतान करने पर किसी प्रकार का ब्याज देय नहीं होगा। साथ ही किसानों को आगामी वर्ष के लिए भी शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर ऋण सुविधा का लाभ मिल सकेगा। बैंक अधिकारियों ने बताया कि निर्धारित तिथि तक ऋण राशि जमा नहीं करने पर किसानों को दंडात्मक ब्याज सहित राशि का भुगतान करना पड़ेगा। इसी कारण समितियों के माध्यम से गांव-गांव पहुंचकर किसानों को समय पर ऋण अदायगी के लिए जागरूक किया जा रहा है। पिछले वर्ष बैंक ने कृषि ऋण वसूली के क्षेत्र में पूरे मध्यप्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया था।

श्रमिकों के लिए योजना बेहद उपयोगी

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जिला योजना भवन में आयोजित समय-सीमा बैठक में जिला श्रम अधिकारी ने प्रधानमंत्री श्रम योगी मान-धन योजना का प्रस्तुतिकरण दिया। कलेक्टर ने कहा कि असंगठित क्षेत्र के गरीब श्रमिकों के लिए यह योजना बेहद उपयोगी है और जिले में लक्ष्य पूरा करने के लिए सभी विभाग सहयोग करें। कलेक्टर ने महिला बाल विकास विभाग राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन और पंचायतों को निर्देश दिए कि वे मिलकर लोगों को इस पेंशन योजना में पंजीयन के लिए प्रेरित करें। जिला श्रम अधिकारी ने बताया कि योजना के तहत 18 से 40 वर्ष तक के असंगठित श्रमिक जैसे घरेलू कामगार रेहड़ी-पटरी वाले रिक्शा चालक दर्जी कृषि मजदूर जिनकी मासिक आय 15,000 रुपए तक है पंजीयन करा सकते हैं। आयकर दाता और ईपीएफओ ईएसआईसी एनपीएस के सदस्य पात्र नहीं हैं। 18 साल की उम्र में जुड़ने पर मासिक योगदान लगभग 55 रुपए और 40 साल की आयु पर 200 रुपए है।

संपादकीय

विकास की टिमटिमाती आस

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का आकलन है कि देश में ऐसी 'आर्थिक सुनामी' आने वाली है, जैसी किसी ने पहले देखी नहीं होगी। जनता को दबाने के लिए मोदी सरकार 'आपातकाल' भी लगा सकती है। राहुल गांधी ने फिर भविष्यवाणी की है कि मोदी सरकार एक साल में गिर जाएगी। पलटवार में प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस पर तीखे प्रहार किए और कहा कि देश में कुछ निराशावादी लोग हैं, जो आत्मनिर्भर भारत के अभियान का मजाक उड़ाते हैं। प्रधानमंत्री का मानना है कि देश ऐसी अराजकता, निराशा, अनिश्चितता को पसंद नहीं करता, लिहाजा कांग्रेस को बार-बार खारिज कर रहा है।

इस 'जुबानी जंग' के दौरान भारत सरकार के राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय ने 2025-26 की आखिरी तिमाही के आंकड़े जारी कर सभी को चौंका दिया। चौथी तिमाही में आर्थिक विकास दर 7.8 फीसदी रही और कुल वित्त-वर्ष की विकास दर 7.7 फीसदी रही। यह विश्व में सर्वाधिक है, हालांकि प्रति व्यक्ति आय में भारत बहुत नीचे है। बहरहाल इस तिमाही के दौरान ईरान युद्ध का एक महीना भी झेलना पड़ा, क्योंकि युद्ध 28 फरवरी को शुरू हो गया था। अर्थव्यवस्था और विकास दर पर भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा का आकलन भी महत्वपूर्ण और नाजुक है कि ईरान युद्ध के कारण सप्लाई चेन बाधित हुई है और भारतीय बाजार में भी अस्थिरता का माहौल है। महंगाई बढ़ेगी और जीडीपी की विकास दर घटेगी। हमारी अर्थव्यवस्था भी वैश्विक उथल-पुथल के दौर में है, लिहाजा रिजर्व बैंक का नया अनुमान है कि जारी वित्त वर्ष में विकास दर 6.6 फीसदी रह सकती है, जबकि पहले अनुमान 6.9 फीसदी का था। महंगाई दर 5.1 फीसदी से अधिक हो सकती है, जबकि पहले का अनुमान 4.6 फीसदी का था। रिजर्व बैंक के गवर्नर का यह भी मानना है कि विकास दर के अनुमान पर निगेटिव जोखिम बरकरार रहेगा। विदेशी मुद्रा 4.4 लाख करोड़ रुपए घटी है, फिर भी हम सुखद स्थिति में हैं, लेकिन जीडीपी में जिस मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र का योगदान 18 फीसदी तक होता था, वह घट कर करीब 13 फीसदी हो गया है, जबकि मोदी सरकार ने 25 फीसदी योगदान का लक्ष्य तय किया था। कृषि पर आज भी दो-तिहाई परिवार आश्रित हैं, लेकिन पूरे वित्त वर्ष में कृषि की विकास दर 3 फीसदी रही है, जबकि बीते वर्ष के दौरान यह विकास दर 5 फीसदी से भी अधिक थी।

अलबत्ता चौथी तिमाही के दौरान कृषि की विकास दर 3.6 फीसदी रही है। जीडीपी में जो बढ़ोतरी दिख रही है, वह सेवा क्षेत्र, व्यापार, होटल, परिवहन, पर्यटन और बैंकिंग आदि के कारण है। ऊर्जा की महंगाई दर 24.71 फीसदी हो गई है, जिसकी कमी के कारण देश का हर-एक तबका, आम आदमी, औसत घर किलकिला रहा है। एक बार फिर घरेलू एलपीजी का सिलेंडर 29 रुपए महंगा कर दिया गया है। बीती 7 मार्च को भी 60 रुपए प्रति सिलेंडर दाम बढ़ाए गए थे। देश में रोजगार गायब है, महंगाई लगातार बढ़ रही है, औसत आमदनी यथावत है, आम उपभोक्ता की क्रय-शक्ति बढ़ नहीं पा रही है, तो देश की आर्थिक विकास दर मजबूत कैसे हो सकती है? अर्थव्यवस्था के जो बुनियादी मुख्य कारक हैं, यदि उनमें बढ़ोतरी नहीं है, तो जीडीपी की विकास दर इतनी सशक्त कैसे संभव है? रिजर्व बैंक समेत लगभग सभी प्रमुख अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के ताजा आकलन हैं कि भारतीय जीडीपी की विकास दर 6 फीसदी से कुछ अधिक रहेगी, लेकिन सरकार 7.7 फीसदी के आंकड़े पर 'बल्ले-बल्ले आर्थिकी' मान रही है। अर्थव्यवस्था और विकास दर को लेकर ऐसे विरोधाभास गंभीर हैं।

सिर्फ बातों से बात नहीं बनेगी

अवसरों के मोड़ पर भारत-नेपाल संबंध

नेपाल की घरेलू राजनीति अभी परिवर्तनशील है। ऐसे में भारत-नेपाल संबंधों के पुनर्संयोजन की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि नेपाली विदेश मंत्री शिशिर खनाल की भारत यात्रा के दौरान दिखी सकारात्मकता ठोस नतीजों में बदल पाती हैं या नहीं।

आनंद कुमार

नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल की नई दिल्ली यात्रा को केवल एक नियमित राजनयिक दौरे के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। यह बालेंद्र शाह के नेतृत्व वाली नई सरकार के किसी मंत्री की पहली आधिकारिक भारत यात्रा थी, जो ऐसे समय में हुई, जब दोनों देश अपने संबंधों को नए सिरे से परिभाषित करने के इच्छुक दिखाई देते हैं। दोनों देश अतीत के विवादों और अविश्वास से आगे बढ़कर विकास, संपर्क, निवेश और आर्थिक परिवर्तन पर आधारित साझेदारी की ओर बढ़ना चाहते हैं।

यह कहना अभी जल्दबाजी होगी कि भारत-नेपाल संबंधों का वास्तविक पुनर्संयोजन हो चुका है, पर इसके संकेत अवश्य दिखाई दे रहे हैं। पिछले एक दशक में भारत-नेपाल संबंध सहयोग और तनाव के बीच झूलते रहे हैं। 2015 के सांविधानिक संकट और उसके बाद उत्पन्न नाकाबंदी विवाद, सीमा और मानचित्र संबंधी मतभेद, तथा समय-समय पर लगाए गए हस्तक्षेप के आरोपों ने दोनों देशों के बीच अविश्वास का वातावरण बनाया। नेपाल में राजनीतिक दल अक्सर घरेलू राजनीतिक लाभ के लिए भारत-विरोधी भावनाओं का सहारा लेते रहे, जबकि भारत में नेपाल को कई बार चीन के साथ बढ़ती प्रतिस्पर्धा के संदर्भ में सुरक्षा के दृष्टिकोण से देखा गया।

नतीजतन, दोनों देशों के संबंध ऐतिहासिक शिकायतों और राष्ट्रवादी राजनीति के बंधक बन गए। 2025 के जनरेशन-जेड आंदोलन के बाद नेपाल में जो राजनीतिक परिवर्तन हुआ है, उसने इस चक्र को तोड़ने की संभावना पैदा की है। राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) और प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह का उदय नेपाल की पारंपरिक राजनीतिक व्यवस्था से एक महत्वपूर्ण विच्छेद का प्रतिनिधित्व करता है। नई सरकार ने अपनी वैधता सुशासन, जवाबदेही, योग्यता-आधारित प्रशासन और संस्थागत सुधारों के वादों पर निर्मित की है। शिशिर खनाल का यह कहना कि वर्तमान सरकार नेपाल की एक बिल्कुल नई राजनीतिक वास्तविकता का प्रतिनिधित्व करती है, देश की घरेलू और विदेश नीति की प्राथमिकताओं में आए परिवर्तन का संकेत है।

खनाल ने भारत को नेपाल का सबसे महत्वपूर्ण साझेदार बताते हुए कहा कि उनकी सरकार के पास पुराना बोझ नहीं है। यह बताता है कि काठमांडो अब शिकायतों और आरोपों की राजनीति से आगे बढ़कर 'परिणाम-आधारित कूटनीति' अपनाना चाहता है। उसका लक्ष्य ऐसे ठोस परिणाम प्राप्त करना है, जो नेपाल के आर्थिक रूपांतरण में योगदान दे।

भारत की ओर से भी समान उत्साह दिखाई देता है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि दोनों देशों के पास संबंधों की दिशा को 'निर्णायक रूप से बदलने' का अवसर है। जयशंकर द्वारा नेपाल की नई सरकार की प्राथमिकताओं और भारत की पड़ोसी-प्रथम नीति के बीच 'मजबूत पूरकता' का उल्लेख इसका संकेत है कि नई दिल्ली नए आधार पर काठमांडो की नई राजनीतिक व्यवस्था के साथ संबंध विकसित करना चाहती है। खनाल की यात्रा के दौरान हुई चर्चाओं का केंद्र विवादास्पद मुद्दों के बजाय विकास, सहयोग, संपर्क परियोजनाएं, व्यापार, निवेश, ऊर्जा, डिजिटल एकीकरण और लोगों के बीच संबंध रहे। इन क्षेत्रों में दोनों देशों के हित एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। नेपाल को आर्थिक विकास के लिए निवेश, अवसंरचना और बाजारों तक पहुंच की आवश्यकता है, जबकि भारत अपने पड़ोस में स्थिर और समृद्ध वातावरण चाहता है।

नेपाल क्लियरिंग हाउस लिमिटेड और भारत के नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन के बीच सीमा-पार डिजिटल भुगतान व्यवस्था की शुरुआत इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह दर्शाता है कि तकनीकी सहयोग आर्थिक एकीकरण को गहरा बना सकता है और दोनों देशों के नागरिकों के दैनिक जीवन को अधिक सहज बना सकता है। पिछले कुछ वर्षों में दोनों देशों के बीच बिजली व्यापार में वृद्धि हुई है और खनाल की यात्रा के दौरान हुई चर्चाओं से स्पष्ट है कि जलविद्युत विकास भविष्य की साझेदारी का प्रमुख स्तंभ बना रहेगा। यदि इसे प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाया गया, तो ऊर्जा परस्पर निर्भरता, दीर्घकालिक स्थिरता और सहयोग का मजबूत आधार बन सकती है।

इसी प्रकार जल संसाधन प्रबंधन, अवसंरचना निर्माण और सीमा-पार संपर्क परियोजनाओं में भी अपार संभावनाएं मौजूद हैं। फिर भी यह मान लेना उचित नहीं होगा कि सभी बाधाएं समाप्त हो गई हैं। कालापानी-लिपुलेख-लिम्पियाधुरा विवाद अब भी अनसुलझा है। लेकिन महत्वपूर्ण बात यह है कि इस विवाद को संभालने का नई सरकार का तरीका बदला हुआ प्रतीत होता है। खनाल ने स्पष्ट किया कि नेपाल किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता नहीं चाहता और वह इसे द्विपक्षीय कूटनीतिक तंत्र के माध्यम से ही सुलझाना चाहता है। यह रुख तनाव को नियंत्रित रखने और विवाद को व्यापक संबंधों पर हावी न होने देने का संकेत देता है। यदि दोनों पक्ष इन विवादों को व्यापक सहयोग से अलग रखते हैं, तो संबंधों में स्थिरता बनाए रखना संभव होगा। नेपाल की नई सरकार के किसी मंत्री की पहली भारत यात्रा में सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल के साथ वार्ता इस बात का संकेत है कि दोनों पक्ष सुरक्षा संवाद को भी अहम मानते हैं। इसके साथ ही राजनीतिक स्तर पर संपर्कों का पुनरुद्धार भी उल्लेखनीय है। खनाल की यात्रा से पहले आरएसपी अध्यक्ष रवि लामिछाने भारत आए थे और उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, विदेश मंत्री तथा अजीत डोभाल से मुलाकात की थी।

अंततः भारत-नेपाल संबंधों के पुनर्संयोजन की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि दोनों सरकारें सकारात्मक राजनीतिक संदेशों को ठोस परिणामों में बदल पाती हैं या नहीं। केवल सद्भावनापूर्ण बयान पर्याप्त नहीं होंगे। नेपाल की घरेलू राजनीति अभी परिवर्तनशील है, जबकि सीमा विवाद और क्षेत्रीय भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धाएं भविष्य में चुनौतियां उत्पन्न करती रहेंगी। इसके बावजूद आज दोनों देशों के हित पहले की तुलना में कहीं अधिक मेल खाते दिखाई देते हैं। नेपाल को निवेश, संपर्क और विकास चाहिए, जबकि भारत एक स्थिर, समृद्ध और मैत्रीपूर्ण पड़ोसी चाहता है।

काठमांडो और नई दिल्ली, दोनों यह संकेत दे रहे हैं कि वे शिकायतों और संदेहों की राजनीति से आगे बढ़कर विकास, आर्थिक एकीकरण और व्यावहारिक सहयोग पर आधारित संबंध चाहते हैं। यदि यह दृष्टिकोण कायम रहता है, तो वर्तमान समय वास्तव में भारत-नेपाल संबंधों के एक नए अध्याय की शुरुआत सिद्ध हो सकता है। अवसर मौजूद है; अब यह देखना होगा कि क्या दोनों पक्ष उसे स्थायी उपलब्धि में बदलने का राजनीतिक साहस और धैर्य दिखा पाते हैं?

क्या दुनिया आम आदमी के लिए चल रही है या सत्ता के लिए?

पवन शर्मा

आज दुनिया एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है जहाँ सवाल बहुत हैं, लेकिन जवाब कम।

एक तरफ सरकारें विकास के दावे कर रही हैं, दूसरी तरफ आम आदमी महंगाई, बेरोजगारी और असुरक्षा के बोझ तले दबता जा रहा है। आंकड़ों में अर्थव्यवस्था मजबूत दिखाई जाती है, लेकिन बाजार में सब्जी खरीदने वाला, गैस सिलेंडर भरवाने वाला, बच्चों की फीस जमा करने वाला और नौकरी की तलाश में भटकता युवा कुछ और ही कहानी बयां करता है।

भारत सहित दुनिया के अनेक देशों में विदेशी निवेशकों का भरोसा डगमगा रहा है। मुद्रा पर दबाव बढ़ रहा है। आवश्यक वस्तुओं, ऊर्जा, गैस, पेट्रोल और डीजल की कीमतें लगातार आम नागरिक की कमर तोड़ रही हैं। वेतन की रफ्तार धीमी है, लेकिन खर्चों की रफ्तार बेलगाम।

सबसे बड़ा संकट हमारे युवाओं के सामने खड़ा है।

जिस युवा को देश का भविष्य कहा जाता है, वही आज सबसे अधिक असुरक्षित महसूस कर रहा है। वर्षों की तैयारी के बाद जब भर्ती परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक हो जाते हैं, तब केवल एक परीक्षा नहीं टूटती, बल्कि लाखों युवाओं का विश्वास टूटता है। यह केवल प्रशासनिक विफलता नहीं, बल्कि राष्ट्र की प्रतिभा के साथ किया गया अन्याय है।

दूसरी ओर शिक्षा व्यवस्था डिग्रियां तो बांट रही है, लेकिन रोजगार नहीं। कॉलेजों से निकलने वाले लाखों युवा रोजगार बाजार की वास्तविक आवश्यकताओं से कटे हुए हैं। परिणामस्वरूप डिग्री बढ़ रही है, लेकिन योग्य रोजगार घट रहा है।

अपराध का बढ़ता ग्राफ भी चिंता का विषय है। नागरिकों की सुरक्षा किसी भी सभ्य समाज की पहली शर्त होती है। लेकिन जब अपराध, भ्रष्टाचार और राजनीतिक संरक्षण की चर्चाएं आम हो जाएं, तब लोगों का कानून और व्यवस्था पर विश्वास कमजोर पड़ने लगता है।

और राजनीति?

राजनीति कभी समाज सेवा का माध्यम मानी जाती थी। आज अनेक स्थानों पर वह शक्ति, प्रभाव और संसाधनों की दौड़ बनती दिखाई देती है। चुनावों में करोड़ों-अरबों रुपये खर्च होते हैं। सवाल यह है कि यदि राजनीति जनसेवा है, तो फिर सेवा इतनी महंगी क्यों है?

जनता वोट देती है विकास के लिए, लेकिन चुनाव के बाद अक्सर वही जनता महंगाई, बेरोजगारी और मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष करती दिखाई देती है।

विश्व स्तर पर स्थिति और भी चिंताजनक है।

युद्धों की आग बढ़ रही है। देशों के बीच तनाव बढ़ रहा है। हथियारों पर खर्च बढ़ रहा है। लेकिन क्या किसी ने यह पूछा कि इन युद्धों की कीमत कौन चुका रहा है?

उत्तर स्पष्ट है-न कोई राष्ट्रपति, न कोई प्रधानमंत्री, न कोई उद्योगपति।

इसकी कीमत चुकाता है आम नागरिक।

वह किसान जो महंगी खाद खरीदता है।

वह मजदूर जो रोजगार खो देता है।

वह परिवार जो बढ़ती कीमतों के कारण अपने सपनों में कटौती करता है।

वह युवा जिसकी उम्मीदें हर साल नई भर्ती की घोषणा और अगले घोटाले के बीच झूलती रहती हैं।

अब दुनिया की निगाहें जी-7, जी-20 और अन्य वैश्विक सम्मेलनों पर हैं।

लेकिन एक प्रश्न पूरी मानवता पूछ रही है।

क्या ये सम्मेलन दुनिया की जनता की समस्याओं का समाधान खोजने के लिए हैं, या केवल शक्तिशाली देशों के हितों की रक्षा के लिए?

सम्मेलन होते हैं।

संयुक्त घोषणाएं जारी होती हैं।

फोटो खिंचते हैं।

हाथ मिलाए जाते हैं।

लेकिन क्या आम आदमी की थाली सस्ती होती है?

क्या युवाओं को रोजगार मिलता है?

क्या युद्ध रुकते हैं?

क्या गरीब का जीवन आसान होता है?

यदि नहीं, तो दुनिया को केवल बैठकों की नहीं, बल्कि नीतियों में बदलाव की आवश्यकता है।

आज सबसे बड़ा संकट संसाधनों का नहीं है।

धरती पर भोजन भी है, धन भी है, तकनीक भी है और प्रतिभा भी।

संकट है राजनीतिक इच्छाशक्ति का।

संकट है प्राथमिकताओं का।

संकट है उस सोच का जिसमें सत्ता पहले और जनता बाद में आती है।

इतिहास गवाह है कि कोई भी राष्ट्र केवल भाषणों, नारों और आंकड़ों से महान नहीं बनता। राष्ट्रमहान तब बनता है जब उसका युवा आशावान हो, उसका नागरिक सुरक्षित हो, उसका किसान सम्मानित हो और उसका मध्यम वर्ग भविष्य को लेकर भयभीत न हो।

यदि वर्तमान व्यवस्था इन मूल प्रश्नों का उत्तर देने में असफल रहती है, तो आने वाले वर्षों में असंतोष, अविश्वास और सामाजिक तनाव और बढ़ सकते हैं।

समय अभी भी है।

विश्व नेताओं को यह समझना होगा कि जनता केवल वादे नहीं, परिणाम चाहती है।

क्योंकि अंततः किसी भी देश की वास्तविक शक्ति उसकी सेना, उसकी अर्थव्यवस्था या उसके नेता नहीं होत

उसकी वास्तविक शक्ति उसके नागरिक होते हैं।

और जब नागरिक प्रश्न पूछना शुरू कर दें, तो समझ लेना चाहिए कि परिवर्तन की घड़ी निकट है।

सत्ता का सबसे बड़ा दायित्व शासन करना नहीं, बल्कि विश्वास बनाए रखना है।

जीवन किसी एक नियम से संचालित नहीं होता

निकोलो मैकियावेली

मैंने अपने जीवन में अनेक लोगों को देखा है। कुछ ऐसे थे, जो हर कदम सोच-समझकर रखते थे, और कुछ ऐसे, जो तूफान की तरह आगे बढ़ते थे। कुछ धैर्य के सहारे अपनी राह बनाते थे, तो कुछ साहस और जोखिम के बल पर मंजिल तक पहुंचने का प्रयास करते थे। उन्हें देखते हुए मेरे मन में अक्सर एक प्रश्न उठता था कि सफलता का रहस्य आखिर कहां छिपा है? क्या वह बुद्धि में है, स्वभाव में है, अथवा भाग्य के किसी अदृश्य हाथ में? समय के साथ मुझे लगा कि उत्तर इनमें से किसी एक में नहीं है।

जीवन किसी एक नियम से संचालित नहीं होता। नदी हर जगह एक जैसी नहीं बहती। कहीं वह शांत होकर धरती को सींचती है, कहीं प्रचंड होकर चट्टानों को काटती हुई आगे बढ़ती है। जो नाविक केवल शांत जल को जानता है, वह तूफान में भटक सकता है। और जो केवल तूफानों से लड़ना जानता है, वह शांत धाराओं की दिशा को समझने में चूक सकता है। मनुष्य भी कुछ ऐसा ही है। हम अपने स्वभाव को ही अपनी सबसे बड़ी शक्ति मान लेते हैं। सावधान व्यक्ति सोचता है कि हर समस्या का समाधान सावधानी में है। साहसी व्यक्ति मानता है कि हर द्वार साहस से खोला जा सकता है। पर समय किसी एक स्वभाव का पक्ष नहीं लेता। समय बदलता रहता है, और उसके साथ जीवन की परिस्थितियां भी बदल जाती हैं। मैंने ऐसे लोगों को देखा है, जो एक दौर में अत्यंत सफल थे, लेकिन वही तरीके दूसरे दौर में उन्हें असफलता की ओर ले गए। वहीं कुछ साधारण क्षमताओं वाले लोग आगे बढ़ गए, क्योंकि उन्होंने समय की धड़कन को सुन लिया था। भाग्य को लेकर भी मनुष्य अनेक भ्रम पालता है। वह अपनी सफलता का पूरा श्रेय स्वयं को देता है, तो असफलताओं का दोष भाग्य पर डाल देता है।

किंतु जीवन इन दोनों के बीच कहीं स्थित है। भाग्य समुद्र की हवा की तरह है, वह हमारे अधिकार में नहीं। लेकिन अपने पालों को किस दिशा में मोड़ना है, यह हमारे हाथ में है। जो केवल हवा पर निर्भर रहता है, वह हवा बदलते ही भटक जाता है। और जो हवा की उपेक्षा करता है, वह भी बहुत दूर तक नहीं पहुंच पाता। बुद्धिमानी केवल महान लोगों की नकल करने में नहीं है, बल्कि उनके दृष्टिकोण को समझने में है। एक कुशल धनुर्धर दूर स्थित लक्ष्य पर निशाना लगाते समय तीर को लक्ष्य से कुछ ऊपर साधता है। वह जानता है कि उसकी शक्ति सीमित है, फिर भी ऊंचा लक्ष्य उसे सही दिशा देता है। जीवन में भी बड़े आदर्श इसलिए आवश्यक हैं कि वे हमें हमारी सर्वोत्तम संभावनाओं तक पहुंचने की प्रेरणा दें। सफलता समय को पहचानने की कला है। यह जानने की क्षमता है कि कब धैर्य रखना है, कब साहस दिखाना है, कब प्रतीक्षा करनी है और कब आगे बढ़ना है। जीवन अक्सर उन्हीं का साथ देता है, जो परिस्थितियों की बदलती लय के साथ स्वयं को बदलना सीख लेते हैं। शायद यही वह सूक्ष्म ज्ञान है, जो मनुष्य को केवल सफल नहीं, बल्कि सचमुच बुद्धिमान बनाता है।

समय की लय को समझें

सफलता केवल साहस, धैर्य, बुद्धि या भाग्य का परिणाम नहीं होती; वह समय की बदलती धड़कनों को पहचानने और स्वयं को उनके अनुरूप ढालने की कला है। जो व्यक्ति अपने स्वभाव का कैदी बनने के बजाय परिस्थितियों की भाषा पढ़ना सीख लेता है, वही जीवन की हवाओं को अपने पक्ष में मोड़ पाता है। सही समय पर सही रूप में स्वयं को बदलें।

कॉकरोच जनता पार्टी के जंतर-मंतर प्रदर्शन से उपजते महत्वपूर्ण सवाल!

कमलेश पांडे

देश की राजधानी नई दिल्ली स्थित जंतर-मंतर पर कथित कॉकरोच जनता पार्टी द्वारा आयोजित जन-प्रदर्शन केवल एक विरोध-प्रदर्शन नहीं, बल्कि भारतीय राजनीति में उभर रही डिजिटल-युवा राजनीति की अग्नि-परीक्षा भी माना जा सकता है। देखा गया कि अनिबन्धित कॉकरोच जनता पार्टी एक व्यंग्यात्मक, प्रतीकात्मक या सीमांत राजनीतिक संगठन के रूप में जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रही है, जो व्यवस्था-विरोधी संदेश है।

ऐसे प्रदर्शन का वास्तविक राजनीतिक महत्व इस बात पर निर्भर करेगा कि संगठन के मुद्दे क्या हैं, उसके पीछे कितना जनसमर्थन है, और क्या वह प्रतीकात्मक विरोध से आगे बढ़कर कोई ठोस राजनीतिक प्रभाव पैदा कर पाता है। वहीं, इससे जुड़े नेताओं का भावी राजनीतिक मकसद भी केंद्र में सत्तारूढ़ नरेंद्र मोदी सरकार व विभिन्न भाजपा राज्य सरकारों को अपदस्थ करना है। ऐसे में आंदोलनकारियों का लक्ष्य बड़ा है और उनके संसाधन कमतर। ऐसा उनके द्वारा उठाए हुए मुद्दों से प्रतीत होता है। इसलिए कॉकरोच जनता पार्टी% के जंतर-मंतर प्रदर्शन कतिपय महत्वपूर्ण सवाल उपजते हैं, जो निम्नलिखित हैं-

पहला, जंतु-विज्ञान में कॉकरोच को अक्सर ऐसी प्रजाति माना जाता है जो कठिन परिस्थितियों में भी जीवित रहती है। ऐसे में यदि कोई संगठन स्वयं को इस प्रतीक से जोड़ता है, तो वह यह संदेश दे सकता है कि आम जनता तमाम आर्थिक, सामाजिक और प्रशासनिक दबावों के बावजूद संघर्षरत है। वाकई इस आंदोलन की मुख्य मांग, छात्रों से जुड़ी शिक्षा व्यवस्था, परीक्षा सम्बन्धी अनियमितताओं और युवाओं के लिए अधिकाधिक अवसर जुटाने आदि से जुड़ी हुई हैं। लिहाजा जेन-जी का झुकाव जगजाहिर है।

दूसरा, मुख्यधारा की राजनीति पर यह आंदोलन भी एक व्यंग्य मानिंद है, क्योंकि ऐसा नाम पारंपरिक दलों और राजनीतिक संस्कृति पर कटाक्ष का माध्यम बन चुका है। इससे यह संदेश दिया जा रहा है कि स्थापित दल जनता की समस्याओं से दूर हो चुके हैं। वहीं, मीडिया का ध्यान आकर्षित करने की रणनीति के तहत

असामान्य नाम और प्रदर्शन शैली का चयन किया गया है, जो अक्सर मीडिया कवरेज पाने का आसान तरीका बनती है। छोटे या गैर-पंजीकृत संगठन इसी माध्यम से अपनी बात राष्ट्रीय विमर्श में लाने का प्रयास करते हैं।

तीसरा, यह युवा आंदोलन, जन-असंतोष की अभिव्यक्ति है, जो प्रदर्शन के माध्यम से महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार या प्रशासनिक विफलताओं जैसे मुद्दों पर मुखर है। यह व्यापक जन-असंतोष का प्रतीकात्मक रूप माना जा रहा है। इसलिए लोकतांत्रिक स्पेस का उपयोग रणनीति के तौर पर किया जा रहा है, क्योंकि जंतर-मंतर लंबे समय से विभिन्न सामाजिक और राजनीतिक समूहों के विरोध-प्रदर्शनों का केंद्र रहा है। वहां प्रदर्शन करना इस बात का संकेत है कि संगठन लोकतांत्रिक तरीकों से अपनी बात रखना चाहता है।

चौथा, इसी आंदोलन के बहाने अब युवा भी चुनावी राजनीति में प्रवेश की तैयारी कर रहे हों, ताकि सिस्टम के भीतर प्रवेश करके उसे बदला जाए। लिहाजा कई छोटे संगठन पहले आंदोलन और प्रदर्शन के माध्यम से पहचान बनाते हैं, फिर राजनीतिक विस्तार या चुनावी भागीदारी की ओर बढ़ते हैं। तभी तो वहां मौजूद टीन एजर्स बताते हैं कि कॉकरोच जनता पार्टी अभी एक उभरता हुआ, मुख्यतः युवा-आधारित आंदोलन है।

पांचवां, इस युवा आंदोलन अभी तक औपचारिक रूप से किसी बड़े विपक्षी राष्ट्रीय राजनीतिक दल का समर्थन नहीं मिला है, लेकिन कुछ सामाजिक कार्यकर्ताओं, छात्र समूहों और जन-आंदोलन से जुड़े व्यक्तियों का समर्थन जरूर मिला है। इससे आंदोलन कारियों को बल मिला है। सवाल है कि अब तक सीजेपी को किस-किस का समर्थन मिला? तो जवाब होगा कि हाल ही जेल से छूटे लद्दाख के सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक जंतर-मंतर प्रदर्शन में पहुंचे और शिक्षा व्यवस्था से जुड़े मुद्दों पर आंदोलन के साथ खड़े दिखाई दिए। वहीं, विभिन्न छात्र समूहों, ह्श्वश्वज्ञ, क्क्स्ष्ट तथा अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के अभ्यर्थियों ने इसमें भागीदारी की। जबकिं कुछ सामाजिक और नागरिक अधिकार कार्यकर्ताओं ने भी सहानुभूति व्यक्त की।

छठा, जिस तरह से राजनीतिक विश्लेषक योगेंद्र यादव द्वारा आंदोलन के प्रति सकारात्मक रुख प्रदर्शित किया गया है और विपक्षी दलों को युवाओं की चिंताओं पर ध्यान देने की अपील की खबरें विभिन्न मीडिया चर्चाओं में सामने आई हैं, इससे इस आंदोलन को ऊर्जा मिली है। हालांकि वे ष्टछ्वक्क के औपचारिक नेता या सदस्य नहीं हैं।

सातवां, जहां तक आंदोलन की वर्तमान दिशा का सवाल है तो अभी तक ष्टछ्वक्क की मुख्य मांगें हैं- परीक्षा-पत्र लीक और भर्ती अनियमितताओं पर जवाबदेही। केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग। युवाओं में बेरोजगारी और अवसरों की कमी के मुद्दे उठाना, और शिक्षा व्यवस्था में सुधार।

आठवां, जहां तक आंदोलन की संभावित दशा की बात है तो आगे इसकी दिशा तीन तरह से विकसित हो सकती है- एक, यदि यह केवल सोशल मीडिया की नाराजगी तक सीमित रहा, तो इसकी ऊर्जा कुछ समय बाद कम हो सकती है। दो, यदि छात्र संगठनों, अभिभावक समूहों और रोजगार से जुड़े आंदोलनों का व्यापक समर्थन मिला, तो यह राष्ट्रीय युवा आंदोलन का रूप ले सकता है। तीन, यदि आंदोलन स्पष्ट संगठन, नेतृत्व और दीर्घकालिक एजेंडा विकसित कर लेता है, तो यह भविष्य में एक राजनीतिक दबाव समूह या नए राजनीतिक मंच में बदल सकता है।

नौवां, फिलहाल ष्टछ्वक्क को सीधे-सीधे दूसरी संपूर्ण क्रांति या अन्ना आंदोलन कहना जल्दबाज़ी होगी। लेकिन यह स्पष्ट है कि इसने युवाओं की परीक्षा, रोजगार और जवाबदेही संबंधी चिंताओं को राष्ट्रीय बहस के केंद्र में ला दिया है। इसकी सबसे बड़ी ताकत सोशल मीडिया पर युवा समर्थन है, जबकि सबसे बड़ी चुनौती संगठनात्मक ढांचा, नेतृत्व की स्थिरता और दीर्घकालिक रणनीति होगी।

बहरहाल, इस प्रदर्शन का सबसे बड़ा सियासी संदेश यह है कि शिक्षा, रोजगार और युवाओं की आकांक्षाएं फिर से राष्ट्रीय राजनीतिक विमर्श के केंद्र में आने लगी हैं। यदि यह असंतोष व्यापक सामाजिक समर्थन प्राप्त करता है, तो इसका प्रभाव केवल शिक्षा नीति तक सीमित नहीं रहेगा; बल्कि यह भविष्य की चुनावी राजनीति और राजनीतिक नेतृत्व की प्राथमिकताओं को भी प्रभावित कर सकता है।

वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक

'बीबी, जरा संभलकर', इजरायल ने ईरान पर किए हमले तो ट्रंप ने नेतन्याहू को चेताया

नई दिल्ली

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को सावधान रहने के लिए कहा और ईरान के खिलाफ जवाबी हमले रोकने का दबाव भी डाला। अप्रैल में हुए सीजफायर के बाद ईरान ने इजरायल पर हमला किया।

ट्रंप ने कहा कि जब इजरायल ईरान के दर्जनों संवेदनशील ठिकानों पर हमले की तैयारी कर रहा था तब उन्होंने नेतन्याहू को सीधे चेतावनी दी थी। एक्सियोस ने ट्रंप के हवाले से बताया, मैंने कहा कि बीबी तुम्हें सावधान रहना चाहिए वरना बहुत जल्द तुम अकेले पड़ जाओगे।

एक इजरायली सूत्र के अनुसार, इस बातचीत के बाद नेतन्याहू पीछे हटने को तैयार हो गए, बशर्ते ईरान आगे कोई हमला न करे। यह दखल तब हुआ जब इजरायल और ईरान के बीच फिर से गोलीबारी हुई। दो महीने पहले सीजफायर शुरू होने के बाद यह पहली बार था कि दोनों देशों ने एक दूसरे पर हमले किए। ईरान ने रविवार को इजरायल पर मिसाइलों की बौछार की, जिसके जवाब में इजरायल ने पश्चिमी और मध्य ईरान में सैन्य ठिकानों पर हमले किए।

सोमवार तक दोनों पक्षों ने लड़ाई रोकने का संकेत दे दिया था। ईरान ने कहा कि वह हमले रोक देगा और इसके बाद नेतन्याहू ने घोषणा की कि इजरायली हमले फिलहाल रोक दिए जाएंगे। बाद में ट्रंप ने कहा कि उन्होंने नेतन्याहू को सीधा आदेश देने के बजाय उनकी समझदारी पर भरोसा करते हुए उनसे अपील की थी।

ईरान के साथ चल रही बातचीत का जिक्र करते हुए ट्रंप ने कहा, मैंने बस इतना कहा कि हमें समझदारी से काम लेना होगा। हम एक बहुत मजबूत और बहुत अच्छे समझौते पर हस्ताक्षर करने के बहुत करीब हैं। बीबीसी ने ट्रंप के हवाले से यह जानकारी दी। ट्रंप के मुताबिक, इस इलाके के कई देशों ने अमेरिकी दखल की मांग करते हुए वॉशिंगटन से संपर्क किया था। उन्होंने कहा, ये देश बहुत चिंतित थे। उन्हें वह डील पसंद है जिस पर हम बातचीत कर रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, उनके प्रशासन को ईरान से भी संदेश मिले थे जिनमें कहा गया था कि अगर इजरायल हमला करना बंद कर दे तो वे भी ऐसा ही करेंगे।

ट्रंप ने कहा कि इजरायल ने अपनी जवाबी कार्रवाई के बारे में बहुत कम समय पहले ही जानकारी दी थी। ट्रंप ने कहा, वे पहले ही कार्रवाई के लिए निकल चुके थे। लेकिन आखिरकार मैंने (इजरायली हमले) को सीमित करवा दिया। एक इजरायली अधिकारी ने पुष्टि की कि संभावित लक्ष्यों पर सहमति बनाने के लिए नेतन्याहू और इजरायल के वरिष्ठ अधिकारियों ने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो से भी बातचीत की थी। दोनों पक्षों के सूत्रों ने बताया कि नेतन्याहू के साथ ट्रंप की हालिया बातचीत कुछ दिन पहले हुई बातचीत के मुकाबले काफी शांत थी। एक अमेरिकी अधिकारी ने हालिया बातचीत को विनम्र बताया, जबकि दूसरे ने कहा कि किसी ने भी चिल्लाकर बात नहीं की। बातचीत के दौरान, नेतन्याहू ने तर्क दिया कि ईरान के मिसाइल हमले का जवाब न देने से इजरायल और अमेरिका दोनों की साख कमजोर होगी। एक इजरायली सूत्र का हवाला देते हुए बताया कि उनका मानना था कि कोई कदम न उठाने से यह संदेश जाएगा कि ईरान दोनों में से किसी भी देश की सैन्य कार्रवाई को रोक सकता है।

हालांकि ट्रंप ने साफ कर दिया कि वे इजरायल की ओर से किसी बड़े जवाबी हमले के पक्ष में नहीं हैं, लेकिन अधिकारियों का कहना है कि इस संदेश में हमले पर साफ तौर पर रोक नहीं लगाई गई थी।

आतंकवाद और दुष्प्रचार को लेकर सुनाई खरी-खोटी

वाशिंगटन

भारत ने सोमवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में पाकिस्तान को फिर खूब खरी-खोटी सुनाई। उसके झूठ, पाखंड और आतंक को पालने-पोसने के दोगलेपन को उजागर किया।

भारत ने पाकिस्तान के उस फैसले की कड़ी निंदा की जिसमें उसने अपनी सीमा के अंदर मौजूद समूहों को %फिल्ला अल हिंदुस्तान कहा है। भारत ने कहा कि यह झूठ और दुष्प्रचार है। पाक सरकार द्वारा फेक नैरेटिव फैलाया जा रहा है।

यूएन में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत हरीश पर्वथानेनी ने अफगानिस्तान में हालात पर सुरक्षा परिषद की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि पाकिस्तानी का सरकारी आदेश जारी करके अपनी सरकारी एजेंसियों को अपनी सीमा के भीतर मौजूद समूहों को फिल्ला-अल-हिंदुस्तान कहने का निर्देश देना धार्मिक शब्दावली की आड़ में सरकारी तौर पर फैलाई जा रही गलत जानकारी और दुष्प्रचार के अलावा और कुछ नहीं है।

पाकिस्तानी मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले साल पाकिस्तान सरकार ने बलूचिस्तान प्रांत में सक्रिय सभी आतंकी समूहों और संगठनों को आधिकारिक तौर पर फिल्ला-अल-हिंदुस्तान करार दिया था। सरकार ने बिना कोई सुबूत दिए आरोप लगाया था कि ये संगठन भारत के इशारे पर आतंकवाद फैलाते हैं। भारत का कहना है कि हकीकत यह है कि पाक खुद आतंक को पालने-पोसने वाला है और भारत पर अनर्गल आरोप लगाता है।

जोजिला सुरंग का काम पूरा, बालटाल और लद्दाख के मिनीमर्ग आपस में जुड़े

श्रीनगर, (वार्ता)। श्रीनगर-लेह राजमार्ग पर रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण जोजिला सुरंग परियोजना ने मंगलवार को एक ऐतिहासिक मील का पत्थर हासिल किया जब मुख्य सुरंग की खुदाई का काम पूरा होने के बाद पहली बार कश्मीर के बालटाल और लद्दाख के मिनीमर्ग के दोनों छोर आपस में जुड़ गये। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने मिनीमर्ग में पूर्वी प्रवेश-द्वार के पास अंतिम विस्फोट करने के लिये एक रिमोट का बटन दबाया, जिसके साथ ही सुरंग के दोनों छोर आधिकारिक तौर पर जुड़ गये और इसके साथ ही यह उपलब्धि भारत के बुनियादी ढांचा क्षेत्र के इतिहास में दर्ज हो गयी। इस समारोह में जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला भी उपस्थित थे। इस परियोजना को भारत की तकनीकी शक्ति, इंजीनियरिंग क्षमता और अदम्य संकल्प का प्रतीक बताते हुये श्री गडकरी ने कहा कि यह सुरंग इस क्षेत्र को हर मौसम में संपर्क सुनिश्चित कर लद्दाख और जम्मू-कश्मीर के लिये एक जीवनरेखा बनेगी। परियोजना से जुड़े अधिकारियों, इंजीनियरों, मजदूरों और श्रमिकों को संबोधित करते हुये श्री गडकरी ने कहा, यह भारत के बुनियादी ढांचे के विकास का एक स्वर्णिम काल है। करीब 14 किलोमीटर लंबी यह सुरंग अत्याधुनिक है और विश्वस्तरीय सुरक्षा मानकों के अनुसार बनाई गयी है। श्री गडकरी ने कहा कि बरसों पहले भाजपा अध्यक्ष के रूप में लद्दाख की अपनी पहली यात्रा के दौरान लोगों ने उन्हें बताया था कि भारी हिमपात के कारण जोजिला दर्रा हर साल लगभग छह महीने बंद रहता है, जिससे लद्दाख का संपर्क कट जाता है। उन्होंने कहा, मैंने लद्दाख के लोगों की कठिनाइयों को महसूस किया और इस सुरंग के महत्व को समझा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 में सरकार गठन के बाद बुनियादी ढांचे के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी थी। केंद्रीय मंत्री ने कहा, आकार लेने से पहले इस परियोजना को बार-बार देरी का सामना करना पड़ा था। टेंडर पहले चार बार मंजूर हो चुका था, लेकिन कोई फैसला नहीं लिया गया। जब अनुमानित लागत 12,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गयी, तो मैंने प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किये। आज मुझे खुशी है कि इतने बड़े पैमाने पर काम होने के बावजूद, हम लगभग 5,000 करोड़ रुपये बचायेंगे। उन्होंने इस सुरंग को महज एक बुनियादी ढांचा परियोजना नहीं बल्कि एक जीवनरेखा और नये भारत की तकनीकी उत्कृष्टता का एक उदाहरण बताया। केंद्रीय मंत्री ने स्थानीय मजदूरों के योगदान की भी सराहना करते हुये कहा कि निर्माण में शामिल लगभग 80 प्रतिशत कार्यबल इसी क्षेत्र से था। उन्होंने दुनिया के सबसे कठिन इलाकों में से एक में अथक परिश्रम करने के लिये जम्मू-कश्मीर प्रशासन, एनएचआईडीसीएल के अधिकारियों, इंजीनियरों, सलाहकारों और निर्माण एजेंसियों को धन्यवाद दिया।

अधिकारियों ने कहा कि इस सफलता के साथ ही 13.15 किलोमीटर लंबी सुरंग का महत्वपूर्ण खुदाई चरण पूरा हो गया है।

इजरायल के हमले में मारे गए ईरान के दो सैनिक

तेहरान। मिडिल ईस्ट इस वक्त बारूद के ऐसे ढेर पर बैठा है, जहां एक छोटी सी चिंगारी भी वैश्विक तबाही का सबब बन सकती है। इसी बीच सोमवार को इजरायल ने ईरान की संप्रभुता को तार-तार करते हुए उसके सीने पर भीषण हवाई हमला बोल दिया। इस आक्रामक प्रहार में ईरान की वायु सेना (एयर डिफेंस) के दो जवान मारे गए। ईरानी सेना ने इस हमले की पुष्टि करते हुए बयान जारी कर बताया है कि सोमवार को हुए इजरायली हमले में मारे गए वायु सेना (एयर डिफेंस) के दो जवानों का मंगलवार को तेहरान में राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया जाएगा।

ईरान के साथ दो-तीन दिन में समझौता होने की संभावना : ट्रंप

न्यूयॉर्क, (वार्ता)

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि ईरान और इजरायल दोनों एक-दूसरे पर हमला नहीं करने पर सहमत हो गये हैं तथा अगले दो-तीन दिनों में ईरान के साथ समझौता होने की संभावना है। उन्होंने यह भी कहा कि समझौते पर हस्ताक्षर होते ही होर्मुज जलडमरूमध्य को तत्काल खोल दिया जाएगा।

श्री ट्रंप ने संवाददाताओं से कहा, हम एक बहुत अच्छे समझौते के अंतिम चरण में हैं, जो किसी भी रूप में परमाणु हथियारों की अनुमति नहीं देगा। समझौते पर हस्ताक्षर होते ही होर्मुज जलडमरूमध्य तुरंत खोल दिया जाएगा। यह दो या तीन दिनों में हो सकता है। उन्होंने बताया कि इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजमिन नेतन्याहू से उनकी बातचीत हुई है। श्री ट्रंप ने कहा, उन्हें (ईरान ने) निशाना बनाया और उन्होंने जवाबी हमला किया। इसके लिए मैं उन्हें दोष नहीं दे सकता। अब दोनों ने इसे यहीं रोकने का फैसला किया है। वे कम से कम अगले एक सप्ताह तक एक-दूसरे को अकेला छोड़ देंगे। मेरी मध्यस्थता में दोनों पक्ष हमले रोकने पर सहमत हुए हैं।

श्री ट्रंप ने ईरान के साथ बातचीत पर कहा कि अमेरिका चाहे तो कई सप्ताह तक ईरान पर बमबारी कर सकता है, लेकिन

उससे वहां कुछ नहीं बचेगा और भारी जनहानि होगी। उन्होंने दावा किया कि दोनों पक्ष एक मजबूत और प्रभावशाली समझौते के बेहद करीब हैं।

उन्होंने कहा, हम यह काम एक घंटे में भी कर सकते हैं। मुझे नहीं लगता कि कोई बड़ा अड़ंगा बचा है। हम एक अच्छे, मजबूत और प्रभावशाली समझौते के बहुत करीब हैं। अगर हम बमबारी करें, जो हम आसानी से कर सकते हैं, और दो-तीन सप्ताह तक हमले जारी रखें, तो वहां कुछ भी नहीं बचेगा। लेकिन फिर होर्मुज जलडमरूमध्य कई महीनों तक नहीं खुलेगा। बमबारी में बहुत लोग मारे जाएंगे। ऐसा कौन चाहता है? मैं तो नहीं चाहता।

श्री ट्रंप ने कहा कि किसी सैन्य कार्रवाई की तुलना में हस्ताक्षरित समझौता अधिक प्रभावी होगा। उन्होंने दावा किया कि नाकेबंदी ने बमबारी से अधिक असर दिखाया है। उन्होंने कहा, नाकेबंदी बमबारी से कहीं अधिक शक्तिशाली साबित हुई है। ईरान की अर्थव्यवस्था भारी दबाव में है और आखिरकार वह समझौता करेगा। एक सवाल के जवाब में कि क्या उन्होंने श्री नेतन्याहू से ईरान पर हमले रोकने को कहा था, श्री ट्रंप ने कहा, नहीं। मैंने उनसे कहा कि जो सही लगे वह करें, लेकिन जितनी जल्दी हो सके स्थिति को शांत करें। इसका संबंध लेबनान से भी है और यह सिलसिला रुकना चाहिए।

37 लोगों की मौत और 32000 बेघर... 50 साल पहले वाली तबाही

मनीला

दक्षिणी फिलीपींस में सोमवार सुबह आए 7.8 तीव्रता के विनाशकारी भूकंप ने भारी तबाही मचाई है। बचाव दल मंगलवार को मलबे में फंसे लोगों की तलाश में जुटे हुए हैं। इस भीषण भूकंप में कम से कम 37 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि 32,000 से अधिक लोग बेघर हो गए हैं। यह पिछले 50 वर्षों में देश में आए सबसे शक्तिशाली भूकंपों में शामिल है।

भूकंप के केंद्र के पास वाले दक्षिणी प्रांतों में बचाव कार्य तेज कर दिया गया है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार चार लोग लापता हैं, लेकिन सिविल डिफेंस

ऑफिस का कहना है कि क्षतिग्रस्त इमारतों की पूरी तलाशी ली जाएगी। लगभग 500 लोग घायल हुए हैं और अधिकांश बेघर लोग इमरजेंसी शेल्टरों में शरण लिए हुए हैं। जनरल सैंटोस शहर, जो देश की टूना राजधानी के नाम से जाना जाता है और जहां 7 लाख से अधिक आबादी है, बुरी तरह प्रभावित हुआ है। यहां मलबे के नीचे दबने से कम से कम 13 लोगों की जान गई। सरंगानी प्रांत में 18 मौतें दर्ज की गईं, जिनमें से ज्यादातर ग्लान शहर में भूस्खलन के कारण हुईं। साउथ कोटाबाटो, दावाओ ऑक्सीडेंटल और बालुत द्वीप पर भी अन्य मौतें हुईं।सरकारी आकलन के मुताबिक कई राज्यों में करीब 2,500 घर और 117 सरकारी इमारतों को नुकसान पहुंचा है। जनरल सैंटोस का अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा दूसरे दिन भी बंद रहा, जिससे 63 घरेलू उड़ानें रद करनी पड़ीं। करीब 6,000 सरकारी स्कूल इमारतों की जांच की जा रही है है। भूकंप उस समय आया जब गर्मी की छुट्टियों के बाद स्कूल खुलने का पहला दिन था। कई घायल छात्र सुबह झंडा फहराने के लिए इकट्ठा हुए थे। भूकंप का केंद्र समुद्र में 33 किलोमीटर की गहराई पर था, सरंगानी प्रांत के मासिम शहर से 32 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में था। फिलीपींस इंस्टीट्यूट ऑफ वोल्केनोलॉजी एंड सीस्मोलॉजी के निदेशक टेरेसिटो बाकोलकोल ने बताया कि यह कोटाबाटो ट्रेंच में हलचल के कारण आया है। यह 17 अगस्त 1976 के 8.1 तीव्रता वाले भूकंप के बाद सबसे शक्तिशाली था, जिसमें सुनामी से करीब 8,000 लोगों की मौत हुई थी।

34वीं मंजिल पर खरीदा फ्लैट, पता चला बिल्डिंग ही 32 फ्लोर की, चीन में अजीबोगरीब ठगी

नई दिल्ली । चीन में सामने आया एक हैरान कर देने वाला मामला हर घर खरीदार को सतर्क करने वाला है। चीन के शानक्सी प्रांत के शीआन के पास एक गांव में 2013 में शेन उपनाम वाले शख्स ने 34वीं मंजिल पर 90 वर्ग मीटर का अपार्टमेंट खरीदा था, लेकिन असल में वह अपार्टमेंट बना ही नहीं, क्योंकि वह इमारत केवल 32 मंजिला थी। साउथ चाइना मार्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, कई साल बाद उसे पता चला कि वह रियल एस्टेट ठगी का शिकार हो गया था, लेकिन तब तक देर हो चुकी थी। उसे पैसे भी गंवाने पड़े और फ्लैट खरीदने का सपना भी सपना ही रह गया।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

रामायणम में मंदोदरी बनीं काजल अग्रवाल ने की फिल्म की तारीफ

निर्देशक नितेश तिवारी की महत्वाकांक्षी और बहुप्रतीक्षित फिल्म रामायण अपनी घोषणा के बाद से ही लगातार सुर्खियों में बनी हुई है। हाल ही में रिलीज हुए फिल्म के शानदार टीज़र ने रणबीर कपूर को भगवान राम और रॉकिंग स्टार यश को रावण के रूप में दिखाकर दर्शकों के रोंगटे खड़े कर दिए थे। अब इस महाकाव्य फिल्म में मंदोदरी का अहम किरदार निभा रहीं दिग्गज अभिनेत्री काजल अग्रवाल ने फिल्म के भव्य स्वरूप और इसकी मेकिंग को लेकर बड़े खुलासे किए हैं। वैरायटी इंडिया की एक रिपोर्ट के मुताबिक, काजल अग्रवाल ने साझा किया कि रामायण पर काम करने का उनका अनुभव उनके करियर के अब तक के सभी प्रोजेक्ट्स की तुलना में बिल्कुल अलग और अनोखा रहा है। काजल ने फ़िल्म पर काम करने के बारे में खुलकर बात की और कहा कि फ़िल्म बनाने की तकनीक और इस प्रोजेक्ट से जुड़ी भावनाएँ पूरी टीम के लिए बहुत खास हैं। काजल ने कहा, यह बिल्कुल नया अनुभव था क्योंकि फ़िल्म में अद्भुत तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। भारत में ऐसी फ़िल्म पहले कभी नहीं बनी है। कलाकार के तौर पर हम भी पहली बार ऐसा कुछ कर रहे हैं। यह हमारे देश की अपनी कहानी है, इसलिए यह हमारे दिल के बहुत करीब है।काजल अग्रवाल रामायण फ़िल्म में रावण की पत्नी मंदोदरी का किरदार निभा रही हैं। उनकी बातों ने फ़िल्म को लेकर दर्शकों की उत्सुकता और बढ़ा दी है। इसे भारतीय सिनेमा के इतिहास की सबसे बड़ी फ़िल्मों में से एक माना जा रहा है। यह फ़िल्म दो भागों में बन रही है और इसे अब तक की सबसे महंगी भारतीय फ़िल्म माना जा रहा है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, रामायण के दोनों भागों की प्रोडक्शन लागत लगभग 4,000 करोड़ रुपये होने का अनुमान है। इस बजट के साथ, यह दुनिया की सबसे महंगी फ़िल्मों की सूची में शामिल हो गई है। फ़िल्म के प्रोड्यूसर नमित मल्होत्रा का कहना है कि इस फ़िल्म को द लॉर्ड ऑफ़ द रिंग्स और अवतार जैसी बड़ी हॉलीवुड फ़िल्मों को टक्कर देने के लिए बनाया जा रहा है, ताकि इसे वैश्विक स्तर पर पसंद किया जा सके।

पार्श्वगायक बनना चाहते थे राज खोसला

हिंदी सिनेमा के प्रसिद्ध निर्माता-निर्देशक राज खोसला ने अपनी फिल्मों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया, कभी फिल्म निर्देशक नहीं बल्कि पार्श्वगायक बनने का सपना देखा करते थे।31 मई 1925 को लुधियाना में जन्मे राज खोसला का बचपन से ही संगीत और गायन की ओर विशेष रुझान था। उन्होंने आकाशवाणी में उद्घोषक और पार्श्वगायक के रूप में भी काम किया। महज 19 वर्ष की आयु में पार्श्वगायक बनने की इच्छा लेकर वह मुंबई पहुंचे। मुंबई आने के बाद उन्होंने रंजीत स्टूडियो में स्वर परीक्षण दिया, जिसमें वह सफल भी रहे, लेकिन स्टूडियो के मालिक सरदार चंदूलाल शाह ने उन्हें गायक के रूप में अवसर नहीं दिया। उस समय स्टूडियो की आर्थिक स्थिति कमजोर थी और उन्हें नए गायक की अपेक्षा मुकेश पर अधिक भरोसा था।

फिल्म जगत में संघर्ष के दौरान उनके पारिवारिक मित्र और अभिनेता देव आनंद ने उन्हें अपनी फिल्म बाजी में गुरुदत्त के सहायक निर्देशक के रूप में काम करने का अवसर दिलाया। वर्ष 1954 में उन्हें स्वतंत्र निर्देशक के रूप में मिलाप के निर्देशन का मौका मिला। देव आनंद और गीता बाली अभिनीत इस फिल्म की सफलता ने उन्हें निर्देशक के रूप में पहचान दिलाई।

वर्ष 1956 में निर्देशित उनकी फिल्म सी.आई.डी. ने बड़ी सफलता हासिल की। फिल्म की सिल्वर जुबली पर गुरुदत्त ने राज खोसला को नई कार भेंट की थी। इसके बाद भी गुरुदत्त उन्हें अपनी फिल्मों के निर्देशन की जिम्मेदारी देना चाहते थे, लेकिन राज खोसला ने स्वतंत्र पहचान बनाने की इच्छा से विनम्रतापूर्वक मना कर दिया।

वर्ष 1958 में उन्होंने नवकेतन बैनर की सोलहवां साल का निर्देशन किया। इसके बाद काला पानी ने भी सफलता हासिल की। वर्ष 1960 में उन्होंने निर्माता के रूप में बंबई का बाबू का निर्माण किया, जिसमें सुचित्रा सेन को हिंदी सिनेमा में प्रस्तुत किया गया।

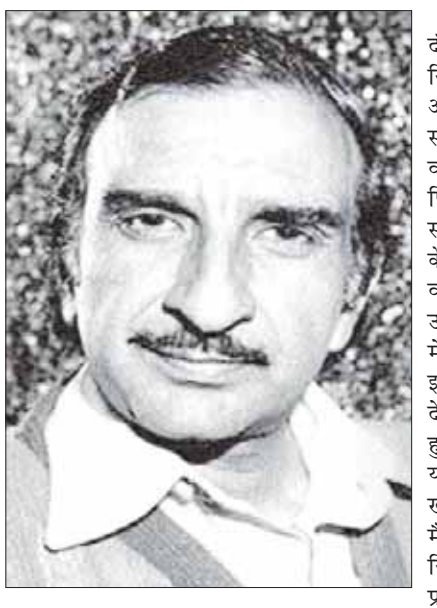

आर्थिक कठिनाइयों के दौर के बाद उन्हें एक मुसाफिर एक हसीना के निर्देशन का अवसर मिला। फिल्म की कहानी और प्रस्तुति को लेकर उनकी सोच सही साबित हुई और फिल्म बाद में सुपरहिट रही। वर्ष 1964 में उनकी रहस्य-रोमांच प्रधान फिल्म वह कौन थी प्रदर्शित हुई। फिल्म में साधना की रहस्यमयी छवि और राज खोसला के निर्देशन ने दर्शकों को खूब प्रभावित किया। वर्ष 1967 में निर्मित अनिता की असफलता ने उन्हें गहरा आघात पहुंचाया, लेकिन वर्ष 1969 में आई चिराग ने उन्हें फिर सफलता दिलाई। इसके बाद वर्ष 1971 में प्रदर्शित मेरा गांव मेरा देश उनकी सबसे चर्चित फिल्मों में शामिल हुई, जिसमें विनोद खन्ना ने खलनायक की यादगार भूमिका निभाई। वर्ष 1978 में राज खोसला ने पारिवारिक पृष्ठभूमि पर आधारित मैं तुलसी तेरे आंगन की का निर्माण किया, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा। वर्ष 1980 में प्रदर्शित दोस्ताना उनके करियर की अंतिम बड़ी सुपरहिट फिल्म साबित हुई। इस फिल्म में अमिताभ बच्चन, शत्रुघ्न सिन्हा और जीनत अमान ने मुख्य भूमिकाएं निभाईं।

अस्सी के दशक में उनकी कई फिल्में व्यावसायिक रूप से सफल नहीं रहीं, जिनमें दासी, तेरी मांग सितारों से भर दूं, मेरा दोस्त मेरा दुश्मन और माटी मांगे खून प्रमुख हैं। वर्ष 1984 में आई सन्नी ने औसत सफलता प्राप्त की, जबकि वर्ष 1989 में प्रदर्शित नाकाब उनके करियर की अंतिम फिल्म साबित हुई। लगभग चार दशकों तक अपने सशक्त निर्देशन और यादगार फिल्मों से दर्शकों का मनोरंजन करने वाले राज खोसला ने 09 जून 1991 को इस दुनिया को अलविदा कह दिया।

नगरीय निकाय कर्मचारियों की वर्षों पुरानी समस्याओं पर फिर उठी आवाज, मुख्यमंत्री से किया समाधान का आग्रह

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)।

मध्यप्रदेश की नगरीय निकायों में कार्यरत दैनिक वेतनभोगी, विनियमित कर्मचारी, सामुदायिक संगठक एवं अन्य कर्मचारियों की लंबित समस्याओं को लेकर अटल नगरीय निकाय अधिकारी-कर्मचारी कल्याण संघ ने मुख्यमंत्री, एवं पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री एवं नगरीय प्रशासन विकास मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर त्वरित समाधान की मांग की है।संघ के प्रदेश संरक्षक एवं पूर्व मंत्री जालम सिंह पटेल तथा भाजपा जिला अध्यक्ष रामस्नेही पाठक को प्रस्तुत ज्ञापन में कहा गया है कि प्रदेश की नगरीय निकायों में हजारों कर्मचारी पिछले 10 से 25 वर्षों से सेवाएं दे रहे हैं, लेकिन आज भी उन्हें नियमितीकरण, वेतनमान और अन्य सुविधाओं का लाभ नहीं मिल पाया है।ज्ञापन में प्रमुख रूप से मांग की गई है कि वर्ष 2007 के बाद से कार्यरत दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों एवं श्रमिकों का शीघ्र नियमितीकरण किया जाए तथा निकाय कर्मचारियों के वेतन का भुगतान प्रत्येक माह के प्रथम सप्ताह में सुनिश्चित किया जाए।इसके अलावा 20 से 25 वर्षों से कार्यरत सामुदायिक संगठकों को नियमित कर संविदा नीति के तहत लेवल-8 का वेतनमान देने, नगरीय निकायों को शासन से प्राप्त चुंगी क्षतिपूर्ति राशि में कटौती बंद करने तथा राशि बढ़ाने की मांग सहित माह की एक तारीख को वेतन भुगतान की मांग भी उठाई गई है।

ज्ञापन में यह भी कहा गया है कि नगर निगम, नगर पालिका और नगर परिषदों में कार्यरत पंचायत कर्मचारियों (रोजगार सहायक) का संविलियन किया जाए और प्रक्रिया पूर्ण होने तक उन्हें 18 हजार रुपये प्रतिमाह मानदेय दिया जाए।संघ ने चेतावनी भरे अंदाज में कहा है कि यदि कर्मचारियों की वर्षों पुरानी समस्याओं का जल्द निराकरण नहीं किया गया तो प्रदेशभर में कर्मचारियों के बीच असंतोष बढ़ सकता है। संगठन ने सरकार से कर्मचारी हित में शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेने की मांग करते हुए कहा कि कर्मचारियों के अधिकारों की अनदेखी अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी।11 सूत्रीय मांगों को लेकर नगरीय निकाय कर्मचारियों ने उठाई आवाज, सरकार से की त्वरित कार्रवाई की मांग- संघ का कहना है कि वर्षों से सेवा दे रहे हजारों कर्मचारी आज भी नियमितीकरण, वेतनमान, अनुकंपा नियुक्ति और सामाजिक सुरक्षा जैसी मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं। ज्ञापन में वर्ष 2007 से पूर्व स्थायी किए गए कर्मचारियों को नवीन पद सृजित कर नियमित करने तथा सातवें वेतनमान का लाभ देने की मांग प्रमुखता से उठाई गई है। वहीं अल्प वेतन कर्मचारियों और सेवानिवृत्त कर्मियों को आयुष्मान कार्ड का लाभ देने की भी मांग की गई है।संघ ने संविलियन कर्मचारियों, दैनिक वेतनभोगियों और सामुदायिक संगठकों की मृत्यु के बाद उनके आश्रितों को अनुकंपा नियुक्ति देने तथा निकायों में पहले

से अनुकंपा नियुक्त कर्मचारियों को नियुक्ति तिथि से इंक्रीमेंट का लाभ प्रदान करने की मांग की है।ज्ञापन में सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों का हवाला देते हुए 10 वर्ष की सेवा पूरी कर चुके कर्मचारियों को नियमित करने की मांग भी रखी गई है। साथ ही केंद्र सरकार द्वारा लागू न्यूनतम वेतन और वर्ष 2024 से लंबित वेतन पुनरीक्षण के एरियर्स का भुगतान नगरीय निकाय कर्मचारियों को किए जाने की मांग की गई।संघ ने वर्ष 2005 के बाद नियुक्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सेवानिवृत्ति अथवा मृत्यु उपरांत उपादान (ग्रेच्युटी) राशि के भुगतान के लिए स्पष्ट नियोक्ता निर्धारित करने की आवश्यकता भी बताई है।संघ पदाधिकारियों ने कहा कि कर्मचारियों की ये मांगें लंबे समय से लंबित हैं और इनके निराकरण में हो रही देरी से कर्मचारियों में असंतोष बढ़ रहा है। उन्होंने सरकार से कर्मचारी हित में तत्काल निर्णय लेकर समस्याओं का समाधान करने की मांग की है। वर्षों से सेवा दे रहे कर्मचारियों को अब सिर्फ आश्वासन नहीं, अधिकार चाहिए। इसी संदेश के साथ संघ ने शासन से शीघ्र कार्रवाई की अपेक्षा जताई है। कार्यक्रम का शुभारंभ स्थान देव श्री नरसिंह जी व मां सरस्वती जी की पूजन अर्चन अतिथियों के द्वारा किया गया।अतिथियों का स्वागत उद्बोधन श्री मुकेश शर्मा दै.वे.भो.कर्मचारी ने किया ,संगठन के प्रदेश अध्यक्ष श्री के एल राय जी ने नये संगठन की आवश्यकता,गठन , कार्यशैली,व संगठन की कोष पारदर्शिता सहित संरचना पर प्रकाश डालते हुए श्रम मंत्रालय द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री कार्यकाल से पेंडिंग पड़े न्यूनतम वेतनमान पुनरीक्षण माननीय श्रम मंत्री श्री प्रहलाद पटेल जी को सौंप गए ज्ञापन पर प्रति श्रमिक डेढ़ हजार रुपए वृद्धि को बताया और भविष्य में होने वाले पुनरीक्षण में केन्द्र के समान वेतन व सुविधाएं उपलब्ध करायें जाने की मांग की। आपने कहा कि संगठन को होने वाली आय क्यूआर कोड के माध्यम से ही संगठन खाते में जमा होगी और खर्च का बुरा सार्वजनिक किया जाएगा। संगठन की आय व्यय का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया जिसे कर्मचारियों व मंचाशीन अतिथियों ने अनुमोदन किया।संगठन के छिंदवाड़ा जिला अध्यक्ष श्री प्रीतमसिंह चौरया ने कर्मचारी की समस्याओं व मांगों पर प्रकाश डालते हुए शीघ्र निराकरण करनेकी माग की । कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि संगठन संरक्षक श्री जालम सिंह पटेल पूर्व राज्य मंत्री , मुख्य अतिथि श्री राम सनेही पाठक भाजपा जिलाध्यक्ष अध्यक्ष, विशेष अतिथि स्थानीय नगर पालिका अध्यक्ष श्री नीरज दुबे व पूर्व जिलाध्यक्ष तृतीय श्रेणी कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष श्री थम्मन शर्मा सहित भाजपा संगठन महामंत्री श्री सुरेन्द्र मोहन नेमा व जिला अध्यक्ष एस सी एस टी मोर्चा श्री कमल खटीक व संगठन सलाहकार श्री दीप नारायण मिश्रा सहित पत्रकार बंधुओं की गरिमामय उपस्थिति रही।आचार्य थम्मन शर्मा ने कहा कि सत्ता के लाल पीले हरे झंडे के हिसाब से संगठन तो तैयार कर लिया जाता है किन्तु आवश्यकता है संगठित होकर कर्मचारी हित में कार्य करने की।आपने कहा कि संगठन को एक मजबूत नेतृत्व जालम सिंह पटैल के रूप में निस्वार्थ सेवा भावी न्याय प्रिय और क्षमतावान संरक्षक मिला है , संगठन को उद्देश्य की सफलता मिलेगी इसमें संदेह नहीं।आपने कोरोना काल जैसे आपदाकारी समय में सेवाएं प्रदान करने वाले व अस्थाई कार्यरत कर्मचारियों की उपेक्षा को दोहरा मापदंड अपनाने के लिए शासन को जिम्मेदार बताया और एक नीति निर्धारण कर कर्मचारियों को नियमित किये जाने शासन का ध्यान आकर्षित किया। विशेष अतिथि नरसिंहपुर नगरपालिका अध्यक्ष नीरज महाराज ने संगठन के विस्तार को प्राथमिकता दी,और एक वर्ष में संगठन की वर्तमान उपस्थित संख्या को संगठन की उपलब्धी बताया। मुख्य अतिथि श्री राम सनेही पाठक ने कर्मचारियों की न्याय संगत मांगों को शासन स्तर से हल कराने के लिए हर संभव मदद करने भरोसा दिलाया। विशिष्ट अतिथि व संघ के प्रदेश संरक्षक पूर्व राज्य मंत्री श्री जालम सिंह पटेल ने कर्मचारियों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए माह दो माह में समस्यायों को ग्रामीण एवं पंचायत व श्रम मंत्री के समक्ष रखकर हल करवाने का आश्वासन दिया और संगठन को मजबूत बनाने पर जोर दिया। प्रदेश से नरसिंहपुर जिले में कार्यक्रम में शामिल हुए सभी कर्मचारियों का आभार भी व्यक्त किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से श्री चन्दमणि तिवारी जिला अनूपपुर, श्री आशारामजी मेहर जिलानर्मदापुरम व दीपक भट्टाचार्य सहित जिला अध्यक्ष,व इकाई अध्यक्ष व पदाधिकारी उपस्थित रहे। नरसिंहपुर इकाई अध्यक्ष श्री मधु नेमा व निकाय कर्मचारियों ने व्यवस्था संचालन किया। इकाई अध्यक्ष ने सभी अतिथियों व कार्यक्रम में शामिल सभी का आभार व्यक्त किया।

श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ आयोजन हेतु काया द्वारा प्रमुख मातृशक्तियों को व्यास पीठ से धर्म ध्वज वाहिका सम्मान प्रदान किया गया

- अग्रणी महिला संगठनों का प्रतिनिधित्व करने वाली समाजसेविकाएं हुई अलंकृत
- पंडित संतोष रामशंकर महाराज और काया परिवार ने सनातन संस्कृति के संरक्षण हेतु जताया आभार

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)। संस्कारधानी नगरी में पुरुषोत्तम मास के पावन उपलक्ष्य में आयोजित सात दिवसीय भव्य श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का समापन अत्यंत गरिमामयी और भावपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। इस ऐतिहासिक अनुष्ठान की पूर्णाहूति के अवसर पर, स्थानीय तुलसी मानस भवन (सदर मढिया) में नगर के विभिन्न सामाजिक, धार्मिक और वैचारिक महिला संगठनों का गौरवपूर्ण प्रतिनिधित्व करने वाली आयोजन मंडल की प्रमुख मातृशक्तियों को व्यास पीठ के सम्मुख प्रतिष्ठित धर्म ध्वज वाहिका सम्मान - 202 से अलंकृत किया गया। कथा वाचक श्रद्धेय पंडित संतोष रामशंकर जी महाराज के पावन सानिध्य में, काया जनकल्याण समिति द्वारा आयोजन मंडल की इन प्रमुख देवियों को राधे-राधे नाम वाली चुनरी, स्मृति चिन्ह व सम्मान पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया। महाराज जी ने इस अवसर पर कहा कि नरसिंहपुर की इन धर्म ध्वज वाहिकाओं ने भीषण गर्मी के बाद भी जिस एकजुटता, सेवा भाव और बेजोड़ संगठन क्षमता से इस विशाल धर्म-यज्ञ को सफल बनाया है, वह संपूर्ण समाज के लिए प्रेरणादायी है। इन महिलाओं ने समाज में सनातन संस्कारों की ज्योति जलाई है और भावी पीढ़ी को मार्ग दिखाया है। आयोजन समिति की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, इस गरिमामयी मंच पर नगर के विभिन्न महिला मोर्चों और सामाजिक संगठनों का नेतृत्व करने वाली प्रमुख समाजसेविकाओं का सम्मान किया गया। इसमें मुख्य रूप से श्रीमती सुमनलता पटेल, श्रीमती संध्या कोठारी, श्रीमती विवेक पांडेय, श्रीमती सरला पांडेय, श्रीमती अरुणा दुबे, श्रीमती ज्योति चौहान, श्रीमती कविता दुबे तथा श्रीमती निशा सोनी सम्मिलित रहीं। इसी क्रम में धर्म और सेवा कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाने वाली श्रीमती नीरा बुधौलिया, श्रीमती रचना त्रिवेदी, श्रीमती स्वाति जायसवाल, श्रीमती शिखा साहू, श्रीमती मंजू श्रीवास्तव, श्रीमती भारती कौरव एवं श्रीमती अर्चना सोनी को भी व्यास पीठ से सम्मानित किया गया। इसके साथ ही आयोजन को भव्यता प्रदान करने में सक्रिय योगदान देने वाली श्रीमती आरती सिंह, श्रीमती मुक्ति राय, श्रीमती वंदना तंतुवाय, श्रीमती अंजली नेमा, श्रीमती रक्षा पालीवाल तथा श्रीमती ह्रषिता खत्री को भी यह प्रतिष्ठित सम्मान सादर भेंट कर उनके समर्पण को सराहा गया। सम्मान प्राप्त करने के उपरांत सभी मातृशक्तियों ने भावुक मन से ठाकुर जी और व्यास पीठ का आशीर्वाद लिया। नगर के प्रबुद्ध जनों ने काया परिवार और आयोजन समिति की इस अनूठी पहल की मुक्त कंठ से सराहना करते हुए कहा कि मातृशक्ति का यह सामूहिक सम्मान वास्तव में धरातल पर सनातन संस्कृति और महिला सशक्तिकरण को मजबूत करने वाला कदम है।

बालिका सम्मान समारोह विद्यांजलि का आयोजन किया

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत। सर्व ब्राह्मण महिला एकता परिषद की जिला अध्यक्ष विवेक पांडे, नगर अध्यक्ष सुनंदा भट्ट के निर्देशन एवं जिला उपाध्यक्ष अरुणा दुबे की अध्यक्षता में होटल सुविजिता में बालिका प्रतिभा सम्मान समारोह विद्यांजलि का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि आभा दुबे एवं परिषद के पदाधिकारियों के द्वारा दीप प्रज्वलन कर मां सरस्वती की आराधना की गई एवं सरस्वती वंदना सुषमा तिवारी द्वारा की गई।कार्यक्रम का संचालन ज्योति तिवारी, नीरा बुधौलिया , सपना शर्मा एवं मनीषा पुरोहित द्वारा किया गया।50 ब्राह्मण बालिकाओं जिसमें 12वीं की 15 बालिकाएं एवं दसवीं की 35 बालिकाओं को शील्ड, प्रमाण पत्र से एवं उनकी माताजी को शाल, श्रीफल से सम्मानित किया गया।कार्यक्रम की समस्त व्यवस्था नंदिता चौबे, संचिता दुबे एवं मंजू दुबे द्वारा

देखी गई। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से उपस्थित परिषद की वरिष्ठ संरक्षक मालती त्रिवेदी, सरला पांडे, उर्मिला भाटली, उपाध्यक्ष प्रवीणा गोस्वामी, पूर्णिमा शुक्ला, मंजू लता पांडे,भारती दीक्षित, कविता दुबे, रजनी त्रिपाठी,सुमन शर्मा,ज्योति पचौरी, ममता मिश्रा, कीर्ति पालीवाल,वत्सला त्रिवेदी रचना त्रिवेदी, सुनीता शर्मा, संगीता बेदी , नीता शर्मा,प्रीति गोस्वामी,संगीता दुबे, रजनी राजोरिया आदि की उपस्थित रही ।

मनुष्य जीवन का वास्तविक उद्देश्य क्या है, सत्संग में हुआ गहन आध्यात्मिक चिंतन

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)।

मनोहरी पैलेस में जगतगुरु तत्त्वदर्शी संत रामपाल जी महाराज जी के सानिध्य में एलईडी के माध्यम से विशाल सत्संग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित श्रद्धालुओं को मानव जीवन के वास्तविक उद्देश्य, संसार की नश्वरता तथा परमात्मा भक्ति के महत्व के विषय में अमूल्य आध्यात्मिक ज्ञान प्रदान किया गया।सत्संग में बताया गया कि यह संसार क्षणभंगुर है। यहाँ जो भी आया है, उसे एक दिन अवश्य जाना है। मनुष्य सांसारिक सुखों में इतना लीन हो जाता है कि मृत्यु जैसे अटल सत्य को भूल जाता है। उदाहरण देते हुए बताया गया कि एक परिवार में 10-12 वर्षों के बाद पुत्र का जन्म हुआ। परिवार में अत्यधिक खुशी मनाई गई, रिश्तेदारों को बुलाया गया, भंडारा किया गया, बैंड-बाजे बजाए गए। लेकिन अगले ही वर्ष उस पुत्र की मृत्यु हो गई। जिस पुत्र के जन्म पर उत्सव मनाया गया था, उसी के वियोग में पूरा परिवार विलाप करने लगा। इस उदाहरण के माध्यम से समझाया गया

कि संसार की हर खुशी अस्थायी है। यहाँ किसी को भी यह नहीं पता कि काल कब और किस रूप में जीवन की बाजी पलट देगा। इसी सत्य को उजागर करते हुए श्री गुरु नानक देव जी महाराज की वाणी सुनाई गई-न जाने काल की कर डारे, किस विधि ढ़ल जा

पांसा वे।*जिन्हादे सिर पे मौत खुड़गती, उन्हांनु केड़ा हांसा वे।अर्थात मनुष्य को नहीं पता कि काल कब क्या कर दे। जिसके सिर पर मृत्यु हर समय मंडरा रही है, उसे सांसारिक अहंकार और क्षणिक सुखों में क्यों डूबना चाहिए। सत्संग में परमात्मा कबीर साहेब जी की अमृतवाणी भी सुनाई गई-बेटा जाया खुशी हुई, खूब बजाये थाल।आना जाना लगा रहे, ज्यों कीड़ी की नाल।।कबीर साहेब जी समझाते हैं कि इस संसार में जन्म और मृत्यु का क्रम निरंतर चलता रहता है। इसलिए केवल सांसारिक उपलब्धियों और रिश्तों में ही उलझे रहना बुद्धिमानी नहीं है। मनुष्य को अपने जीवन के परम लक्ष्य अर्थात मोक्ष प्राप्ति और परमात्मा की भक्ति पर ध्यान देना चाहिए। संत रामपाल जी महाराज जी के ज्ञान अनुसार यह मनुष्य जीवन अत्यंत दुर्लभ है, जो 84 लाख योनियों के पश्चात प्राप्त होता है। यदि इस अनमोल जीवन को केवल भौतिक सुख-सुविधाओं में व्यतीत कर दिया, तो जीवन का वास्तविक उद्देश्य अधूरा रह जाएगा।

सच्चे सतगुरु द्वारा बताई गई शास्त्रसम्मत भक्ति ही मनुष्य को जन्म-मृत्यु के चक्र से मुक्त कर सकती है और स्थायी सुख प्रदान कर सकती है।सत्संग के अंत में श्रद्धालुओं से आह्वान किया गया कि वे जीवन की नश्वरता को समझते हुए परमात्मा की भक्ति को प्राथमिकता दें तथा अपने मानव जीवन को सफल बनाएं।

जिले के 85 शाला भवन घोषित होंगे कण्डम

सात दिवस में नीलामी प्रक्रिया पूर्ण करने के निर्देश

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)।

विद्यार्थियों की सुरक्षा एवं विद्यालय परिसरों के बेहतर उपयोग को दृष्टिगत रखते हुए जिले में पुराने एवं क्षतिग्रस्त शाला भवनों को हटाने की कार्रवाई कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निदेशन एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत गजेन्द्र सिंह नागेश के मार्गदर्शन में शुरू कर दी गई है। लोक निर्माण विभाग के तकनीकी परीक्षण एवं प्रतिवेदन के आधार पर जिले के 85 शासकीय

प्राथमिक एवं माध्यमिक शाला भवनों को कण्डम एवं अनुपयोगी घोषित करने की अनुशंसा की गई है। कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग (भवन/सड़क) संभाग नरसिंहपुर द्वारा जर्जर भवनों की ऑफसेट वेल्यू निर्धारित कर प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया था। प्रतिवेदन के अनुसार विकासखंड गोटेगांव के 18 प्राथमिक एवं 7 माध्यमिक, नरसिंहपुर के 11 प्राथमिक एवं 6 माध्यमिक, चांवरपाठा के 17 प्राथमिक एवं 4 माध्यमिक, चीचली के 5 तथा करेली विकासखंड के 17 प्राथमिक शाला भवन शामिल हैं।जिला परियोजना समन्वयक श्री मनीष चौकसे ने लोक निर्माण विभाग के प्रतिवेदन के आधार पर संबंधित विद्यालयों के जर्जर भवनों को कण्डम एवं अनुपयोगी घोषित करते हुए विकासखंड स्त्रोत समन्वयकों के माध्यम से संबंधित शाला अध्यक्ष, प्रधानपाठक एवं शाला प्रबंधन समितियों को आवश्यक निर्देश जारी किए हैं।निर्देशानुसार सभी संबंधित विद्यालयों को निर्धारित ऑफसेट वेल्यू के अनुसार भवनों की नीलामी प्रक्रिया सात दिवस के भीतर पूर्ण करनी होगी। नीलामी से प्राप्त राशि को जिला शिक्षा केन्द्र नरसिंहपुर के राज्य योजना मद में जमा कर पावती उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। जनपद शिक्षा केंद्र पर बैठक में दिए निर्देश इसी संबंध में जनपद शिक्षा केन्द्र नरसिंहपुर में संबंधित विद्यालयों के प्रधानपाठकों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विकासखंड स्त्रोत समन्वयक ओ.पी. राय एवं बी.ए.सी. ब्रजेश नेमा ने संस्था प्रमुखों को निर्देशित किया कि शाला प्रबंधन समिति के माध्यम से प्रस्ताव तैयार कर समय-सीमा में निर्धारित ऑफसेट वेल्यू के अनुसार नीलामी की कार्रवाई सुनिश्चित कर नीलामी से प्राप्त राशि को जिला शिक्षा केन्द्र नरसिंहपुर के राज्य योजना मद में जमा कर पावती उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं।

अमिलिया (नार्थ) कोल माइन्स, में विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन

सिंगरौली। विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी दिनांक 01 जून 2026 से 06 जून 2026 तक विश्व पर्यावरण दिवस् अवसर मे वृहद कार्यक्रम किया गया जिसमें वृक्षारोपण, स्वच्छता अभियान, साइकिल दौड़, चित्रकला, बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट/ई-वेस्ट कलेक्शन इत्यादि कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमे बच्चों और महिलाओं ने बढ़-चढकर भाग लिया। जिसमें विविध प्रतियोगितओं में जैसे- %बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट%, साइकिल दौड़, इत्यादि के लिए पुरस्कार वितरण किया गया। उपरोक्त के अन्तर्गत दिनांक 05.06.2026 को जयप्रकाश पावर वेन्चर्स लिमिटेड,

अमिलिया नार्थ कोल माइन में मनाया गया है। विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में जागरूकता अभियान के तहत परियोजना के कर्मचारियों एवं कामगारों ने भी बढ़-चढ़ कर कार्यक्रम को सफल बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भागीदारी निभायी। पर्यावरण दिवस (5 जून 2026) के अवसर पर यूनिट हेड मेजर जनरल संजय थापा पी.वी.एस.एम. (सेवानिवृत) ने विश्व पर्यावरण दिवस के बारे में लोगो को जागरूक किया। और सभी लोगो को शपथ दिलायी साथ ही दैनिक जीवन में प्लास्टिक उपयोग न करने एवं जलवायु संरक्षण के लिए जागरूक किया, और साथ ही पर्यावरण के महत्व को बताया एवं समझाया कि जलवायु परिवर्तन का संकट सिर उठाने लगा है।

सोनभद्र मार्ग पर बसों की हुई सघन चेकिंग

सिंगरौली। सड़क दुर्घटनाओं में बढ़ोतरी के बाद परिवहन विभाग ने सिंगरौली-सोनभद्र मार्ग पर विशेष जांच अभियान तेज कर दिया है। परिवहन आयुक्त उमेश जोगा के निर्देश पर शुक्रवार सुबह से आरटीओ चेक पॉइंट सिंगरौली-01 पर अधिकारियों की टीम द्वारा यात्री बसों सहित अन्य वाहनों की सघन जांच की जा रही है। इस दौरान बसों में डबल डोर एवं आपातकालीन खिड़की की उपलब्धता और उनकी कार्यशील स्थिति जांच का प्रमुख विषय रही। विभाग ने स्पष्ट किया है कि यात्री सुरक्षा से जुड़े इन मानकों पर किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा इसी परिप्रेक्ष्य में जांच निरंतर जारी रहेगी।

अभियान के दौरान बसों के परमिट, फिटनेस, बीमा, प्रदूषण प्रमाणपत्र, फर्स्ट एड बॉक्स, अग्निशमन यंत्र, मेडिकल किट, डबल डोर तथा आपातकालीन निकास व्यवस्था की गहन जांच की गई। अधिकारियों ने यह भी सुनिश्चित किया कि आपातकालीन खिड़कियां एवं निकास द्वार आवश्यकता पड़ने पर तत्काल उपयोग योग्य हों।

कलेक्टर गौरव बैनल के आदेश एवं जिला परिवहन अधिकारी विक्रम सिंह राठौर के मार्गदर्शन में चेक पॉइंट प्रभारी एवं उनकी टीम ने दुर्घटना मुक्त जिला के संकल्प के साथ अभियान को गति दी है। जांच के दौरान जिन वाहनों में सुरक्षा मानकों का केवल औपचारिक पालन पाया गया या आवश्यक सुरक्षा व्यवस्थाओं में कमी मिली, उनके विरुद्ध चालानी कार्रवाई की गई। अधिकारियों ने वाहन संचालकों को यात्री सुरक्षा के प्रति गंभीर रहने की सख्त चेतावनी भी दी।

लगातार चलेगा अभियान

चेक पॉइंट प्रभारी ने बताया कि हाल की सड़क दुर्घटनाओं को देखते हुए परिवहन विभाग लगातार प्रवर्तन कार्रवाई कर रहा है। सार्वजनिक परिवहन को सुरक्षित बनाना और वाहन संचालकों में नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाना विभाग की प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से यह अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा।

भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष पवन पाटीदार का हुआ स्वागत

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)।

सेन समाज गाडरवारा द्वारा मंगलवार को भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष पवन पाटीदार एवं रायसेन नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष प्रतिनिधि व पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष जमना सेन का ओशो की पावन धरा गाडरवारा आगमन पर भव्य स्वागत किया गया।

सेन समाज के पदाधिकारियों एवं युवाओं ने पुष्पमाला पहनाकर, शॉल-श्रीफल भेंट कर दोनों अतिथियों का आत्मीय अभिनंदन किया। समाज की ओर से अतिथियों को माँ नर्मदा का सुंदर छायाचित्र भेंट कर सम्मानित किया गया। पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिला

प्रभारी अभिषेक सराठे की उपस्थिति में सामाजिक बंधुओ ने पिछड़ा वर्ग से जुड़े सामाजिक, शैक्षणिक और राजनीतिक मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की ।

प्रदेश अध्यक्ष पवन पाटीदार ने कहा की सेन समाज मेहनतकश और स्वाभिमानी समाज है। भाजपा सरकार पिछड़ा वर्ग के कल्याण के लिए लगातार काम कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में समाज के युवाओं को रोजगार, स्वरोजगार और शिक्षा के क्षेत्र में नई योजनाओं का लाभ मिल रहा है। संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करें, तभी हमारी आवाज और बुलंद होगी ।

रायसेन नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि जमना सेन ने कहा समाज में एकजुटता ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है। हमें अपने बच्चों को शिक्षित करना है और सामाजिक कुरीतियों को दूर करना है। राजनीतिक भागीदारी बढ़ेगी तो समाज का विकास भी तेज होगा। इस अवसर पर जिला प्रभारी अभिषेक सराठे के साथ वरिष्ठ समाजसेवी राजेंद्र श्रीवास, आकाश सेन, राजेश सराठे, नीलेश श्रीवास, सत्यम श्रीवास, चंचल सराठे, नरेंद्र सेन, सौरभ सेन, नीरज श्रीवास, आकाश भूसे श्रीवास, शेखर सराठे सहित बड़ी संख्या में सेन समाज के युवा और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के त्वरित एवं संतुष्टिपूर्ण निराकरण पर दें विशेष ध्यान

निगमायुक्त तपस्या परिहार, लंबित शिकायतों के शीघ्र समाधान हेतु विभागीय अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

कटनी (स्वतंत्रमत)।

नगर पालिक निगम कटनी की निगमायुक्त तपस्या परिहार ने निगम कार्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक में विभिन्न विभागों से संबंधित लंबित सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को शिकायतों के समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान निगम प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है तथा प्रत्येक शिकायत का संतुष्टिपूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

समीक्षा के दौरान निगमायुक्त ने विभागवार लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों से कहा कि शिकायतों के निराकरण में अनावश्यक विलंब न हो तथा निर्धारित समय-सीमा के भीतर सभी प्रकरणों का निराकरण किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि सीएम हेल्पलाइन शासन की महत्वपूर्ण जनहितकारी व्यवस्था है, जिसके माध्यम से नागरिक अपनी समस्याएं शासन-प्रशासन तक पहुंचाते हैं। ऐसे में शिकायतों के प्रति संवेदनशीलता एवं जवाबदेही के साथ कार्य करना आवश्यक है। उन्होंने 100 दिवस से अधिक लंबित शिकायतों पर सर्वोच्च प्राथमिकता से कार्यवाही करते हुए प्रकरणों का संतुष्टिपूर्ण निराकरण करने के निर्देश दिए। परिहार ने लोक निर्माण, स्वास्थ्य, जलप्रदाय, राजस्व, भवन, स्थापना एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि लंबित प्रकरणों की सूची तैयार कर प्राथमिकता के आधार पर उनका निराकरण सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जिन शिकायतों का संबंध एक से अधिक विभागों से है, उनमें विभागीय समन्वय स्थापित कर शीघ्र कार्रवाई की जाए, ताकि नागरिकों को समय पर राहत मिल सके। निगमायुक्त ने यह भी निर्देश दिए कि बिना उचित कारण प्रकरणों को एक विभाग से दूसरे विभाग में स्थानांतरित करने अथवा अनावश्यक रूप से लंबित रखने की प्रवृत्ति पर रोक लगाई जाए। शिकायतों के निराकरण में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। बैठक में अधिकारियों को सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निरंतर मॉनिटरिंग एवं प्रभावी फॉलोअप के निर्देश देते हुए निगमायुक्त ने कहा कि नागरिक संतुष्टि ही प्रशासनिक कार्यों की सफलता का प्रमुख आधार है।

कलेक्टर ने स्थापित किया बाढ़ आपदा नियंत्रण कक्ष, कर्मचारियों की ड्यूटी निर्धारित

कटनी (स्वतंत्रमत)।

मानसून के आगमन के पूर्व ही जिले में संभावित बाढ़ और आपदा की स्थिति से निपटने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। कलेक्टर आशीष तिवारी ने 15 जून 2026 से कलेक्ट्रेट कार्यालय के कक्ष क्रमांक-99 में जिला स्तरीय बाढ़ आपदा नियंत्रण कक्ष स्थापित किया है। यह नियंत्रण कक्ष 24×7 संचालित रहेगा। नियंत्रण कक्ष का दूरभाष क्रमांक 07622-220070 और 07622-220071 है।

कलेक्टर द्वारा जारी आदेश के अनुसार बाढ़ नियंत्रण कक्ष के संचालन हेतु डिप्टी कलेक्टर विंकी सिंघमारे को नोडल अधिकारी और लोक सेवा प्रबंधन विभाग के जिला प्रबंधक दिनेश कुमार विश्वकर्मा को सहायक नोडल अधिकारी बनाया गया है। नियंत्रण कक्ष के सुचारू संचालन के लिए कर्मचारियों की तैनाती तीन पालियों में की गई है। बाढ़ आपदा नियंत्रण कक्ष में सुबह 6 बजे से दोपहर 2 बजे तक शासकीय आयुर्वेद औषधालय के दवासाज भुवनेश्वर प्रसाद गौतम 7697415898 और जनपद शिक्षा केन्द्र रीठी के ऑपरेटर संदीप अहिरवार 9584032520 की ड्यूटी लगाई गई है।

जबकि दोपहर 2 बजे से रात्रि 10 बजे तक शिक्षा विभाग के ऑपरेटर प्रदीप यादव 7828271032 और अमित बर्मन 7089094581 कंट्रोल रूम में तैनात रहेंगे। इसके अलावा रात्रि 10 बजे से सुबह 6 बजे तक ऑपरेटर अंकुश जायसवाल 6263946470, शिक्षा विभाग से रोहित उईके 9165669405 और ऑपरेटर दिल्लू यादव 6353069744 की ड्यूटी लगाई गई है। वहीं शिक्षा विभाग से ही ऑपरेटर अखिलेश सोलंकी 7000372893 को रिजर्व में रखा गया है। कलेक्टर ने निर्देशित किया है कि सभी कर्मचारी अपनी पाली समाप्त होने पर रजिस्टर और अन्य जानकारी अगली पाली के दल को सौंपने के बाद ही आपदा नियंत्रण कक्ष छोड़ेंगे। साथ ही बाढ़ की समस्त जानकारी से नोडल अधिकारी एवं सहायक नोडल अधिकारी तथा डीसीसीसी सुपरवाइजर से अवगत करायेंगे। नियंत्रण कक्ष के उपकरणों कंप्यूटर आदि को नुकसान पहुंचाने या गंदगी फैलाने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई के साथ वेतन से वसूली की जाएगी। आदेश का पालन न करने वाले शासकीय सेवकों पर आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत एकपक्षीय कार्रवाई की जाएगी।

बोरवेल खनन करते बोरिंग मशीन जब्त

कटनी (स्वतंत्र मत)। उमरियापान पुलिस ने अवैध बोरिंग के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की है। जानकारी के मुताबिक 7 जून को मुखबिरों से सूचना मिली थी कि ग्राम टोला निवासी छोटू लोधी अपने घर की बाड़ी में बिना सक्षम अनुमति के बोरवेल खनन करा रहा है। सूचना की तस्दीक के लिए एएसआई कोदूलाल दाहिया ने स्टाफ के साथ ग्राम टोला पहुंचकर छोटू लोधी की बाड़ी में दबिश दी। मौके पर एक बोरिंग मशीन क्रमांक केए 01 6166 का चालक रामभजन कोल निवासी ग्राम मझौली थाना सिहोरा बोरवेल करते मिला। पुलिस द्वारा अनुमति संबंधी कागजात मांगने पर वह मौके पर कोई भी दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। पूछताछ में चालक ने बताया कि वह मशीन एजेंट रामभूषण मिश्रा निवासी ग्राम हरदुआ सिहोरा के कहने पर यह कार्य कर रहा था और उसी ने उसे मजदूरी पर रखा है। उमरियापान थाना प्रभारी महेंद्र कुमार जायसवाल यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ संतोष डेहरिया के निर्देशन तथा एसडीओपी स्लीमनाबाद अकांक्षा चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में की गई। बताया जाता है कि इस मामल में पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए 7 जून को 21:30 बजे बोरवेल मशीन को जत कर कजे में लिया। आरोपियों के विरुद्ध धारा 223 बीएनएस एवं धारा 9 मप्र पेय जल परिरक्षण अधिनियम 1986 के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है।

मझगवां फाटक में पेयजल संकट का स्थायी समाधान

जिला पंचायत उपाध्यक्ष ने आदिवासी मोहल्ले में बोर खनन करवाया, ग्रामीणों ने जताया आभार

कटनी (स्वतंत्रमत)।

ग्राम पंचायत मझगवां फाटक के आदिवासी मोहल्ले में लंबे समय से व्याप्त पेयजल संकट से जूझ रहे लगभग 20 से 25 परिवारों को बड़ी राहत मिल गई है। वर्षों से पानी की समस्या से परेशान ग्रामीणों की पीड़ा को गंभीरता से लेते हुए जिला पंचायत उपाध्यक्ष अशोक विश्वकर्मा ने जनहित में त्वरित और प्रभावी पहल कर क्षेत्र में नए बोर खनन का कार्य पूर्ण कराया है। लगभग एक माह पूर्व क्षेत्र में पेयजल संकट की गंभीर स्थिति को देखते हुए विश्वकर्मा ने अपने प्रतिनिधि को मझगवां फाटक भेजा था। उन्होंने मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों से चर्चा की। उनकी समस्याओं को सुना तथा वास्तविक स्थिति का अवलोकन कर पूरी जानकारी उन तक पहुंचाई। ग्रामीणों की समस्या की जानकारी मिलते ही विश्वकर्मा ने इसे केवल एक शिकायत के रूप में

नहीं लिया, बल्कि जनसेवा के अपने दायित्व का निर्वहन करते हुए तत्काल संबंधित विभागीय अधिकारियों से समन्वय स्थापित किया। उनके सतत प्रयासों और प्रभावी पहल के परिणामस्वरूप नए बोर की स्वीकृति प्राप्त हुई। स्थल निरीक्षण कराया गया तथा सफलतापूर्वक बोर खनन का कार्य पूर्ण हो गया है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि यदि विश्वकर्मा ने इस समस्या को प्राथमिकता न दी होती तो उन्हें अभी भी पानी के लिए दर-दर भटकना पड़ता। उनके

प्रयासों से अब दर्जनों परिवारों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध होने का मार्ग प्रशस्त हुआ है और दैनिक जीवन की सबसे बड़ी समस्या का समाधान हुआ है। ग्रामीणों ने जिला पंचायत उपाध्यक्ष अशोक विश्वकर्मा के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे सदैव जनता की समस्याओं के प्रति संवेदनशील रहते हैं और बिना किसी भेदभाव के जनहित के कार्यों को प्राथमिकता देते हैं। उनकी सक्रियता, जनसेवा के प्रति समर्पण और विकास के प्रति प्रतिबद्धता ही उन्हें जनता के बीच एक लोकप्रिय जनप्रतिनिधि बनाती है। मझगवां फाटक के समस्त ग्रामवासियों ने इस महत्वपूर्ण कार्य के लिए विश्वकर्मा का धन्यवाद ज्ञापित किया।

चार वार्डों में चला वृहद फागिंग अभियान

मच्छरजनित बीमारियों की रोकथाम पर निगम का फोकस

कटनी (स्वतंत्र मत)। मच्छरजनित बीमारियों की रोकथाम और नागरिकों को स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नगर पालिक निगम कटनी द्वारा शहर में फागिंग अभियान लगातार संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में सोमवार को वार्ड क्रमांक 1, 2, 23 एवं 24 में वृहद स्तर पर फागिंग की गई। स्वास्थ्य अधिकारी संजय सोनी ने बताया कि भीषण गर्मी और बदलते मौसम को ध्यान में रखते हुए निगम प्रशासन ने विशेष अभियान चलाया। इसके तहत प्रमुख मार्गों, सार्वजनिक स्थलों, घनी आबादी वाले क्षेत्रों के साथ-साथ अंदरूनी बस्तियों और गलियों में फॉगिंग मशीनों के माध्यम से दवा का छिड़काव कर मच्छरों के नियंत्रण की कार्रवाई की

गई। उन्होंने कहा कि डेंगू, मलेरिया और अन्य मच्छरजनित रोगों की रोकथाम के लिए निगम द्वारा नियमित रूप से फागिंग एवं स्वच्छता संबंधी गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। नागरिकों से भी घरों और आसपास जलभराव न होने देने तथा साफ-सफाई बनाए रखने की अपील की गई है। निगम प्रशासन के अनुसार आगामी दिनों में शहर के अन्य वार्डों में भी चरणबद्ध तरीके से फागिंग अभियान चलाया जाएगा, जिससे मच्छरों की संख्या पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित कर नागरिकों के स्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

400 केवी सर्किट ब्रेकर की इन-हाउस ओवरहॉलिंग कर बचाए 50 लाख रुपये

कटनी (स्वतंत्र मत)। मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) के कटनी डिवीजन के अभियंताओं ने 400 केवी सबस्टेशन कटनी में स्थापित बिरसिंहपुर नंबर-2 फीडर के 400 केवी एबीबी निर्मित सर्किट ब्रेकर की सफलतापूर्वक इन-हाउस ओवरहॉलिंग कर कंपनी को लगभग 50 लाख रुपये की बचत कराई है। अतिरिक्त मुख्य अभियंता आर.सी. शर्मा की पहल पर अभियंताओं एवं तकनीकी कर्मचारियों द्वारा लगभग एक सप्ताह तक सतत प्रयास कर यह कार्य पूर्ण किया गया।

बिरसिंहपुर के महत्वपूर्ण फीडर में लगा है यह ब्रेकर - विशेष बात यह रही है यह सर्किट ब्रेकर बिरसिंहपुर ताप विद्युत गृह से आने वाले अत्यंत महत्वपूर्ण 400

केवी फीडर पर स्थापित है, जिसके माध्यम से लगभग 350 मेगावाट विद्युत का पारेषण होता है। प्रदेश की विद्युत व्यवस्था की दृष्टि से यह फीडर अत्यधिक महत्वपूर्ण माना जाता है। ऐसे महत्वपूर्ण फीडर पर स्थापित सर्किट ब्रेकर की सफल ओवरहॉलिंग ने न केवल इसकी विश्वसनीयता बढ़ाई है, बल्कि विद्युत आपूर्ति की निर्बाधता और ग्रिड सुरक्षा को भी सुदृढ़ किया है। लगभग 20 वर्ष पुराने फर्स्ट जेनरेशन सर्किट ब्रेकर के स्पेयर पार्ट्स उपलब्ध न होने के बावजूद कटनी डिवीजन की टीम ने अपनी तकनीकी दक्षता और अनुभव का परिचय देते हुए इसका निरीक्षण, परीक्षण, मरम्मत एवं आवश्यक पार्ट्स का प्रतिस्थापन किया। इस चुनौतीपूर्ण कार्य में ट्रांसमिशन लाइन मेंटेनेंस संभाग दमोह एवं कटनी का भी महत्वपूर्ण सहयोग रहा। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने इसे कंपनी की तकनीकी क्षमता, संसाधनों के कुशल उपयोग, लागत नियंत्रण एवं आत्मनिर्भर कार्य संस्कृति का उत्कृष्ट उदाहरण बताते हुए संबंधित अभियंताओं एवं कर्मचारियों को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि कंपनी के अभियंता अपनी विशेषज्ञता के बल पर महत्वपूर्ण उपकरणों के रखरखाव एवं पुनर्संचालन में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कर रहे हैं।

पिछड़ा वर्ग विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति योजना दे रही विदेश अध्ययन के सपने को उड़ान

कटनी (स्वतंत्रमत)।

राज्य शासन की पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा संचालित पिछड़ा वर्ग विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति योजना प्रदेश के युवाओं को वैश्विक मंच पर स्थापित करने का एक सशक्त माध्यम है। इस योजना के अंतर्गत चयनित विद्यार्थियों को विदेश के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में पोस्ट-ग्रेजुएशन, पीएचडी या रिसर्च की पढ़ाई के लिए ट्यूशन फीस का भुगतान शासन द्वारा किया जाता है। पढ़ाई के खर्च के साथ-साथ रहने और यात्रा का खर्च भी सरकार वहन करती है। योजना में निर्वाह भत्ता लिविंग अलाउंस, आकस्मिक व्यय, स्वास्थ्य बीमा, वीज़ा शुल्क और विदेश जाने-आने का हवाई यात्रा इकोनॉमी क्लास का खर्च भी शामिल है। छात्र-छात्रा मध्यप्रदेश के मूल निवासी और पिछड़ा वर्ग श्रेणी (नॉन क्रीमी लेयर) के अंतर्गत आते हों। पिछली परीक्षा प्रथम श्रेणी कम से कम 60 प्रतिशत अंक के साथ उत्तीर्ण की हो। आवेदक की आयु 35 वर्ष से कम हो। विद्यार्थी ने विदेश के किसी मान्यता प्राप्त और प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय/संस्थान में प्रवेश प्राप्त कर लिया हो।

5 हजार रूपये की रिश्वत लेते हुए कौड़िया हल्का पटवारी को लोकायुक्त ने दबोचा

कटनी (स्वतंत्र मत)। लोकायुक्त की टीम ने मंगलवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए स्लीमनाबाद तहसील के ग्राम कौड़िया में पदस्थ पटवारी स्वयं प्रकाश मेहरा को पांच हजार की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। पटवारी ने सीमांकन करने के नाम पर शिव कुमार जायसवाल कौड़िया निवासी से पांच हजार रुपये की रिश्वत की मांग कर रहा था। शिकायत की पुष्टि होने पर लोकायुक्त ने जाल बिछाकर कार्रवाई की और आरोपी को रिश्वत की राशि लेते समय पकड़ लिया गया। लोकायुक्त दल ने जानकारी देते हुए बताया कि आवेदक शिवकुमार जायसवाल द्वारा अपनी पत्नी देववती के नाम पर 1 एकड़ 80 डिसमिल जमीन

खरीदी थीं जिसके सीमांकन के ऐवज में उपहार स्वरुप पटवारी द्वारा 5 हजार रूपए की मांग की जा रही है। घूस रकम लेने के लिए आवेदक को 5 हजार रुपए के साथ अपने स्लीमनाबाद स्थित प्राइवेट कार्यालय में बुलाया। जहाँ 9 जून मंगलवार को आरोपी पटवारी स्वयं प्रकाश मेहरा को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ दबोच लिया। भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (संशोधन) 2018 की धारा-7, 13(1)बी, 13(2) के अंतर्गत कार्यवाही की गई। कार्रवाई के दौरान ट्रेप दल में निरीक्षक राहुल गजभिए, निरीक्षक शशि कला मस्कुले, एवम् लोकायुक्त जबलपुर का दल मौजूद था। लोकायुक्त की कार्रवाई की जानकारी जैसे ही राजस्व अमले व अधिकारियो को लगी सभी भौचक्के रह गए ओर जगह-जगह चर्चाओं का दौर शुरू हो गया।

हॉलमार्किंग, आईएसआई, के महत्व की जानकरी दी गई कटनी निबिया मुहल्ला में

कटनी (स्वतंत्रमत)। अखिल भारतीय उपभोक्ता उत्थान संगठन द्वारा भारतीय मानक व्यूरो के सहयोग से निबिया मुहल्ला राहुल बाग कटनी मे स्वसहायता समूह की सैकडो महिलाओ को महिला उजियारा कार्यक्रम के तहत गुणवत्तापूर्ण सामग्री की खरीदी, हॉलमार्किंग के संबंध मे मानक मित्र, संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष हरिशंकर शुक्ल ने बिस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि हॉलमार्किंग सोने, चादी के आभूषण पर अनिवार्य किया गया है, हॉलमार्किंग आभूषण खरीदने पर सोने, चादी की शुद्धता की गारन्टी रहती है, वही आईएसआई मार्का सामग्री की खरीदी पर गुणवत्ता की गारन्टी रहती है, भारती मानक व्यूरो का कार्य मानक बनाना, परीक्षण करनाए है।

जयप्रकाश वार्ड में 1.06 करोड़ के कार्यों की रखी गई आधारशिला

कटनी (स्वतंत्रमत)।

नगर निगम कटनी द्वारा शहर के विभिन्न वार्डों में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार और नागरिकों को बेहतर जनसुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विकास कार्यों का सिलसिला निरंतर जारी है। इसी क्रम में शनिवार 6 जून को जयप्रकाश वार्ड में लगभग 1.06 करोड़ रुपये की लागत से स्वीकृत विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन महापौर प्रीति संजीव सूरी, भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक सोनी टंडन, क्षेत्रीय पार्षद एवं मेयर इन काउंसिल सदस्य सुभाष साहू सहित अन्य जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ वरिष्ठ समाजसेवी गोवर्धन दास उदासी एवं भाजपा जिलाध्यक्ष टंडन द्वारा विधिवत पूजन-अर्चन के साथ किया गया। इस अवसर पर मेयर इन काउंसिल सदस्य डॉ. रमेश सोनी, जयनारायण निषाद, सुरेंद्र गुप्ता, पार्षद सीमा श्रीवास्तव, पूर्व पार्षद ऋचा गेलानी, सुरेश रोचलानी, दिलीप उदासी सहित अन्य जनप्रतिनिधि, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, नगर निगम अधिकारी-कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। भूमिपूजन अवसर पर वार्डवासियों ने लंबे समय से अपेक्षित विकास कार्यों के प्रारंभ होने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए महापौर, क्षेत्रीय पार्षद एवं जनप्रतिनिधियों का स्वागत किया तथा क्षेत्र के विकास के लिए आभार व्यक्त किया। स्वीकृत विकास कार्यों के अंतर्गत जयप्रकाश वार्ड में रामलीला मैदान क्षेत्र से जुड़े मार्गों का सी.सी. सड़क निर्माण, विभिन्न गलियों में सी.सी. नाली निर्माण एवं मरम्मत

महापौर, भाजपा जिलाध्यक्ष एवं क्षेत्रीय पार्षद सहित जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में क्षेत्र को मिली विकास की बड़ी सौगात

कार्य, क्षतिग्रस्त मार्गों का डामरीकरण, नाला सुधार कार्य तथा सुरक्षा एवं संरक्षण की दृष्टि से रिटेनिंग वॉल निर्माण कराया जाएगा। इसके साथ ही जलभराव की समस्या से प्रभावित क्षेत्रों में जल निकासी व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक संरचनात्मक कार्य भी किए जाएंगे। इन कार्यों के पूर्ण होने के बाद वार्ड में आवागमन सुविधाएं बेहतर होंगी, बरसात के दौरान जलभराव की समस्या में कमी आएगी तथा नागरिकों को सुरक्षित एवं सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध होगा।

विकास की रोशनी से सशक्त होंगे शहर के वार्ड- महापौर

महापौर प्रीति संजीव सूरी ने कहा कि नगर निगम शहर के प्रत्येक वार्ड तक विकास की रोशनी पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सड़क, नाली एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं के विस्तार के माध्यम से सभी वार्डों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ा जा रहा है। महापौर ने कहा कि नागरिकों की आवश्यकताओं और अपेक्षाओं के अनुरूप विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है, जिससे शहर के सभी वार्ड सशक्त बनें और लोगों को बेहतर सुविधाएं एवं जीवन स्तर प्राप्त हो सके।

विकास कार्यों से नागरिकों को मिलेगा सीधा लाभ- जिलाध्यक्ष

भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक सोनी टंडन ने अपने संबोधन में कहा कि प्रदेश सरकार एवं नगर निगम के समन्वित प्रयासों से शहर में विकास कार्यों की गति लगातार बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि जयप्रकाश वार्ड में स्वीकृत ये निर्माण कार्य नागरिकों के दैनिक जीवन को सरल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि कार्य पूर्ण होने के बाद क्षेत्रवासियों को बेहतर सड़क, सुदृढ़ जल निकासी व्यवस्था और अधिक सुविधाजनक वातावरण प्राप्त होगा।

जयप्रकाश वार्ड के विकास में कोई कमी नहीं आने देंगे- पार्षद सुभाष साहू

क्षेत्रीय पार्षद एवं मेयर इन काउंसिल सदस्य सुभाष साहू ने कहा कि वार्डवासियों की लंबे समय से चली आ रही मांगों को प्राथमिकता देते हुए इन विकास कार्यों को स्वीकृति दिलाई गई है। उन्होंने कहा कि सड़क, नाली, डामरीकरण एवं रिटेनिंग वॉल निर्माण जैसे कार्यों से क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं का स्थायी समाधान होगा और वार्ड के विकास को नई दिशा मिलेगी। उन्होंने सभी नागरिकों को सहयोग एवं विश्वास के लिए धन्यवाद भी दिया। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने विश्वास व्यक्त किया कि स्वीकृत सभी निर्माण कार्य समयबद्ध रूप से पूर्ण होने के बाद जयप्रकाश वार्ड में आधारभूत सुविधाओं का व्यापक विस्तार होगा तथा क्षेत्र के विकास को नई गति प्राप्त होगी।

इंडिया-ए ने श्रीलंका-ए को ट्राई सीरीज का पहला वनडे हराया

49वें ओवर में श्रीलंका के 3 विकेट गिरे, टीम इंडिया 8 रन से जीती

नईदिल्ली।

इंडिया-ए ने ट्राई सीरीज के पहले वनडे में श्रीलंका-ए को 8 रन से हरा दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए इंडिया-ए ने 50 ओवर में 6 विकेट पर 277 रन बनाए थे। जवाब में श्रीलंका-ए की टीम 48.5 ओवर में 269 रन पर ऑलआउट हो गई।

श्रीलंका को आखिरी दो ओवर में 10 रन चाहिए थे और 3 विकेट बचे थे। लेकिन, 49वें ओवर में अरशद खान ने दो विकेट लेने के साथ एक रनआउट कराकर श्रीलंका की पारी को समेट दिया।

दांबुला स्टेडियम में टॉस जीतकर बैटिंग कर रही भारतीय टीम ने 50 ओवर में 6 विकेट पर 277 रन बनाए। ऋतुराज गायकवाड ने 101 रन की शतकीय पारी खेली। जबकि कप्तान तिलक वर्मा ने 60 रन का योगदान दिया। आईपीएल 2026 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले वैभव सूर्यवंशी 14 रन ही बना सके। श्रीलंकाई टीम की ओर से मोहम्मद शिराज ने 2 विकेट झटके।

टारगेट का पीछा करने उतरी श्रीलंका के लिए सहान अराचिगे (74) और सदीरा समरविक्रमा (46) ने श्रीलंका की उम्मीदें जगाई थीं, लेकिन भारत ने लगातार अंतराल पर विकेट निकालकर मैच का रुख पलट दिया। भारत के लिए आयुष बदोनी, अनुकूल रॉय, अरशद खान और विप्रज निगम ने 2-2 विकेट लिए। अंशुल कंबोज को 1 विकेट मिला।

मैक्सिको के पुबेला में फुटबॉल के एक मैत्री मुकाबले में खेलते हुए पेरु और स्पेन के फुटबॉलर।

महिला टी20 विश्व कप के प्रबल दावेदारों में न्यूजीलैंड सहित चार टीमें

लंदन। 12 जून से इंग्लैंड में शुरु हो रहे महिला विश्वकप क्रिकेट को लेकर सभी टीमें अपनी तैयारियों को अंतिम रुप देने में लगी हैं। इसको लेकर प्रशंसकों में भी जबरदस्त उत्साह है। इस बार खिताब की बड़ी दावेदारों में मौजूद चैम्पियन न्यूजीलैंड सहित कुल चार टीमें ऑस्ट्रेलिया, मेजबान इंग्लैंड और भारत भी है। न्यूजीलैंड टीम का लक्ष्य अपने खिताब को बनाये रखना रहेगा। वहीं भारत, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड भी इस बार खिताब अपने नाम करने उतरेंगी। पिछले आंकड़ों पर नजर डालें तो महिला टी20 विश्व कप में सबसे अधिक बार ऑस्ट्रेलिया की टीम जीती है।

मलेशिया में बजा उत्तराखंड के पैराएथलीट का डंका

थ्रो बॉल चैंपियनशिप में किया कमाल

लक्सर(उत्तराखंड)। हरिद्वार लक्सर क्षेत्र के दिव्यांग खिलाड़ी दिग्विजय सिंह और प्रदीप कुमार ने मलेशिया में आयोजित सेकंड एशियन पैरा थ्रो बॉल चैंपियनशिप में कमाल किया है।

इन दोनों खिलाड़ियों ने भारतीय टीम के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक हासिल किया है। बता दें दोनों दिव्यांग खिलाड़ियों का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मलेशिया में सेकंड एशियन इंटरनेशनल पर थ्रो बॉल चैंपियनशिप में चयन हुआ था। लक्सर तहसील क्षेत्र के दाबकी कला गांव निवासी डॉक्टर जितेंद्र कुमार के पुत्र दिग्विजय सिंह को रेस का शौक है। कार और बाइक रेसिंग के अलावा दूसरी खेल प्रतियोगिताओं में भी प्रतिभा करने वाले दिग्विजय सिंह अनेक प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर चुके हैं। लक्सर तहसील क्षेत्र के ही भारू वाला गांव निवासी पीतांबर सिंह के पुत्र प्रदीप कुमार का पूर्व में 13 फरवरी से 18 फरवरी तक इंडोनेशिया के जकार्ता में आयोजित इंडोनेशिया इंटरनेशनल पैरा थ्रो बाल टूर्नामेंट में इनका चयन हुआ। जहां दोनों खिलाड़ियों ने टीम के साथ अच्छा प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल जीते थे। इसके बाद 1 से 5 जून तक मलेशिया के कुआंलालमपुर में आयोजित होने वाली सेकंड एशियन इंटरनेशनल बाल चैंपियनशिप में दोनों खिलाड़ियों का भारतीय टीम में चयन हुआ। दिग्विजय सिंह ने बताया पहले मैच में बांग्लादेश के साथ कांटे की टक्कर हुई। भारतीय टीम ने बांग्लादेश पर विजय प्राप्त की इसके बाद भूटान मलेशिया इंडोनेशिया और श्रीलंका के साथ मैच होने के बाद भारतीय टीम सेमीफाइनल तक पहुंची।

स्वाद से समझौता नहीं प्रदर्शन में कोई कमी नहीं

वैभव सूर्यवंशी का अनूठा डाइट प्लान

नई दिल्ली।

आधुनिक क्रिकेट में अब खिलाड़ियों का प्रदर्शन केवल उनके कौशल तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि फिटनेस भी टीम में चयन का एक महत्वपूर्ण पैमाना बन चुकी है। खिलाड़ी न केवल घंटों नेट पर पसीना बहाते हैं, बल्कि जिम में कठोर वर्कआउट करते हुए अनुशासित डाइट प्लान का भी पालन करते हैं पर उभरते क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी का अंदाज इससे अलग है। महज 15 साल की उम्र में अपने प्रदर्शन से सबका ध्यान खींचने वाले वैभव खाने के बहुत शौकीन हैं और किसी प्रकार का परहेज नहीं रकते। उनके इस शौक के कारण कई बार उनकी फिटनेस पर सवाल भी उठे, लेकिन मैदान पर उनके धमाकेदार खेल पर इसका कोई असर नहीं पड़ा। ऐसे में क्रिकेट प्रेमी यह जरूर जानना चाहेंगे कि आखिर 15 साल के इस उभरते हुए बल्लेबाज को किस तरह का खाना पसंद है और उनका डाइट प्लान क्या है। वैभव अपने एक बार कहा था कि उन्हें घर का बना खाना बेहद पसंद है। खासतौर पर नॉनवेज फूड में उन्हें मटन खाने का बहुत शौक है, जिसे वह बेहद चाव से खाते हैं। इसके अलावा, चिकन और हाई प्रोटीन के लिए मछली भी उनकी डाइट का हिस्सा हैं।

आईसीसी ने लॉर्ड्स और गद्दाफी स्टेडियम की पिचों को असंतोषजनक दिया करार

दुबई। लंदन के लॉर्ड्स में इंग्लैंड और न्यूज़ीलैंड के बीच पहले टेस्ट और लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में पाकिस्तान और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीसरे वनडे के लिए इस्तेमाल की गई पिचों को आईसीसी ने असंतोषजनक करार दिया है।गवर्निंग बॉडी की पिच और आउटफ़ील्ड मॉनिटरिंग प्रोसेस के तहत हर वेन्यू को एक डिमेरिट पॉइंट मिला है।दोनों वेन्यू पर मैच रेफरी - एंडी पाइक्रॉफ्ट (लॉर्ड्स) और ग्रीम ला ब्रूय (गद्दाफी स्टेडियम)- ने मैच अधिकारियों और कप्तानों की चिंताओं को बताते हुए अपनी रिपोर्ट सौंपी।

पाइक्रॉफ्ट ने लॉर्ड्स की पिच के बारे में कहा, पूरे टेस्ट के दौरान बहुत ज़्यादा सीम मूवमेंट देखने को मिला और कई बार गेंद बहुत नीचे भी रही।पूरे मैच में उछाल एक जैसा नहीं था; पहले दिन 16 और दूसरे दिन 17 विकेट गिरे।पिच की वजह से बल्ले के मुकाबले गेंद का पलड़ा बहुत भारी रहा। गद्दाफी स्टेडियम की पिच के बारे में ला ब्रूय ने रिपोर्ट दी, पिच धीमी और नीची थी, जिससे रन बनाना बहुत मुश्किल हो गया।यह वनडे इंटरनेशनल मैच के लिए सही नहीं थी क्योंकि बल्लेबाजों को जमने में ज़्यादा समय लग रहा था।मैच की शुरुआत से ही स्पिन को मदद मिली और पूरे मैच के दौरान यही स्थिति बनी रही। आईसीसी ने ये रिपोर्ट क्रमशः इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को भेज दी हैं।दोनों बोर्ड के पास इस सज़ा के खिलाफ अपील करने के लिए 14 दिन का समय है।

मिले हुए डिमेरिट पॉइंट पांच साल की अवधि तक लागू रहते हैं।आईसीसी के नियम के अनुसार, जब किसी वेन्यू को छह डिमेरिट पॉइंट मिलते हैं (या वह उस सीमा को पार कर जाता है), तो उसे 12 महीने के लिए कोई भी इंटरनेशनल क्रिकेट मैच आयोजित करने से सस्पेंड कर दिया जाएगा।

डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई नेक्सजेन विजय कुमार मेमोरियल में अभिषेक कुमार की दमदार शुरुआत

लखनऊ। पंचकूला के 24 वर्षीय अभिषेक कुमार ने त्रुटिरहित पांच-अंडर 65 का कार्ड खेलकर लखनऊ गोल्फ क्लब में खेले जा रहे 25 लाख रुपये इनामी राशि वाले डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई नेक्सजेन विजय कुमार मेमोरियल के पहले दौर के बाद दो शॉट की बढ़त हासिल कर ली।शॉटगन प्रारूप में पांचवें होल से शुरुआत करने वाले अभिषेक ने बिना कोई बोगी किए पांच बर्डी लगाईं और एकल बढ़त हासिल की।पंचकूला के इस गोल्फर ने फरवरी में फरीदाबाद में आयोजित सत्र के पहले डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई नेक्सजेन टूर्नामेंट में जीत दर्ज की थी और फिलहाल नेक्सजेन ऑर्डर ऑफ मेरिट में चौथे स्थान पर हैं।अभिषेक की नजर नेक्सजेन ऑर्डर ऑफ मेरिट में शीर्ष स्थान हासिल करने पर भी है।

एमआर अर्जुन और हरिहरन अमसाकरुनन दूसरे राउंड में

सिडनी।

मंगलवार को सिडनी में ऑस्ट्रेलियन बैडमिंटन ओपन 2026 टूर्नामेंट में भारत के एमआर अर्जुन और हरिहरन अमसाकरुनन पुरुष डबल्स के क्वार्टर-फ़ाइनल में पहुँच गए। पिछले हफ़्ते इंडोनेशिया ओपन सुपर 1000 में क्वार्टर-फ़ाइनल तक पहुँचने वाली भारतीय बैडमिंटन जोड़ी ने ओलंपिक बुलेवार्ड में अपने शुरुआती राउंड के मैच में अमेरिकी जोड़ी आर्डेन क्वान ली और स्टेनली ज़ंगि को 21-13, 21- से हराने में बहुत कम समय लिया।एमआर अर्जुन और हरिहरन अमसाकरुनन, जो तेज़ी से वर्ल्ड बैडमिंटन रैंकिंग में 27वें स्थान पर पहुँचे हैं, ने पहला गेम शुरू से अंत तक अपनी पकड़ में रखा और आसानी से जीत लिया।131वीं रैंकिंग वाली अमेरिकी जोड़ी ने दूसरे गेम की शुरुआत में कड़ी टक्कर दी और ब्रेक के समय सिर्फ़ एक अंक पीछे थी। हालांकि, खेल फिर से शुरू होने के बाद उनकी चुनौती कमज़ोर पड़ गई क्योंकि भारतीय जोड़ी ने तेज़ी से अगले 10 अंक हासिल किए और खुद सिर्फ़ दो अंक गंवाए, और सीधे गेम में मैच जीत लिया।

इस बीच, टूर्नामेंट में भारत की एक और पुरुष डबल्स जोड़ी - अच्युतादित्य राव डोड्डावरपु और अर्जुन रेड्डी पोचाना-शुरुआती राउंड में स्थानीय जोड़ी कांकी इगावा और ओई ये हर्न से 21-15, 21-15 से हारकर बाहर हो गई।

ईंधन संकट के बीच इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग में जबरदस्त उछाल

नयी दिल्ली। पश्चिम एशिया संकट के कारण ईंधन की आपूर्ति में बाधा और कीमतों में वृद्धि के बीच इस साल मई में देश में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की खुदरा बिक्री में जबरदस्त उछाल देखने को मिला।वाहन डीलरों के शीर्ष संगठन फाडा द्वारा मंगलवार को जारी आंकड़ों में सभी प्रकार के वाहनों में इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री और हिस्सेदारी बढ़ी है।इस साल मई में देश में कुल 26,682 इलेक्ट्रिक यात्री वाहन बिके।यह पिछले साल मई के मुकाबले 81.20 प्रतिशत अधिक है।साथ एक साल में बाजार हिस्सेदारी भी 4.5 प्रतिशत से बढ़कर 6.6 प्रतिशत पर पहुंच गयी।यात्री वाहनों में कार, उपयोगी वाहन और वैन आते हैं।इस श्रेणी में 10,340 इकाई के साथ टाटा मोटर्स पहले, महिंद्रा एंड महिंद्रा (6,210) दूसरे और जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया (4,984) तीसरे स्थान पर रही।इलेक्ट्रिक दुपहिया वाहनों की बिक्री सालाना 62.76 प्रतिशत बढ़कर 1,70,733 इकाई हो गयी। कुल दुपहिया बिक्री में इसकी हिस्सेदारी मई 2025 के 6.1 एक प्रतिशत से बढ़कर 9.3 प्रतिशत पर पहुंच गयी।दुपहिया की श्रेणी में 42,459 इलेक्ट्रिक वाहनों के साथ टीवीएस मोटर कंपनी पहले स्थान पर रही।बजाज ऑटो (39,202) का दूसरा और एथर एनर्जी (28,240) का तीसरा स्थान रहा।इलेक्ट्रिक तिपहिया की बिक्री मई में सालाना 8.59 प्रतिशत बढ़ी और 71,867 इकाई पर रही।एक साल में इस खंड में ईवी की हिस्सेदारी 61.5 प्रतिशत से बढ़कर 64.4 प्रतिशत पर पहुंच गयी।इस श्रेणी में बजाज ऑटो 11,905 इकाई के साथ महिंद्रा समूह को पीछे छोड़ते हुए एक बार फिर पहले स्थान पर पहुंच गया।महिंद्रा समूह 11,149 इकाई के साथ दूसरे स्थान पर रहा।तीसरा स्थान टीवीएस मोटर कंपनी (3,590) का रहा।इलेक्ट्रिकल वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री में सालाना 119.4 प्रतिशत का जबरदस्त उछाल देखा गया और यह 2,400 इकाई पर रही।

सोने-चांदी में लगातार दूसरे दिन गिरावट

सोना 1,54,766 रुपए, चांदी 2,44,946 रुपए प्रति किलोग्राम

नई दिल्ली।

सोमवार को बड़ी गिरावट के बाद मंगलवार को भी सोने और चांदी की कीमतों में कमी का सिलसिला जारी रहा, जिससे निवेशकों में चिंता गहरा गई है। वैश्विक बाजारों में कमजोरी, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और महंगाई को लेकर बढ़ती आशंकाएं कीमती धातुओं पर भारी पड़ रही हैं। एमसीएक्स पर, 10 ग्राम सोना मामूली गिरावट के साथ 1,54,766 रुपए पर कारोबार कर रहा था। वहीं चांदी में 1,443 रुपए की उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई, जिससे एक किलोग्राम चांदी का भाव 2,44,946 रुपए पर आ गया। इससे पहले सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोने की कीमत में 1,100 रुपए की बड़ी गिरावट दर्ज की गई थी, जिसके बाद यह 1,58,800 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। चांदी भी 5,000 टूटकर 2,55,700 रुपएप्रति किलोग्राम पर आ गई थी, जो पिछले सत्र के 2,60,700 रुपए से कम थी।

विश्लेषकों के अनुसार, कीमती धातुओं में यह गिरावट हालिया कमजोर रुझान का ही विस्तार है। उनका मानना है कि निवेशक अब सुरक्षित निवेश के बजाय ऊर्जा की बढ़ती कीमतों से महंगाई पर पड़ने वाले असर पर कहीं अधिक ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

अडानी एनर्जी करेगी स्मार्ट मीटर बनाने वाली कंपनी इंटेलीस्मार्ट का अधिग्रहण

अहमदाबाद। देश की अग्रणी निजी ट्रांसमिशन कंपनी और ऊर्जा समाधान प्रदाता अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड (एईएसएल) ने इंटेलीस्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड की शत-प्रतिशत इक्विटी हिस्सेदारी खरीदने के लिए एक पक्का समझौता किया है।इंटेलीस्मार्ट स्मार्ट मीटर बनाती है और नेशनल इन्वेस्टमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर फंड (एनआईआईएफ) तथा एनर्जी एफिशिएंसी सर्विसेज लिमिटेड (ईईएसएल) के बीच एक संयुक्त उद्यम है।इस प्रस्तावित अधिग्रहण के बाद देश के सबसे बड़े स्मार्ट मीटरिंग प्लेटफॉर्म के रूप में अडानी एनर्जी की स्थिति और मजबूत होगी।उसका पोर्टफोलियो बढ़कर 4.7 करोड़ से अधिक स्मार्ट मीटरों पर पहुंच जायेगा।नकद 3,050 करोड़ रुपये के इस प्रस्तावित सौदे में अडानी समूह की कंपनी इंटेलीस्मार्ट की शत-प्रतिशत इक्विटी शेयर पूंजी का अधिग्रहण करेगी और एनआईआईएफ के पास मौजूद इंटेलीस्मार्ट के वैकल्पिक रूप से परिवर्तनीय डिबेंचरों के बदले उसे भुगतान करेगी।इस सौदे को अभी नियामकीय और अन्य आवश्यक मंजूरियां मिलनी शेष है।इंटेलीस्मार्ट के पास उत्तर प्रदेश, गुजरात, मध्य प्रदेश, बिहार और असम में 2.2 करोड़ से अधिक स्मार्ट मीटरों का पोर्टफोलियो है।अडानी एनर्जी की प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि इन उच्च-विकास वाले उपभोक्ता बाजारों में कंपनी की मजबूत उपस्थिति भविष्य के विस्तार के लिए महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करती है।एईएसएल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) कंदर्प पटेल ने कहा कि इंटेलीस्मार्ट का अधिग्रहण अडानी एनर्जी की क्षमता और कार्यान्वयन कौशल को बढ़ायेगा तथा तकनीक-आधारित समाधानों के माध्यम से देश के बिजली वितरण क्षेत्र के आधुनिकीकरण में योगदान देने में सक्षम बनायेगा।इंटेलीस्मार्ट के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ अनिल रावल ने कहा, इंटेलीस्मार्ट इस महत्वपूर्ण सौदे का हिस्सा बनने पर गर्व महसूस करता है।

जेम पोर्टल ने सरकारी विभागों की खरीद प्रणाली को पारदर्शी, समावेशी बनाया: वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

नयी दिल्ली। सरकारी ई-वाणिज्य मंच (जेम) पर आपूर्तिकर्ता के रूप में पंजीकृत सूक्ष्म और लघु (एमएसई) इकाइयों की संख्या बढ़ कर 11.9 लाख जो गयी है और सरकारी विभाग,सार्वजनिक उपक्रमों और एजेंसियां इन इकाइयों को 2.17 करोड़ ऑर्डर जारी कर उनसे 8.69 लाख करोड़ रुपये की खरीद कर चुकी हैं।वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की मंगलवार को जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि जेम से सरकारी तंत्र में डिजिटल, पारदर्शी और समावेशी सार्वजनिक खरीद का चलन प्रबल हुआ है।इसके माध्यम से सरकारी खरीद में तेज वृद्धि के साथ महिलाओं, स्टार्टअप और अनुसूचित जाति एंव अनुसूचित जनजाति की एमएसई आपूर्तिकर्ता इकाइयों का योगदान बढ़ा है।मंत्रालय ने कहा है कि जेम से सरकारी तंत्र में डिजिटल, पारदर्शी और समावेशी सार्वजनिक खरीद का चलन प्रबल हुआ है।9 अगस्त 2016 को अपनी स्थापना के बाद से इस ई-बाजार मंच ने सार्वजनिक खरीद प्रक्रिया को काफी हद तक मानवीय तरीके और खंडित प्रक्रिया से बदलकर एक डिजिटल और डेटा-आधारित प्रणाली में बदल दिया है।सरकारी विभागों एवं उपक्रमों को माल और सेवा की आपूर्ति में दूरदराज के इलाकों से भी आपूर्तिकर्ताओं की व्यापक भागीदारी संभव हुई है।विज्ञप्ति के अनुसार जेम प्लेटफॉर्म पर सूक्ष्म और लघु उद्यमों (एमएसई) की भागीदारी में वृद्धि हुई है।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

सेंसेक्स 394, निफ्टी 119 अंक उछला

मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी वैश्विक बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों और इजराइल-ईरान के बीच तनाव में कमी होने की संभावना से आई है। इससे आज बाजार में रिकवरी रही। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 394.50 अंकों की बढ़त के साथ ही 73,918.76 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 119.10 अंक उछलकर 23242.10 के स्तर पर बंद हुआ। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से भी बाजार धारणा मजबूत हुई है। आज के कारोबार के दौरान सेंसेक्स के 30 में से अधिकतर शेयर तेजी के साथ बंद हुए। सबसे ज्यादा बढ़त आईसीआईसीआई बैंक, एसबीआईएन और बजाज फाइनेंस के शेयरों में रही जबकि टाइटन , पावर ग्रिड, टेक महिन्द्रा और भारती एयरटेल के शेयर गिरे। वहीं आज एनएसई पर मिडकैप ओर स्मॉलकैप शेयरों में तेजी रही। 100 इंडेक्स करीब 1.40 फीसदी तक उछल गया। वहीं निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स भी करीब 1.70 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ है। आज ज्यादातर इंडेक्स बढ़त के साथ बंद हुए हैं। सबसे ज्यादा खरीदारी निफ्टी पीएसयू बैंक में रही । इसके अलावा निफ्टी प्राइवेट बैंक और रियल्टी इंडेक्स में भी तेजी रही। निफ्टी ऑटो में करीब 1.35 फीसदी की तेजी दर्ज की गयी। इसके अलावा निफ्टी एफएमसीजी, मेटल, फार्मा, हेल्थकेयर इंडेक्स और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स के शेयर ऊपर आये हैं जबकि निफ्टी आईटी और मीडिया इंडेक्स के शेयर गिरे हैं।

वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार के प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में तेजी दर्ज की गई। बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 350.57 अंक की बढ़त के साथ 73,874.83 अंक पर पहुंच गया। वहीं निफ्टी शुरुआती कारोबार में 114.50 अंक उछलकर 23,237.50 अंक पर कारोबार कर रहा था।

वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में नरमी देखी गई। ब्रेंट क्रूड 1.15 फीसदी की गिरावट के साथ 93.17 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। एशिया के अन्य बाजारों में भी सुधार देखने को मिला। दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की 225 और चीन का शंघाई कंपोजिट सूचकांक बढ़त में रहे, जबकि हांगकांग का हैंगसेंग मामूली गिरावट में रहा। अमेरिकी बाजार सोमवार को ज्यादातर बढ़त के साथ बंद हुए थे। आंकड़ों के अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सोमवार को 5,555.67 करोड़ रुपये के शेयरों की बिकवाली की।

चावल, गेहूं, चीनी, खाद्य तेलों में तेजी का दौर

नयी दिल्ली।

घरेलू थोक जिंस बाजारों में मंगलवार को चावल का औसत भाव बढ़ गया।चावल के साथ गेहूं, चीनी और खाद्य तेलों में भी तेजी रही।दालों की कीमतों में उतार-चढ़ाव का रुख देखा गया।औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 15 रुपये बढ़कर 3,884 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गयी। गेहूं आठ रुपये महंगा हुआ और 2,784 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया।आटे की कीमत भी 12 रुपये बढ़ गयी।

दाल-दलहनों में उड़द दाल की औसत कीमत 30 रुपये और मूंग दाल की 26 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी।वहीं, तुअर दाल छह रुपये और चना दाल पांच रुपये सस्ती हुई।मसूर दाल के भाव में लगभग टिकाव रहा।मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में अगस्त का पाम ऑयल वायदा 48 रिंगिट गिरकर 4,527 रिंगिट प्रति टन बोला गया।वहीं, जुलाई का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.66 प्रतिशत की बढ़त में 75.05 सेंट प्रति पौंड के भाव बोला गया।स्थानीय बाजारों में मूंगफली तेल की औसत कीमत 94 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी।सोया तेल 75 रुपये और वनस्पति 49 रुपये महंगा हुआ।

सूरजमुखी तेल की कीमत 13 रुपये और पाम ऑयल की दो रुपये प्रति क्विंटल बढ़ी। सरसों तेल के दाम कमोबेश गत दिवस के स्तर पर ही रहे।मीठे के बाजार में आज गुड़ का औसत भाव 13 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गया।

सिंहस्थ के लिए प्रगति पर हैं 16 हजार 910 करोड़ के 148 विकास व निर्माण कार्य : मुख्यमंत्री

सिंहस्थ 2028 के लिए 17 नए विकास कार्यों को मिली मंजूरी, ओंकारेश्वर में बनेगा हेलीपेड

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सिंहस्थ 2028 के भव्य और दिव्य आयोजन के लिए जारी बेहतर रोड नेटवर्क के लिए इंफ्रॉस्ट्रक्चर निर्माण, शिप्रा घाटों के निर्माण, पुण्य स्नान के लिए जल की पर्याप्त उपलब्धता, श्रद्धालुओं के ठहरने और आवागमन की सुगम व्यवस्था तय समय-सीमा में पूर्ण की जाए। बेहतर प्रबंधन के लिए स्टाफिंग और उनके प्रशिक्षण की प्रक्रिया तत्काल प्रभाव से आरंभ हो। भीड़ प्रबंधन, सुरक्षा के लिए अद्यतन तकनीक के उपयोग और आपदा प्रबंधन व चिकित्सा सुविधाओं के लिए माइक्रो प्लानिंग की जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंगलवार को मंत्रालय में हुई सिंहस्थ 2028 की मंत्रि-मंडलीय समिति की छठवीं बैठक में यह दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-मंडलीय समिति ने 491.66 करोड़ रुपये की लागत के 17 नए विकास कार्यों को मंजूरी दी। बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उज्जैन एवं आसपास के 07 जिलों में जारी 16 हजार 910 करोड़ से अधिक लागत के 148 विकास एवं निर्माण कार्यों की समीक्षा की और संबंधित विभागों के अधिकारियों को

आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

ओंकारेश्वर के निर्माण कार्य स्वीकृत

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में हुई बैठक में ओंकारेश्वर मंदिर परिसर के 160 करोड़ रूपए लागत के निर्माण कार्य, नगर परिषद ओंकारेश्वर में 12.63 करोड़ रूपए लागत की सीसी रोड निर्माण, ओंकारेश्वर रोड सनावद पर 9.23 करोड़ रूपए लागत के रेलवे आरओबी निर्माण, ओंकारेश्वर में 24.99 करोड़ रूपए लागत की मल्टी लेवल पार्किंग, फूड कोर्ट, टॉयलेट और एडमिन ब्लॉक निर्माण, ओंकारेश्वर में 1.46 करोड़ रूपए लागत के बैरिक तथा प्रशिक्षण हॉल आदि के निर्माण, 4.74 करोड़ रूपए लागत से अस्पताल और स्टाफ क्वार्टर, 38 करोड़ रूपए लागत की 3 फ्लोर कुबेर भंडारी पार्किंग और 12.68 करोड़ रूपए लागत से अस्पताल भवन उन्नयन कार्यों को भी स्वीकृति प्रदान की गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिंहस्थ2028 के लिए जारी विभिन्न गतिविधियों की विभागवार समीक्षा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ओंकारेश्वर में सर्वसुविधायुक्त अस्पताल बनाने और हेलीपैड बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह निर्माण आपदा की स्थिति में विशेष रूप से सहायक होंगे। एयर एम्बुलेंस के संचालन में भी इससे मदद मिलेगी।

ओंकारेश्वर-बड़वाह क्षेत्र के विकास के लिए पृथक प्राधिकरण गठित करें

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बड़वाह, ओंकारेश्वर, खेड़ी घाट क्षेत्र के आसपास होने वाले निर्माण कार्यों के लिए पृथक से प्राधिकरण गठित करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि इससे खंडवा खरगोन जिलों में होने वाले कार्यों का बेहतर समन्वय सुनिश्चित होगा और विकास गतिविधियां समय से पूर्ण करने में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ओंकारेश्वर के लिए वैकल्पिक मार्ग विकसित करने के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्देशित किया कि उज्जैन में शिप्रा नदी के साथ विकसित हो रहे घाटों का निर्माण चरणबद्ध रूप से पूर्ण किया जाए। घाटों तक आने-जाने के मार्गों और पार्किंग व्यवस्था का निर्माण भी साथ-साथ किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शिप्रा नदी पर बन रहे घाटों के पास के आश्रमों तथा गुरुकुलों को घाटों के प्रबंधन से जोड़ा जाए। इससे आश्रम और गुरुकुलों को मदद मिलेगी। साथ ही सिंहस्थ के बाद भी घाटों का दीर्घकालिक उपयोग हो सकेगा।

पुलिस-प्रशासन-नगर निगम बेहतर समन्वय के लिए अभी से अभ्यास करें

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सिंहस्थ 2028 के लिए सम्पर्ण व्यवस्था और सुरक्षा प्रबंधन का समन्वय कंट्रोल रूम से होगा। इसका सम्पूर्ण नियंत्रण पुलिस द्वारा सुनिश्चित किया जाएगा। पुलिस, जिला प्रशासन, नगर निगम तथा अन्य सभी एजेंसियां बेहतर समन्वय सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिये कि इसके लिए प्रशिक्षण और अभ्यास की प्रक्रिया अभी से आरंभ की जाए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मार्ग चौड़ीकरण के लिए अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई में कोई भेदभाव न हो, सबके लिए एक समान कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ऐसे मामलों में तत्काल मुआवजा भी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

उज्जैन क्षेत्र में 15 लाख पेड़ लगाने का लक्ष्य

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पंचक्रोशी मार्ग पर सघन पौधरोपण सुनिश्चित किया जाए। बैठक में बताया कि उज्जैन क्षेत्र में 15 लाख पेड़ लगाने का लक्ष्य है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्देश दिये कि श्रद्धालुओं के आवागमन में सुगमता और सुविधा के लिए उज्जैन से लगे क्षेत्रों जैसे देवास, इंदौर, खंडवा, आगर-मालवा, शाजापुर, मंदसौर और खरगोन आदि में भी उपयुक्त विकास कार्य किए जाएं।

पीने के पानी, छायादार स्थलों, जनसुविधा केन्द्रों, पार्किंग एरिया, आवासीय सुविधा उपलब्ध कराने के लिए निजी भागीदारी को प्रोत्साहित किया जाए। उन्होंने मंदसौर के पशुपतिनाथ, आगर-मालवा के नलखेड़ा, देवास, महेश्वर-मंडलेश्वर आदि के मंदिरों और श्रद्धा के केन्द्रों का भी समुचित विकास किया जाए तथा श्रद्धालुओं के आवागमन और सुविधाजनक आवास के लिए समुचित व्यवस्था की जाए।

वरिष्ठजन की सेवा ही मानवता की सच्ची सेवा: मंत्री श्री कुशवाह

भोपाल (स्वतंत्र मत)। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण, उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण मंत्री नारायण सिंह कुशवाह ने मंगलवार को शाहजहानाबाद स्थित आसरा वृद्धाश्रम पहुंचकर वरिष्ठजन के साथ समय व्यतीत किया और उनकी सेवा कर आशीर्वाद प्राप्त किया। वृद्धाश्रम में आयोजित धार्मिक एवं सेवा कार्यक्रम के दौरान मंत्री श्री कुशवाह ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर सुंदरकांड पाठ में सहभागिता की। मंत्री श्री कुशवाह ने वृद्धाश्रम में निवासरत वरिष्ठ नागरिकों से आत्मीय संवाद कर कुशलक्षेम जानी तथा उनकी आवश्यकताओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। मंत्री श्री कुशवाह ने वृद्धजन को वस्त्र भेंट कर भोजन प्रसादी भी वितरित की। उन्होंने कहा कि समाज के वरिष्ठजन अनुभव, संस्कार और परंपराओं के संवाहक हैं। उनका सम्मान, सेवा और देखभाल करना प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है।

मंत्री श्री कुशवाह ने कहा कि वृद्धजन के स्नेहपूर्ण आशीर्वाद और उनके चेहरे पर आई मुस्कान से उन्हें आत्मिक शांति एवं संतोष की अनुभूति हुई। उन्होंने समाज से वरिष्ठ नागरिकों के प्रति संवेदनशीलता और सम्मान का भाव बनाए रखने का आहवान किया। वृद्धाश्रम के बुजर्गों ने मंत्री श्री कुशवाह के इस आत्मीय प्रयास की सराहना करते हुए उन्हें आशीर्वाद प्रदान किया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने वरिष्ठजन की सेवा को भारतीय संस्कृति और मानवीय मूल्यों का सशक्त प्रतीक बताया।

मुख्यमंत्री ने विश्व योगासन चैम्पियनशिप 2026 के पदक विजेताओं को दी बधाई

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पहली विश्व योगासन चैम्पियनशिप 2026 के पदक विजेता खिलाड़ियों को बधाई और उनके उज्जवल भविष्य के लिए कामना की हैं। उल्लेखनीय है कि यह प्रतियोगिता हाल ही में गुजरात के अहमदाबाद में आयोजित की गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने संदेश में कहा कि हमारे खिलाड़ियों ने विश्व पटल पर भारत की योग शक्ति का स्वर्णिम परचम लहराया है।

रस्सी टूटने से पिता-पुत्र की मौत

पथरिया (स्वतंत्र मत)। दमोह जिले के पथरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बांसाकला में मंगलवार को एक हृदयविदारक हादसे में पिता-पुत्र की मौत हो गई। कुएं से मोटर निकालने के दौरान रस्सी टूट जाने से दोनों कुएं में गिर गए जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल फैल गया। जानकारी के अनुसार ग्राम बांसाकला निवासी रामदयाल ठाकुर 55 वर्ष एवं उनके पुत्र संजय ठाकुर 35 वर्ष खेत में स्थित कुएं से मोटर निकालने का कार्य कर रहे थे। इसी दौरान मोटर को ऊपर खींचने वाली रस्सी अचानक टूट गई। रस्सी टूटते ही दोनों संतुलन खो बैठे और सीधे कुएं में जा गिरे। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीण

कुएं से मोटर निकालते समय दर्दनाक हादसा

बड़ी संख्या में मौके पर पहुंच गए। सूचना पर पथरिया थाना पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंची और ग्रामीणों की सहायता से दोनों को कुएं से बाहर निकाला गया लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। बताया गया कि मृतक संजय ठाकुर पथरिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ऑपरेटर के पद पर कार्यरत थे। उनकी असामयिक मृत्यु से स्वास्थ्य विभाग सहित पूरे क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई है। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई कर दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रारंभिक जांच में हादसे का कारण रस्सी का टूटना बताया जा रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। इस दर्दनाक घटना के बाद ग्राम बांसाकला में मातम पसरा हुआ है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है तथा पूरे गांव में शोक की लहर व्याप्त है।

प्रधानमंत्री को 12 वर्ष के निरंतर कार्यकाल के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दी बधाई

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रि-परिषद की बैठक से पहले सदस्यों को किया संबोधित

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि 9 जून का दिन विशेष महत्व का है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 12 वर्ष के निरंतर कार्यकाल का आज के बाद रिकॉर्ड बनने वाला है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री श्री मोदी को मंत्रि-परिषद की ओर से बधाई देते हुए कहा कि इस उपलब्धि के लिए 5 से 21 जून तक प्रदेश में कल्याणकारी गतिविधियों से संबंधित विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंत्रालय में मंत्रि-परिषद की बैठक से पहले मंत्रीगण को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव को प्रदेश के एक लाख संविदा कर्मचारी-अधिकारियों की 4.5 प्रतिशत वार्षिक वेतन वृद्धि के लिए राज्य मंत्री श्रीमती कृष्णा गौर ने उन्हें बधाई दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह तथा सामाजिक न्याय एवं दिव्यांग जनकल्याण एवं उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाहा को जन्म दिवस की मंगलकामनाएं दीं।

प्रत्येक विकासखंड और नगरीय निकायों पर लगेंगे जनकल्याण शिविर - मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून से अंतर्राष्ट्रीय योग

दिवस 21 जून 2026 तक विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। इसके अंतर्गत 5 जून 2026 विश्व पर्यावरण दिवस पर प्रत्येक विकास खण्ड, नगरीय निकायों में एक पेड मां के नाम अभियान संचालित किया गया। अभियान में प्लास्टिक अपशिष्ट की सफाई एवं शासकीय कार्यालयों, स्कूल एवं छात्रावास में स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया जायेगा। अभियान के अंतर्गत 12 से 18 जून 2026 की अवधि में जिले के प्रत्येक विकास खण्ड, नगरीय निकाय मुख्यालयों पर जनकल्याण शिविर आयोजित होंगे। इनमें केन्द्र एवं प्रदेश सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के छूटे हुए पात्र लाभार्थियों के पंजीकरण किए जायेंगे। शिविर 03 दिवसीय होगा। प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने के लिए 19 एवं 20 जून 2026 को प्रत्येक जिले में 2 स्थानों पर कृषि विशेषज्ञों, वैज्ञानिकों और अन्य अनुभवी व्यक्तियों द्वारा प्रदर्शन तथा व्याख्यान सहित प्राकृतिक खेती कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2026 प्रत्येक विकासखण्ड और नगरीय निकायों में स्थानीय योग समूह के सहयोग से मनाया जाएगा।

सोलर रूफटॉप को करें प्रोत्साहित - मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना में प्रदेश में अब तक 2 लाख से अधिक उपभोक्ता नामांकित हो चुके है। अगले 6 माह में 6 लाख से अधिक नामांकन करना है। मार्च 2027 तक घरों की छत पर पीएम सूर्य घर योजना का लाभ लेकर सोलर सिस्टम लगवाने वाले उपभोक्ताओं को निर्धारित सब्सिडी का लाभ भी मिलेगा।

विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य और तनाव प्रबंधन के लिए बैठक आयोजित

कलेक्टर ने ली जिला स्तरीय मॉनीटरिंग कमेटी की बैठक

दमोह (स्वतंत्र मत)। कलेक्टर प्रताप नारायण यादव की अध्यक्षता में जिला स्तरीय मानीटरिंग कमेटी की बैठक जिला कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक में नेशनल टास्क फोर्स के अंतर्गत जिले के उच्च शिक्षण संस्थानों में विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य संबंधी एवं विद्यार्थियों में बढ़ते आत्महत्या के मामलों को न्यून करने के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई बैठक में जिले के समस्त

शासकीय/अशासकीय महाविद्यालयों एवं छात्रावासों में विद्यार्थियों का उन्मुखीकरण कार्यक्रम, नशा मुक्ति, तनाव एवं समय प्रबंधनए छात्रावासों का निरीक्षणए कोचिंग संस्थानों का निरीक्षण आदि पर विस्तृत चर्चा की गई, सभी शैक्षणिक संस्थानों में इमरजेंसी नम्बर, लिखवाने, हेल्प डेस्क गठित करने का निर्णय लिया गया। जुलाई में विद्यार्थियों एवं विद्यार्थियों के पालकों के लिये विद्यार्थियों के तनाव प्रबंधन, मानसिक स्वास्थ्य संबंधी ऑनलाइन ऑफलाइन कार्यक्रम आयोजित करने के संबंध में चर्चा की गई।

बैठक में जिला स्तरीय मानीटरिंग कमेटी के सदस्य, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, महिला बाल विकास अधिकारी,सामाजिक कल्याण संयोजक, जिला संयोजक आदिम जाति कल्याण विभाग, डॉ. आलोक कुमार, प्राचार्य शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय दमोह तथा डिस्ट्रिक्ट टास्क फोर्स के प्रभारी डॉ. आरपी अहरवाल, सहायक प्राध्यापक एवं डॉ. नेहा जैन सहायक प्राध्यापक उपस्थित रहे।

हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी की समस्याओं को दूर करने कलेक्टर से लगाई गुहार

हटा (स्वतंत्र मत)। नगर के चण्डी जी वार्ड में निर्माणाधीन हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में निर्माण कार्यों की गुणवत्ता एवं अधूरे कार्यों को लेकर आवंटियों ने मंगलवार को कलेक्टर जनसुनवाई में पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। आवंटियों का आरोप है कि कॉलोनी के मकानों का निर्माण कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा नहीं हुआ है तथा कई मकानों में गंभीर खामियां बनी हुई हैं। आवंटियों ने बताया कि हाउसिंग बोर्ड अधिकारियों द्वारा कुछ समय पूर्व पर्ची के माध्यम से मकानों का आवंटन कर दिया गया था लेकिन आज तक अधिकांश मकानों का निर्माण कार्य पूर्ण नहीं हो सका है।

कई मकानों में फर्श, विद्युत फिटिंग, पाइपलाइन, दीवारों में दरारें, बाउंड्री वॉल, नल फिटिंग, खिड़की दरवाजे तथा किचन से संबंधित कार्य अधूरे पड़े हैं। उनका कहना है कि ठेकेदार की उदासीनता के कारण निर्माण कार्य लगातार प्रभावित हो रहा है।

जनसुनवाई में दिए गए लिखित आवेदन में आवंटियों ने उल्लेख किया कि वर्ष 2024 तक कॉलोनी निर्माण पूर्ण कर मकानों का अधिपत्य दिया जाना थाए लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इसके बावजूद आवंटियों से पूरी राशि वसूल कर ली गई तथा निर्धारित मूल्य से लगभग 4.24 प्रतिशत अतिरिक्त राशि भी ली गई है। आवंटियों ने अधूरे मकानों के कारण भुगतान की गई राशि पर ब्याज एवं हर्जाना देने की मांग की है।

नीट परीक्षा की तैयारी के लिए समीक्षा बैठक 12 को

दमोह (स्वतंत्र मत)। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी एनटीए द्वारा 21 जून दिन रविवार को जिले के तीन परीक्षा केंद्रो केंद्रीय विद्यालय दमोह, शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय दमोह तथा पीएम श्री कॉलेज आफ एक्सीलेंस ज्ञानचंद श्रीवास्तव शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय दमोह में नीट परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। उक्त परीक्षा की तैयारी हेतु 12 जून दिन शुक्रवार प्रातः 11 बजे से तैयारी बैठक का आयोजन कलेक्ट्रेट दमोह के सभाकक्ष में किया गया है।

सुभाष वार्ड में झूलती केबल से बढ़ा हादसे का खतरा

हटा (स्वतंत्र मत)। नगर के सुभाष वार्ड में विद्युत मंडल की लापरवाही के चलते झूलती विद्युत केबल वार्डवासियों के लिए खतरे का कारण बनी हुई है। जैन मंदिर के सामने से सैनी के घर होते हुए नीलू पाठक के घर की ओर जाने वाली गली में सप्लाई लाइन की केबल खंभे से नीचे झूल रही है जिससे कभी भी गंभीर दुर्घटना हो सकती है। स्थानीय लोगों ने बताया कि इस संबंध में कई बार विद्युत मंडल के अधिकारियों तथा शिकायत केंद्र 1912 पर शिकायत दर्ज कराई गई लेकिन अब तक समस्या का समाधान नहीं किया गया है। वार्डवासियों का कहना है

कि गली से प्रतिदिन बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों का आवागमन रहता है, ऐसे में नीचे झूलती केबल लोगों की चिंता बढ़ा रही है।

गौरतलब है कि पिछले कई महीनों से विद्युत मंडल द्वारा नगर में मेंटेनेंस के नाम पर छहछह घंटे की बिजली कटौती की जा रही है। इसके बावजूद मोहल्लों और गलियों में विद्युत लाइनों की खराब स्थिति विभागीय कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर रही है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते केबल को दुरुस्त नहीं किया गया तो कोई बड़ा हादसा हो सकता है। इस संबंध में सहायक यंत्री आरके सहाय ने कहा कि उन्हें मामले की जानकारी दी गई है और झूलती केबल को शीघ्र ठीक कराने के निर्देश दिए जाएंगे। वार्डवासियों ने विद्युत विभाग से तत्काल कार्रवाई कर संभावित दुर्घटना को टालने की मांग की है।

सांसद लोधी ने दमोह विस के प्रमुख प्रबुद्धजनों से किया संवाद

केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर भाजपा का विशेष जनसंपर्क अभियान

दमोह (स्वतंत्र मत)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के सफल एवं जनकल्याणकारी 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भाजपा द्वारा चलाए जा रहे विशेष जनसंपर्क अभियान के अंतर्गत दमोह संसदीय क्षेत्र से सांसद राहुल सिंह लोधी द्वारा दमोह विधानसभा क्षेत्र के दमयंती नगर एवं दीनदयाल नगर मंडल में प्रबुद्धजनों से संपर्क एवं संवाद किया। कार्यक्रम के दौरान दमोह सांसद एवं भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने विभिन्न क्षेत्रों में विशिष्ट योगदान देने वाले प्रबुद्धजनों के निवास पर पहुंचकर उन्हें शाल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया तथा केंद्र एवं

राज्य सरकार द्वारा संचालित जनहितकारी योजनाओं, विकास कार्यों एवं राष्ट्र निर्माण के संकल्पों पर विस्तार से चर्चा की। इस अवसर पर जिन प्रबुद्धजनों का सम्मान कर उनसे संवाद किया गया। उनमें सेवानिवृत्त शिक्षक एवं वर्ष 2011 में राज्यपाल तथा 2013 में राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित बीएल रोहित, साहित्यकार एवं वर्ष 2024 में बाल साहित्य पुरस्कार से सम्मानित डॉ. प्रेमलता नीलम, भारतीय शास्त्रीय संगीत एवं गायन क्षेत्र में वर्ष 2002-03 में राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित श्रीमती अरुणा उज्जैनकर, वरिष्ठ शिक्षक एवं कवि तथा वर्ष 1992 में राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित श्यामसुंदर शुक्ल, वरिष्ठ चिकित्सक एवं समाजसेवी डॉ. सुदेश जैन तथा वरिष्ठ कथावाचक एवं समाजसेवी चंद्रगोपाल पौराणिक कथावाचक एवं संगीत गायन कलाकार दयाराम पौराणिक, रिटायर्ड शिक्षक विश्वनाथ सिंह पवार, जसवंत सिंह राजपूत वरिष्ठ बीड़ी ठेकेदार से मिले और उनसे संवाद किया। संवाद के दौरान प्रबुद्धजनों ने केंद्र सरकार के नेतृत्व में देश में हुए विकास कार्यों, गरीब कल्याण, महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य, शिक्षा, आधारभूत संरचना एवं आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को नई दिशा देने वाले प्रयासों की सराहना की।

CHANGE OF NAME

I, WAS KNOWN AS MEGHA KARNIK I, HAVE CHANGED MY NAME AND HENCEFORTH I, SHALL BE KNOWN AS NEHA DIGHE W/O SATISH DIGHE RESIDENT OF - 975, SHAKTI NAGAR, NEAR P N B, GUPTESHWAR, JABALPUR (M. P.) 482001.

CHANGE OF NAME

I, WAS KNOWN AS KUMUD TIWARI I, HAVE CHANGED MY NAME AND HENCEFORTH I, SHALL BE KNOWN AS NEHA DIGHE W/O SANJAY DIGHE RESIDENT OF - 975, SHAKTI NAGAR, NEAR P N B, GUPTESHWAR, JABALPUR (M. P.) 482001.

➤ जनसुनवाई में पहुंचे 182 आवेदन

कलेक्टर ने सुनी नागरिकों की समस्याएं

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। कलेक्टर कार्यालय में मंगलवार को आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने नागरिकों की समस्याएं सुनी और संबंधित विभागों के अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिये। साप्ताहिक जनसुनवाई में नागरिकों से कुल 182 आवेदन प्राप्त हुये। इनमें दोबारा आये 55 आवेदन भी शामिल थे। जनसुनवाई में आये ज्यादातर आवेदन अतिक्रमण, नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, रिकार्ड सुधार, अनुकंपा नियुक्ति, अवैध कब्जार आदि से संबंधित आवेदन थे।

➤ नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन

बाल संप्रेषण गृह में किशोरों की हुई जांच

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कृष्णमूर्ति मिश्र के मार्गदर्शन में बाल संप्रेषण गृह में निवासरत किशोरों के लिए नि: शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य बालकों के समग्र स्वास्थ्य का आकलन करना तथा उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श एवं उपचार उपलब्ध कराना था।परामर्श के बाद जरूरतमंद बालकों को दवाइयों का वितरण भी किया गया।

जरा सी बारिश में मची त्राहि-त्राहि

मानसून से पहले तैयारी की खुली पोल

बड़े-बड़े दावों की निकली हवा, जलमग्न हुए कई इलाके

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

जिला प्रशासन द्वारा मानसून से पहले की तैयारी चंद मिनिट की बारिश में ही नजर आ गई। मंगलवार को लगभग आधा घंटे हुई बारिश में शहर के कई इलाकें जलमग्न हो गए। स्थिति ऐसी थी की लोगों के कमर के हिस्से वर्षा का जल भरा हुआ नजर आया। दरअसल, मंगलवार की शुरुआत हमेशा की तरह बेहद कशमकश भरी रही। दोपहर तक तेज धूप और चिपचिपाती उमस ने लोगों को जमकर बेहाल किया, जिससे ऐसा लग रहा था कि गर्मी से राहत नहीं मिलेगी। लेकिन शाम होते-होते मौसम ने अचानक करवट ली। आसमान में काले-घने बादलों का डेरा जमा और देखते ही देखते तेज हवाओं के साथ झमाझम पानी गिरने लगा। बारिश का वेग इतना तेज था कि शहर के मेडिकल कॉलेज रोड समेत आसपास के कुछ इलाकों में बारिश के साथ छोटे-छोटे ओले भी गिरे। इस मानसूनी फुहार के बाद पारे में भी गिरावट दर्ज की गई है, जिससे वातावरण में अच्छी-खासी ठंडक घुल गई है। मौसम विभाग के मुताबिक मंगलवार को अधिकतम तापमान 40 डिग्री एवं न्यूनतम तापमान 28.5 डिग्री दर्ज किया गया।

कई क्षेत्रों में हुआ भारी जलभराव

अचानक हुई तेज बारिश ने आमजनों को गर्मी से तो राहत पहुंचाई मगर सड़कों पर हुई जलभराव के कारण राहगीरों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। शहर के ग्वारीघाट और मदनमहल इलाके की सड़कें तो मानों किसी तालाब की तरह नजर आ रही थी। वहीं मदन महल स्टेशन के पास बना अंडर ब्रिज हर साल की भांती पानी से लबालब हो गया। इसके अलावा स्नेह नगर, यादव कॉलोनी, चेरीताल, गढ़ा, तुलाराम चौक, उड़िया मोहल्ला, नया मोहल्ला, गुरंदी मुकदमगंज आदि क्षेत्रों में भी जलभराव देखने को मिला। ऐसे हालातों को देखते हुए आमजनों का कहना है कि यदि जिला प्रशासन द्वारा वक्त रहते जल निकासी एवं नालें-नालियों की सफाई नहीं की गई तो आने वाले मानसून में शहरवासियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता हैं।

फोटो: अनिल तिवारी

रेगिस्तान बनी हिरन नदी, भारी जल संकट से जूझ रहे कई गांव

सिहोरा, खितौला वासियों ने की नहर से तत्काल पानी छोड़ने की मांग

सिहोरा (स्वतंत्र मत)

सिहोरा क्षेत्र की जीवनरेखा मानी जाने वाली हिरन नदी इन दिनों बदहाल स्थिति में पहुंच गई है। जून की शुरुआत के साथ ही नदी का अधिकांश हिस्सा सूख चुका है, जिससे सिहोरा-खितौला क्षेत्र में गंभीर जल संकट खड़ा हो गया है। खितौला स्थित फिल्ट्रेशन प्लांट के लिए नदी में पर्याप्त पानी नहीं होने से बीते 10 दिनों से जलापूर्ति पूरी तरह बंद है, जिसके कारण नगर के कई वार्डों में पेयजल संकट गहरा गया है। नदी में जलस्तर खत्म होने से फिल्ट्रेशन प्लांट का संचालन प्रभावित हुआ है। नगरवासियों को पेयजल के लिए वैकल्पिक व्यवस्थाओं पर निर्भर होना पड़ रहा है।

बताया जा रहा है कि खिन्नी, कैथरा, चन्नौटा, मल्हना, कूड़ा, कंजई, घाट सिमरिया, मोहतरा, ताला, देवरी और शहजपुरा सहित 11 से अधिक गांवों में हैंडपंप सूख गए हैं।

व्यापक आंदोलन की चेतावनी

ग्रामीणों को दूर-दराज के निजी बोरवेलों से पानी लाना पड़ रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि नदी में लगातार हुए अवैध रेत खनन से जलधारण क्षमता प्रभावित हुई है। हर साल गर्मी में नदी समय से पहले सूखने लगी है, जिससे संकट और गहरा रहा है। ग्रामीणों ने जल संसाधन विभाग और प्रशासन से बरगी दायीं तट नहर से तत्काल पानी छोड़े जाने तथा स्थायी समाधान के लिए स्टॉपडैम निर्माण की मांग की है।

वर्षों पुराने वृक्ष हुए धराशायी

मंगलवार को हुई अचानक बारिश और तेज हवाओं के कारण शहर के कई इलाकों में वर्षों पुराने वृक्ष अचानक नीचे गिर पड़े। इधर बरसात के दौरान मानस भवन रोड से गुजर रही कार पर एक एक वृक्ष जा गिरा। गनीमत रही कि इस हादसे में कार में सवार युवक बाल-बाल बच गया। हादसे के बाद कार चालक शुभम नामक युवक ने बताया कि तेज बारिश के कारण सड़क पूरी खाली थी, वहीं वह भी संभलकर नार्मल स्पीड में कार चला रहा था। उसे जरा भी अंदाजा नहीं था कि उक्त वृक्ष यूं गिर जाएगा। वहीं पेड़ गिरने से वहां खड़ी दो अन्य कार भी क्षतिग्रस्त हो गई। वहीं गौर एकता मार्केट के पास भी पेड़ गिरने से नुकसान की खबर है। बरसात और आंधी के कारण शहर के स्थानों में बिजली आपूर्ति भी प्रभावित हुई है।

समय पर सेवाएं ना देने पर अधिकारियों-कर्मचारियों पर लगा अर्थदंड

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। लोक सेवा प्रदाय गारंटी अधिनियम के अंतर्गत आवेदकों को समय सीमा के भीतर सेवाएं नहीं देने वाले जिले के 10 और अधिकारियों-कर्मचारियों पर कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह ने 250 रूपये से लेकर 2 हजार रूपये तक का अर्थदंड अधिरोपित किया गया है। दंडित अधिकारियों-कर्मचारियों में तहसीलदार, मुख्य नगर पालिका अधिकारी और पंचायत सचिव शामिल है। इन पर अधिरोपित अर्थदंड की कुल राशि 8 हजार 750 रूपये है। कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह ने दंडित अधिकारियों-कर्मचारियों को अधिरोपित किये गये अर्थदंड की राशि पांच दिन के भीतर सायबर ट्रेजरी के माध्यम से शासन के खाते में जमा करने तथा रसीद की छायाप्रति लोक सेवा प्रबंधन विभाग को प्रस्तुत करने के निर्देश दिये हैं। निर्धारित समयावधि में राशि जमा न करने की स्थिति में दंडित राशि वेतन से आहरित करने की चेतावनी इन्हें दी गई है। लोक सेवा प्रदाय गारंटी अधिनियम के तहत समय सीमा के भीतर आवेदकों को सेवाएं प्रदाय नहीं किये जाने पर जिन अधिकारियों-कर्मचारियों पर दंड अधिरोपित किया गया है।

आपराधिक गतिविधियों से आमजनों में असुरक्षा का माहौल

रानीताल मॉर्निंग वॉक परिसर की सुरक्षा दुरुस्त करने पुलिस को सौंपा ज्ञापन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। रानीताल मॉर्निंग वॉक परिसर में असामाजिक तत्वों द्वारा लोहे की ग्रिल, कुर्सियों एवं बिजली के पोलों में लगातार की जा रही तोड़फोड़ एवं चोरी की घटनाओं तथा परिसर में बढ़ती नशेड़ियों की गतिविधियों के विरोध में क्षेत्रीय कांग्रेस पार्षद संतोष दुबे पंडा के नेतृत्व में क्षेत्रवासियों ने थाना प्रभारी लार्डगंज को ज्ञापन सौंपकर तत्काल कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन में परिसर में नियमित पुलिस गश्त बढ़ाने, असामाजिक तत्वों पर सख्त कार्रवाई करने तथा मॉर्निंग वॉक परिसर की सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करने की मांग की गई। क्षेत्रवासियों ने बताया कि लगातार हो रही तोड़फोड़ और चोरी की घटनाओं से आम नागरिकों में भय एवं असुरक्षा का माहौल बन रहा है। इस दौरान पार्षद संतोष दुबे पंडा, विवेक यादव, रवि सोनकर, अमित दुबे, पप्पन मिश्रा, प्रियांशु मिश्रा, बंटी ठाकुर सहित क्षेत्रीय जन उपस्थित रहे।

400 केवी सर्किट ब्रेकर की इन-हाउस ओवरहॉलिंग से बचाएं लाखों रुपये

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

एमपी ट्रांसको के टेस्टिंग सर्किल जबलपुर के अभियंताओं ने 400 केवी सबस्टेशन कटनी में स्थापित बिरसिंहपुर नंबर-2 फीडर के 400 केवी एबीबी निर्मित सर्किट ब्रेकर की सफलतापूर्वक इन-हाउस ओवरहॉलिंग कर कंपनी को लगभग 50 लाख रुपये की बचत कराई। अभियंताओं एवं तकनीकी कर्मचारियों द्वारा लगभग एक सप्ताह तक सतत प्रयास से यह कार्य पूर्ण हुआ । यह सर्किट ब्रेकर बिरसिंहपुर ताप विद्युत गृह से आने वाले अत्यंत महत्वपूर्ण 400 केवी फीडर पर स्थापित है, जिसके माध्यम से लगभग 350 मेगावाट विद्युत का पारेषण होता है। प्रदेश की विद्युत व्यवस्था की दृष्टि से यह फीडर अत्यधिक महत्वपूर्ण माना जाता है। इससे विश्वसनीयता बढ़ी और ग्रिड सुरक्षा सुदृढ़ हुई।

विशेष मातृत्व स्वास्थ्य शिविर का हुआ आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए भारत सरकार प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के सफलतापूर्वक 10 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 9 जून को जबलपुर जिले के सभी अस्पतालों, स्वास्थ्य केंन्द्रो में विशेष पीएमएसएमए शिविर आयोजित किए गये। इस दौरान सभी शासकीय जिला चिकित्सालयों, सिविल अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों तथा आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में गर्भवती महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण मातृ स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करते हुए रक्तचाप, वजन, बीएमआई, मेडिकल की जांच के साथ ही आवश्यक प्रयोगशाला परीक्षण भी किए गये।

पमरे ने माल यातायात से कमाया 558 करोड़ का राजस्व

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। पश्चिम मध्य रेल में जबलपुर, भोपाल एवं कोटा तीनों मंडलों के माल यातायात में निरंतर वृद्धि दर्ज की जा रही है। महाप्रबंधक के मार्गदर्शन में बेहतर परिचालन एवं ग्राहक-केंद्रित सेवाओं के परिणामस्वरूप पश्चिम मध्य रेल ने माह मई 2026 में माल यातायात से 558 करोड़ 21 लाख का ऑरिजिनेटिंग राजस्व अर्जित किया है। यह उपलब्धि गत वर्ष के इसी माह में अर्जित 533 करोड़ 30 लाख की तुलना में 4.67 प्रतिशत अधिक है।

आमजनों की सुरक्षा से हो रहा था खिलवाड़

होटल से लेकर कोचिंग सेंटर हुए सील

फायर सेफ्टी की अनदेखी करने वाले 3 प्रतिष्ठान हुए सील

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

दिल्ली की एक होटल में हुई भीषण आग लगने की घटना के बाद जबलपुर में निगमायुक्त अब एक्शन मोड़ पर आ गए हैं। शहर में किसी भी अप्रिय घटना को रोकने और सुरक्षा व्यवस्था को अभेद्य बनाने के लिए निगमायुक्त ने अस्पतालों, होटलों, कोचिंग संस्थानों, मॉल और अन्य बहुमंजिला व ऊंची इमारतों में फायर फाइटिंग सिस्टम की बारीकी से जांच करने के निर्देश दिए हैं। इस कार्य को पूरी पारदर्शिता और कड़ाई से पालन करने के लिए निगमायुक्त ने फायर अधीक्षक, अतिक्रमण दस्ता और भवन अधिकारियों की एक संयुक्त टीम का गठन किया है। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि संयुक्त टीम मिलकर सभी ऊंची इमारतों का औचक निरीक्षण करे। जिन संस्थानों में फायर एनओसी नहीं है या सुरक्षा उपकरण बंद पड़े हैं, उन्हें तुरंत दुरुस्त कराया जाए। नियमों का उल्लंघन करने वालों पर नियमानुसार सख्त से सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। इसी कड़ी में शहर में अग्नि सुरक्षा, भवन अनुज्ञा और लाइसेंस संबंधी नियमों की अनदेखी पर जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन और नगर निगम प्रशासन ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए 3 संस्थानों को सील किया। यह कार्रवाई कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह, निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार और पुलिस कप्तान सम्पत उपाध्याय के निर्देश पर की गई। संयुक्त दल द्वारा लार्डगंज-कछियाना स्थित नागौद लॉज, करमचंद चैक स्थित स्टैण्डर्ड होटल और राइट टाउन स्थित नारायणा कोचिंग का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान इन संस्थानों में अग्निशमन व्यवस्थाओं, भवन उपयोग, आवागमन मार्ग, पार्किंग, वेंटिलेशन और लाइसेंस संबंधी गंभीर अनियमितताएं पाई गईं।

रहवासी स्वीकृति में हो रहा था व्यवसायिक उपयोग- जन-सुरक्षा की दृष्टि से इन कमियों को गंभीर मानते हुए तत्काल सील करने की कार्रवाई की गई। नागौद लॉज, लार्डगंज-कछियाना में निरीक्षण के दौरान पाया गया कि भवन में आवश्यक अग्निशमन स्थापनाएं स्थापित नहीं थीं और आवागमन के लिए केवल एक ही मार्ग उपलब्ध था। भवन विभाग की जांच में यह तथ्य सामने आया कि भवन रहवासी प्रयोजन के लिए स्वीकृत था, जबकि उसका उपयोग व्यावसायिक प्रयोजन के लिए किया जा रहा था। मौके पर पार्किंग व्यवस्था भी उपलब्ध नहीं पाई गई। बाजार एवं लाइसेंस विभाग द्वारा यह भी पाया गया कि ट्रेड लाइसेंस में स्वीकृत व्यवसाय से भिन्न व्यवसाय संचालित किया जा रहा था। निगमायुक्त ने बताया कि सार्वजनिक उपयोग वाले भवनों, होटल, लॉज, कोचिंग संस्थानों और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में अग्नि सुरक्षा, सुरक्षित निकासी, भवन अनुज्ञा, स्वीकृत उपयोग और लाइसेंस शर्तों का पालन अनिवार्य है। नियमों की अनदेखी पाए जाने पर संबंधित संस्थानों के विरुद्ध इसी प्रकार कठोर कार्रवाई की जाएगी। कार्रवाई के दौरान कार्यपालिक मजिस्ट्रेट अधारताल नीलू बागरी, नगर निगम अग्निशमन अधिकारी कुशाग्र ठाकुर आदि उपस्थित रहे।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक**- **राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक**- **सुबोध दुबे, सम्पादक**- **राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**